THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 315 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.8 2079 रविवार, 29 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

Rates in
HITECH CITY
Plot: Rs. 1.5 to 2 Lakhs per Sq.Yd.
Villa: Rs. 10 to 15 Crs.
Flat : Rs. 2 to 3 Crs.

Rates in
SHADNAGAR
Plot: Rs.27,000/- to 30,000/- per Sq.Yd.
Villa: Rs. 1.25 to 2.0 Crs.

own a
VILLA PLOT / VILLA
in a well developed gated community Maruthi Spring Fields @ affordable price
to extension of
HITECH CITY
in fast growing
SHADNAGAR

HITECH CITY ⟵ 45 Min. Drive ⟶ SHADNAGAR

Plot: Rs. 1.5 to 2 Lakhs per Sq.Yd.
Villa: Rs. 10 to 15 Crs.
Flat : Rs. 2 to 3 Crs.

Plot: Rs.27,000/- to 30,000/- per Sq.Yd.
Villa: Rs. 1.25 to 2.0 Crs.

* Comparative average rates

Importants of SHADNAGAR

- Bangalore highway NH-44
- National Remote Sensing Centre (NRSC)
- Universities, SEZ's, Banks, Hospitals, Education Institutions
- Amazon, Microsoft, Airtel, TCS, Data Centers & many more developments in queue...
- 30 min. drive from Rajiv Gandhi International Airport

MARUTHI SPRING FIELDS

- 18 Acres gated community project
- Situated in Shadnagar town
- Total 216 well developed plots
- Plot Sizes 200 to 400 Sq.Yds.
- Villa sizes from 2500 Sft.
- East & West facing
- 5 Mins. drive from railway station
- 3 Mins. drive from NH - 44
- Bank loan facility upto 85%

DTCP APPROVED LAYOUT
TLP-228/2019/H

TS RERA
P02400001602

MARUTHI
for a better living environment

Marketing & Sales By
KreddyKing
Realestate Portfolio Advisory'
RERA No:A02500000001

29 YEARS EXPERIENCE

Maruthi Spring Fields
Near NRSC,Shadnagar
Gated Community Villas

City Office:
Maruthi Corporation Limited
305, Vakula Mansion, Above Axis Bank,
Cyber Hills, Gachibowli,
Hyderabad-500032,Telangana

Project Office:
Maruthi Spring Fields
Sy.No.:8,10 &13, Annaram,
Shadnagar, RR District,
Telangana, India

or +91 844 844 8599
www.mymaruthi.com/ms

पति और सास ने जबरन छीना बच्चा, बचाव में आए साले का जीजा ने सिर फोड़ा

रोहतक, 28 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतक के कमला नगर में पति और सास ने साले व पत्नी से मारपीट करके उसका बच्चा छीनकर ले गए। साथ ही जीजा ने हीटर मारकर साले का सिर फोड़ दिया। इस संबंध में शिवाजी कालोनी थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक कमला नगर की युवती ने दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी बहादुरगढ़ निवासी अजय के साथ हुई थी। उसका एक साल का बच्चा है। वह शुक्रवार को मायके कमला नगर में आई थी। पति व सास कार में सवार होकर आए और उसका गोद में लिया बच्चा छीन लिया। जब युवती व बच्चे को बचाने के लिए उसका भाई बीच में आया तो आरोपी अजय ने नजदीक रखा हीटर उठाया और साले के सिर में दे मारा।

क्या अनिल एंटनी की राह पर चल रहे हैं शशि थरूर

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पर क्यों रखी पार्टी से अलग राय?

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर देश में विवाद छिड़ा हुआ है. डॉक्यूमेंट्री पर केंद्र के प्रतिबंध को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हल्ला बोला हुआ है. इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने अपनी राय रखी है, जो पार्टी लाइन से अलग है. थरूर ने कहा गुजरात दंगों के घाव अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं, लेकिन इस पर बहस करने से कोई फायदा नहीं होगा. गौरतलब है कि थरूर की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस और उससे जुड़े संगठन प्रतिबंध के बावजूद अलग-अलग जगहों पर डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग कर रहे हैं. दरअसल इस मामले पर बात करते हुए कांग्रेस सांसद थरूर ने कहा था कि बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पर विवाद

अनावश्यक है. जो चीजें पुराने समय में हो चुकी हैं. उन पर अब बात करने का कोई मतलब नहीं है. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा, इस घटना को 21 साल बीत चुके हैं. सुप्रीम कोर्ट इस मामले में पीएम को क्लीन चिट दे चुका है.

थरूर की सोशल मीडिया पर आलोचना

थरूर की टिप्पणी को लेकर कई लोगों ने नाराजगी जताई. एक यूजर ने लिखा कि थरूर अब लोगों से गुजरात दंगों से आगे बढ़ने के लिए कह रहे हैं. यूजर ने आगे लिखा कि थरूर को अपने लंबे अनुभव से इस बात का पता होना चाहिए कि देश और लोगों की यादें लंबी होती हैं. अपने ऊपर लग रहे आरोपों पर शशि थरूर ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि भारत इस त्रासदी से आगे बढ़ गया है थरूर ने ट्वीट कर लिखा मैंने वो नहीं कहा. मैंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि मेरा मानना है कि गुजरात के घाव पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं, लेकिन यह देखते हुए कि सुप्रीम कोर्ट अंतिम फैसला सुना चुका है, हमें इस मुद्दे पर बहस करने से बहुत कम फायदा होगा.

'सेक्युलर कैंप' पर निशाना

इसी टिप्पणी पर जवाब देते हुए आगे उन्होंने 'सेक्युलर कैंप' को निशाने पर ले लिया. उन्होंने लिखा, मैं स्वीकार करता हूं कि अन्य लोग मेरे विचार से असहमत हो सकते हैं, लेकिन सांप्रदायिक मुद्दों पर मेरे चार दशक के रिकॉर्ड और गुजरात दंगा पीड़ितों के लिए खड़े होने के दो दशक के रिकॉर्ड को तोड़-मरोड़ कर पेश करना बेहद निंदनीय है. सेक्युलर कैंप के लोगों को अपनों के प्रति ईर्ष्या रखने से बहुत कम फायदा होगा.

एंटनी का राह पर तो नहीं

शशि थरूर ने जिस तरह से सेक्युलर कैंप लिखकर निशाना साधा है, ये बात बहुत कुछ साफ करती है कि आरोपों से वह किस तरह से खफा है. सेक्युलर कैंप या सेक्युलर लॉबी शब्द का इस्तेमाल अब तक बीजेपी खेमे की तरफ से होता रहा है. लेकिन थरूर ने जिस तरह से इस शब्द का इस्तेमाल किया है, उससे यह सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या ये नाराजगी उन्हें अनिल एंटनी की राह पर तो नहीं ले जा रही है.

क्या किया था अनिल एंटनी ने?

कांग्रेस के दिग्गज नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने बीबीसी डॉक्यूमेंट्री मामले पर अपनी राय रखने को लेकर हो रही आलोचनाओं के बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया था. अनिल एंटनी ने गुजरात दंगों में पीएम मोदी की भूमिका को दिखाने वाली बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री की आलोचना की थी.

उन्होंने लिखा था कि जो लोग ब्रिटेन के पूर्व विदेश सचिव जैक स्ट्रॉ के विचारों से सहमत हैं, वो भारत के लिए खतरनाक मिसाल कायम कर रहे हैं. आलोचना के बाद उन पर ट्वीट हटाने का दबाव पड़ा जिसके बाद उन्होंने पार्टी से इस्तीफा देते हुए गंभीर आरोप लगाए. अनिल एंटनी ने कहा कि मुझ पर पोस्ट हटाने के लिए दबाव बनाया गया. रात में धमकी भरे फोन आए, मैसेज भेजे गए. मुझे लगता है कि अब कांग्रेस में मेरे लिए कुछ नहीं है.

टिक्करी गांव में खेत में गुब्बारे में मिले पाक नोट पुलिस जांच में जुटी

रामपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बुशहर रामपुर के ननखड़ी के टिक्करी गांव में एक व्यक्ति के खेत में फटे गुब्बारे में पाकिस्तान नोट मिले। पुलिस ने इस नोट को अपने कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को शाम को ग्राम पंचायत नीरथ के उप प्रधान प्रेम चौहान ने पुलिस थाना ननखड़ी को फोन से सूचना दी कि टिक्करी गांव के साथ खेत में गुब्बारो के साथ खेत में पाकिस्तानी नोट मिले है। सूचना मिलते ही पुलिस थाना ननखड़ी से टीम रवाना हो गए। मौके पर पहुंचे तो ओम प्रकाश ने बताया की वे खेतों में काम कर रहे थे तो एक फटा हुआ गुब्बारा मिला जिसमें दस रुपये का करंसी नोट था।

मुंबई एयरपोर्ट पर 11 विदेशी गिरफ्तार

4.14 करोड़ रुपये का 8.3 किलोग्राम सोना जब्त

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं. मुंबई हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने शारजाह से मुंबई आए 11 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया. जिनके पास से कथित तौर पर 4.14 करोड़ रुपये का 8.3 किलोग्राम सोना बरामद किया गया है. यह लोग सोने को शरीर में छिपाकर ले जा रहे थे. इस बारे में एक सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया कि मामले में गिरफ्तार किए गए यात्री शारजाह से तड़के सुबह मुंबई पहुंचे थे और एक खुफिया जानकारी मिली थी. जिसके आधार

पर उन्हें पकड़ा गया. उन्होंने कहा कि इन लोगों ने अपने शरीर में मोम के रूप में सोने को छिपा रखा था. ऐसा ही एक मामला 23 जनवरी को मुंबई हवाई अड्डे से आया था. मुंबई हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था. इन दो लोगों को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था. विदेशी मुद्रा की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था. एक विदेशी नागरिक ने किताबों में बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा छिपा के रखी थी. मुद्रा का मूल्य 90,000 यूएसडी था. दूसरे आरोपी के पास से ढाई किलो सोना मिला था. बता दें कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने 22 और 23 जनवरी की दरमियानी रात दोनों यात्री को रोका था. अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी मिली थी. जिसके के आधार पर रोका गया था. जब अधिकारियों ने उनके सामान की जांच की तो पता चला कि एक किताब के बीच डॉलर छुपा रखे थे. जिसे वह अपने साथ ले जा रहा थे. यात्री इतनी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा ले जाने के लिए वैध दस्तावेज अधिकारियों के सामने पेश नहीं कर पाए थे. बरामद विदेशी मुद्रा को सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 110 के तहत जब्त किया गया था.

रोहतक गैंगरेप केस में 4 को उम्रकैद

रोहतक, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में करीब 8 साल की बच्ची से गैंगरेप के 4 दोषियों को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा दी है। यह दोषी बच्ची को टॉफी का लालच लेकर रेलवे यार्ड में ले गए। जहां पर चारों ने एक-एक करके नाबालिग बच्ची के साथ रेप किया था। चारों दोषियों में से एक उत्तर प्रदेश का तो दूसरा राजस्थान का रहना वाला है। वहीं 2 दोषियों में से एक झज्जर का व दूसरा रोहतक का रहने वाला है। सभी को 8-8 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया।

स्कूल स्टाफ की सतर्कता आई काम

'पीहू के मां-पापा थाने में हैं, इसलिए आया हूं', नेता की बेटी के अपहरण का प्रयास

गाजियाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद में राष्ट्रीय समाज पार्टी के नेता नरेश कुमार की चौथी कक्षा में पढ़ने वाली 10 वर्षीय बेटी पीहू का स्कूल से अपहरण करने के प्रयास का मामला सामने आया है। आदित्य शर्मा नाम का एक युवक पीहू के स्कूल पहुंच गया और स्कूल स्टाफ से कहने लगा कि पीहू के माता -पिता थाने में हैं इसलिए वह लेने आया है। स्कूल स्टाफ ने वेरिफिकेशन किया तो मामले का खुलासा हुआ। युवक की सभी बातें फर्जी निकली। पीहू के पिता स्कूल पहुंचे तो युवक वहां से भाग गया। मामले में पीहू के पिता नरेश कुमार ने विजयनगर थाने रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी नगर अंशु जैन का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। स्कूल की सतर्कता से बच्ची का अपहरण होने से बच गया। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

फेसबुक पर भेजी थी रिक्वेस्ट

नरेश कुमार ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय समाज पार्टी से विधायक का चुनाव लड़ा था। कुछ दिन पहले आदित्य शर्मा नाम के युवक की उनके पास फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। उन्होंने उसका अकाउंट खंगाला तो वह युवक दिल्ली का था। नरेश कुमार ने मामले में पुलिस से गहनता से जांच करने और अपहरण करने की मंशा का पता लगाने की गुहार लगाई है।

रेलवे लाइन के पास तीन शवों से सनसनी

एक महिला और दो बच्चों की हत्या, पहचान छिपाने को कुचला चेहरा

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के नरेला इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब रेलवे लाइन के पास तीन शव बेहद खराब स्थिति में देखे गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है और मृतकों की पहचान करने में जुटी हुई है। गौरतलब है कि शनिवार सुबह नरेला इलाके में रेलवे लाइन के पास तीन लाश मिलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि रेलवे लाइन के पास जो तीन शव मिले हैं उनमें एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। महिला की उम्र लगभग 27-28 साल बताई जा रही है और बच्चों की उम्र एक-दो साल के बीच में है। जानकारी के अनुसार तीनों शव के चेहरे बुरी तरह से कुचले हुए हैं। माना जा रहा है कि ऐसा पहचान छिपाने के लिए किया गया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और शवों के पहचान में जुटी है।

डीआरआई की बड़ी कार्रवाई

छापेमारी में 139 दुर्लभ जानवर बरामद; चार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक वन विभाग और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। दोनों एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई में बेंगलुरु के एक फार्म हाउस में छापेमारी कर 139 जानवरों को बरामद किया है। इनमें 48 विभिन्न प्रजाति के जानवर हैं। 34 ऐसी प्रजातियां भी शामिल हैं, जो वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्त प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (सीआईटीईएस) के तहत सूचीबद्ध हैं।

एयरपोर्ट पर भी की कार्रवाई

डीआरआई ने इस संबंध में एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि एजेंसी को जानवरों की तस्करी की खुफिया सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर

डीआरआई अधिकारियों ने 22 जनवरी को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आए एक महिला के अलावा तीन यात्रियों को रोका गया।

बैंकॉक के यात्रियों से 18 विदेशी जानवर बरामद

बयान में कहा गया कि चेक-इन के दौरान जांच की गई तो 18 विदेशी जानवरों (चार प्राइमेट और 14 सरीसृप) को बरामद किया गया। इनमें से 10 जानवर सीआईटीईएस लिस्ट में शामिल हैं। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में ऐसे जानवरों का आयात प्रतिबंधित हैं। डीआरआई अधिकारियों ने आरोपी यात्रियों को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया। डीआरआई ने बताया कि आरोपियों ने वन्यजीव के आयात के वैध दस्तावेज पेश नहीं किए। बयान में कहा गया कि आरोपी व्हाट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इनकी खरीद-फरोख्त करते थे।

इन वन्यजीवों को किया गया बरामद

बरामद किए गए जानवरों में पीले और हरे रंग के एनाकोंडा, पीले सिर वाले अमेजन तोते, रेड फुट कछुआ, इगुआनास, बॉल पाइथन, एलीगेटर गार, याकी बंदर, गिरगिट, रैकून डॉग जैसे अत्यंत दुर्लभ और खतरे वाले जानवर शामिल हैं।

खिलाड़ियों के 4% आरक्षण के अध्यादेश को मिली मंजूरी

अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता को मिलेगा ये तोहफा

देहरादून, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य के खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में चार प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने के लिए राज्य सरकार अध्यादेश ला रही है। न्याय विभाग ने अध्यादेश लाने को मंजूरी दे दी है। कार्मिक विभाग की भी हरी झंडी मिलने के बाद अब इसे आगामी प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में लाया जाएगा। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार कुछ अहम कदम उठाने जा रही है। सरकार खिलाड़ियों के लिए नौकरियों में चार प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का कानून बनाने जा रही है। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक पूर्व में 4 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का शासनादेश था, लेकिन 2013 में हाईकोर्ट ने इस शासनादेश को रद्द कर दिया था। खेल मंत्री रेखा आर्य के मुताबिक प्रदेश के खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ दिया जा सके इसके लिए न्याय और कार्मिक से सहमति मिल गई है। न्याय विभाग की सहमति पर इसके लिए नियमावली बनाई गई है। कैबिनेट के माध्यम से अध्यादेश लाकर या विधानसभा के माध्यम से इसे कानून बनाया जाएगा। इससे प्रदेश में खेल का और बेहतर माहौल बनेगा व खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा।

जोशीमठ आपदा से होटल होम-स्टे कारोबार हाशिये पर, 75 फीसदी बुकिंग हुई रद्द, ऐसे हैं हालात

रुद्रप्रयाग, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में मसूरी के बाद जोशीमठ ही ऐसा नगर है जहां बारामाह पर्यटक पहुंचता है। पर्यटकों की आवाजाही से यहां प्रतिवर्ष 60 से 70 करोड़ का कारोबार होता है जिसमें 30 करोड़ से अधिक होटल व होम स्टे व्यवसाय का शामिल है। भू-धंसाव से प्रभावित होने के कारण कारोबार हाशिए पर सिमटकर रह गया है। होटल, होम स्टे में इस वर्ष 2 जनवरी तक मिली 75 फीसदी तक बुकिंग रद्द हो चुकी है। संचालकों ने अपने स्टॉफ में भी कटौती कर दी है। जोशीमठ में 68 होटल और 101 होम स्टे संचालित हो रहे हैं जो होटल एसोसिएशन के अंतर्गत पंजीकृत हैं। इन होटल/होम स्टे में बीते वर्ष तक बारामाह बुकिंग रहती थी। कोरोनाकाल के बाद बीते दिसंबर 2021 से जनवरी 2022 तक सिर्फ एक माह में ही यहां 40 करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ। बीते 2 जनवरी तक इन होटल, होम स्टे को 75 फीसदी बुकिंग मिल चुकी थीं लेकिन भू-धंसाव से बिगड़े हालातों ने कारोबार को हाशिए पर रख दिया। होटल व्यवसायी सूरज कपरूवाण, राजेंद्र सिंह राणा, हरीश भंडारी ने बताया कि बीते वर्ष 25 दिसंबर 2022 से 2 जनवरी 2023 तक पूरे सीजन की बुकिंग मिल गईं थी लेकिन सब रद्द हो चुकी है।

फंदा डालकर किया तेंदुए का शिकार सूंघते हुए शिकारी के खेत पहुँचा डॉग

सतना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सतना के जंगल में एक बार फिर शिकारियों ने एक तेंदुआ को निशाना बनाया और उसका शिकार किया। उचेहरा वन परीक्षेत्र के सखौंहा वीट के कक्ष क्रमांक पी-398 के नीचे नाले में एक मादा पैंथर की लाश मिली है। दोपहर जंगल का पैदल भ्रमण करने वाले वन कर्मियों के दल को लाश दिखी तो घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंचे जांच अधिकारी से लेकर आला अधिकारी जांच में जुट गए हैं। शव को कब्जे में लेकर वन अमले ने आसपास के क्षेत्र में लगभग दो घंटे तक सर्चिंग की लेकिन कोई सुराग न मिलने पर डॉग स्क्वायड की मदद ली गई, तो शव मिलने के स्थान से करीब 200 मीटर दूर दामोदर प्रसाद केवट के खेत में तार का फंदा लगा बांस का मजबूत डंडा मिला। फंदा मिलने पर जब खेत मालिक दामोदर केवट से पूछताछ की गई तो उसने पहले वन अधिकारियों को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन उसका यह प्रयास नाकाम हुआ डेढ़ घंटे की कड़ी पूछताछ में आरोपी ने जुर्म करना कबूल लिया। वन विभाग की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका उद्देश्य शिकार करना नहीं बल्कि जंगली सूअरों से खेत की फसल को बचाने का था। लेकिन 24-25 जनवरी की रात इस फंदे में तेंदुआ हंसकर मर गया। जब दूसरे दिन खेत में मृत पैंथर को देखा तो घबराहट के कारण उसके शव को नाले के पास फेंक दिया ताकि पानी के चलते शरीर नष्ट हो जाए।

पेड़ से टकराई बेकाबू कार, दो युवकों की मौत, फगवाड़ा में हुआ दर्दनाक हादसा

फगवाड़ा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। फगवाड़ा में होशियारपुर रोड पर शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आसपास के लोगों ने घायलों को सिविल अस्पताल फगवाड़ा में भर्ती करवाया। मृतकों के शव सिविल अस्पताल में रखे गए हैं। जानकारी के अनुसार चारों युवक फोटोग्राफी का काम करते हैं। सभी बठिंडा और बरनाला के रहने वाले हैं। शनिवार सुबह होशियारपुर रोड पर एक कार बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। कार में चार युवक सवार थे।

एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने फिल्म 'पठान' की तारीफ की

बॉयकाट गैंग पर कसा तंज

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। एनसीपी नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने एक इंटरव्यू में फिल्म अभिनेता शाहरुख खान और उनकी फिल्म पठान के बारे में विस्तार से बात की. उन्होंने पठान फिल्म बायकॉट करने को लेकर मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा पर निशाना साधा. सुप्रिया सुले ने कहा कि पठान फिल्म में शाहरुख और दीपिका दोनों बहुत ही प्यारे लग रहे हैं, और जो उनका विरोध कर रहे हैं, वह सिर्फ शाहरुख से जलते हैं.

एमपी के गृहमंत्री ने जताई थी आपत्ति

दिसंबर 2022 में पठान फिल्म से पहले उसका गाना बेशरम रंग

रिलीज हुआ था. गाना रिलीज होने के बाद एमपी के सीएम नरोत्तम मिश्रा ने मध्य प्रदेश में फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी. मिश्रा ने गाने में दीपिका पादुकोण के भगवा स्विमसूट पहनने पर आपत्ति जताई थी. मिश्रा की प्रतिक्रिया आने के बाद के हफ्तों में मिश्रा की देखा-देखी कई अन्य राजनीतिक नेताओं और संगठनों ने पठान के खिलाफ बैन लगा दिया था. 25 जनवरी को रिलीज इस फिल्म में अभिनेता शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम लीड रोल में हैं. अपनी रिलीज के बाद इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में कई रिकॉर्ड तोड़े. फिल्म निर्माताओं ने बताया कि इस फिल्म का वर्ल्ड वाइड कलेक्शन अभी तक 219.6 करोड़ रुपये रहा.

क्या बोला यश राज फिल्म्स?

प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) के अनुसार, शाहरुख-दीपिका पादुकोण अभिनीत इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन दुनिया भर में कुल 113.6 करोड़ रुपये जुटाए. फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 106 करोड़ रुपये की कमाई की थी. भारत में , फिल्म ने दूसरे दिन कुल 82.94 करोड़ रुपये की कमाई की. फिल्म के हिंदी संस्करण ने 68 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की और इसके डब संस्करणों ने अतिरिक्त 2.5 करोड़ रुपये की कमाई की. 'पठान' बुधवार को तमिल और तेलुगू में भी रिलीज हुई थी. फिल्म ने एक और रिकॉर्ड बनाया क्योंकि यह एक ही दिन में 70 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई करने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म ने कुल 30.70 करोड़ रुपये की कमाई की.

अरुनिया में सैन्य कैंप की फोटो ग्राफी करते दो श्रमिक हिरासत में

नौ अन्य लोगों से पूछताछ

जम्मू, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अरनिया सैन्य कैंप की फोटोग्राफी करने के आरोप में दो श्रमिकों को हिरासत में लिया गया है। उनके अन्य नौ साथियों से भी पूछताछ की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि श्रमिकों के तार किसी आतंकी संगठन से तो नहीं जुड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक अरनिया कैंप के पास सैन्य कर्मियों ने दो मजदूरों को फोटो खींचते हुए देखा। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले को संदिग्ध देखते हुए उनके नौ साथियों को थी थाने में बुलाया। उनके से पूछताछ की गई। सभी मजदूर पुंछ और रामबन जिले के रहने वाले हैं। मामला सैन्य क्षेत्र के पास फोटोग्राफी से होने के कारण पुलिस गहनता से जांच कर रही है।

सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा

अमित शाह कर्नाटक यात्रा कर विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

कित्तूर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की तैयारियां चल रही है। भाजपा अलर्ट मोड में आ गई है।इसी बीच मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शनिवार को कहा, "केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी कर्नाटक की यात्रा राज्य में भाजपा की चुनावी तैयारियों को गति दे रही है।" बता दें कि मुख्यमंत्री ने कहा कि शाह पूरे राज्य का दौरा करेंगे। जब भी कोई चुनाव होता है तो वह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे पहले, वह दक्षिण कर्नाटक में मांड्या गए थे और अब कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में हैं। बता दें कि गृह मंत्री रात शहर पहुंचे।अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान, वह धारवाड़ और बेलगावी शहरों में एक मेगा रोड शो और सार्वजनिक रैलियों सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। कित्तूर कर्नाटक क्षेत्र भाजपा पार्टी का मजबूत आधार है। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि अमित शाह अगले महीने हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र का दौरा करेंगे और केंद्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।उन्होंने कहा, पार्टी राज्य में

वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं के दौरे के इस अवसर का उपयोग अपने लाभ के लिए करना चाहती है। हम राज्य की भलाई के लिए उनके प्रभाव का उपयोग करेंगे।इस सवाल पर कि क्या भाजपा की राज्य इकाई आंतरिक कलह का सामना कर रही है, सीएम बोम्मई ने कहा, भाजपा में कोई असंतोष नहीं है। पार्टी के संबंध में किसी भी नेता द्वारा असंतोष का एक शब्द नहीं बोला जा रहा है। पार्टी का विकास सबसे महत्वपूर्ण है और सभी को इसके लिए प्रयास करना चाहिए। पार्टी को प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता बीजेपी से डर रहे हैं और बयान जारी कर रहे हैं।विशेष रूप से, गृह मंत्री शाह कर्नाटक लिंगायत सोसाइटी (केएलई) के बीवीबी इंजीनियरिंग कॉलेज के इनडोर स्टेडियम का उद्घाटन करेंगे। बाद में वह केएलई के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित अमृत महोत्सव में भी हिस्सा लेंगे।बाद में, वह धारवाड़ में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की आधारशिला रखेंगे। वह कुंडागोल में 'विजया संकल्प यात्रा' में हिस्सा लेने के अलावा वहां के 300 साल पुराने प्राचीन शंभूलिंग मंदिर में पूजा-अर्चना भी करेंगे। वह बसवन्ना मठ भी जाएंगे।पार्टी ने डेढ़ किलोमीटर तक मेगा रोड शो का आयोजन किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 315 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.8 2079 रविवार, 29 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

सुखोई और मिराज क्रैश, एक पायलट की मौत

ग्वालियर से उड़े, मुरैना में टकराए, मिराज वहीं और सुखोई 90 किमी दूर भरतपुर में गिरा

मुरैना/भरतपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। शनिवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। लेकिन इसके बारे में पूरी जानकारी मिलने में ढाई घंटे से अधिक का वक्त लग गया। एयरफोर्स के दो फाइटर प्लेन सुखोई-30 और मिराज-2000 शनिवार सुबह 10.00 से 10.30 बजे के बीच ग्वालियर के पास आपस में टकराकर क्रैश हो गए।

सुखोई पर दो और मिराज पर एक पायलट सवार थे। हादसे में सुखोई के दोनों पायलट सुरक्षित एजेक्ट होने में कामयाब रहे, लेकिन मिराज के पायलट की मौत हो गई। सुरक्षित बचे पायलट को चोटें आई हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों पायलट के नाम और बाकी डिटेल के बारे में एयरफोर्स ने अब तक कुछ नहीं बताया है।

एयरफोर्स का कहना है कि दोनों सुखोई और मिराज ने रुटीन ट्रेनिंग के लिए उड़ान भरी थी। मिली जानकारी के मुताबिक दोनों ट्रेनिंग

के दौरान बेहद पास उड़ान भर रहे थे। तभी दोनों आपस में टकरा गए। टकराने से मिराज में आग लग गई और वह मध्यप्रदेश के मुरैना के पहाड़गढ़ में जा गिरा। इसे सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इसके पायलट की मौत हो गई। घटनास्थल पर उसके एक हाथ की वीडियो फुटेज भी सामने आई। टकराने के बाद सुखोई में आग नहीं लगी, लेकिन उसके विंग्स टूट गए। उसके दोनों पायलटों को जब लगा कि एयरक्राफ्ट क्रैश होने वाला है उन्होंने खुद को इजेक्ट कर लिया। दोनों पैराशूट के सहारे जमीन पर आ गिरे। इसके बाद सुखोई बिना पायलट के पहले वाले घटनास्थल से करीब 90 किमी दूर राजस्थान के भरतपुर जिले के पिंगोरा में जा गिरा। वहां मौजूद लोगों ने भी विंग्स टूटने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जब विमान गिरा तब उसके विंग्स नहीं थे।

तीन घंटे तक असमंजस बना रहा

इस हादसे की खबर सबसे पहले सुबह करीब 11 बजे सामने आई। तब भरतपुर में एक फाइटर प्लेन के क्रैश होने की बात कही गई। लेकिन भरतपुर कलेक्टर ने कहा कि भरतपुर के नजदीक चार्टर्ड प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। कुछ देर बाद मुरैना से भी एक फाइटर प्लेन के क्रैश होने की खबर मिली।

तब तक यह माना जा रहा था कि ये दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं। करीब 15 मिनट बाद खबर आई कि दो फाइटर प्लेन मुरैना में टकराए हैं। करीब 11.30 से 12.30 बजे तक यह साफ नहीं हो सका की मामला क्या है। इसके बाद ग्राउंड से जानकारी जुटाई कि हादसा अलग-अलग नहीं हुए हैं। दोनों एयरक्राफ्ट ग्वालियर एयरबेस से उड़े थे और मुरैना के पास टकराए। इनमें से एक फाइटर प्लेन 90 किमी दूर भरतपुर के पास गिरा। लेकिन आधिकारिक तौर पर इसे कोई कन्फर्म नहीं कर रहा था। इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में एक अन्य प्लेन के आगरा एयरफोर्स बेस से उड़ने और भरतपुर में क्रैश होने की खबर दी गई।

त्रिपुरा चुनाव के लिए भाजपा-कांग्रेस की पहली लिस्ट जारी

भाजपा ने 48 तो कांग्रेस ने 17 कैंडिडेट्स के नाम की घोषणा की

अगरतला, 28 जनवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को कांग्रेस ने कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी कर दी। पार्टी ने पहले चरण में 17 कैंडिडेट्स के नाम की घोषणा हुई है। कांग्रेस ने अगरतला से फिर से सुदीप रॉय बर्मन को ही मैदान में उतारा है। सीएम माणिक साहा को टक्कर देने के लिए कांग्रेस ने टाउन बार्दोवाली सीट से आशीष कुमार साहा को टिकट दिया है।

कांग्रेस से पहले भाजपा ने त्रिपुरा चुनाव के लिए 48 सीटों पर कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी की। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक के भी चुनाव लड़ने का ऐलान किया। धनपत सीट से प्रतिमा चुनाव लड़ेंगी। त्रिपुरा में 16 फरवरी को मतदान होगा और इनका नतीजा 2 मार्च को आएगा। यहां 60 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। राज्य में 2018 में 59 सीटों पर चुनाव हुए थे। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। उसे 35 सीटें मिली थीं। >14

पीएम ने नहीं की देवनारायण कॉरिडोर की घोषणा

कहा-आपका-हमारा गहरा नाता, भगवान देवनारायण का जन्म कमल पर हुआ और हमारी पैदाइश कमल से

भीलवाड़ा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुर्जरों के आराध्य भगवान देवनारायण के जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने भीलवाड़ा पहुंचे। मालासेरी डूंगरी में उनके दर्शन के बाद मोदी ने गुर्जरों से कहा कि आपका और हमारा गहरा नाता है। भगवान देवनारायण का जन्म कमल पर हुआ है और हमारी तो पैदाइश ही कमल से है। उन्होंने कहा कि यह संयोग है कि देवनारायण के जन्म का 1111वां वर्ष और भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली है। जी-20 के लोगो में दुनिया को कमल पर बैठाया है। मोदी ने यहां एक बड़ी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भगवान देवनारायण का बुलावा आए तो कोई मौका नहीं छोड़ता, इसीलिए मैं हाजिर हो गया। ये कोई प्रधानमंत्री यहां नहीं आया है, मैं पूरे भक्तिभाव से आप ही की तरह एक यात्री के रूप में आशीर्वाद लेने आया हूं।

उम्मीद जताई जा रही थी कि मोदी देवनारायण मंदिर का कॉरिडोर बनाने की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने कोई घोषणा नहीं की। उन्होंने कहा, मुझे यज्ञशाला में पूर्णाहुति में देने का भी सौभाग्य मिला। मेरे लिए यह भी सौभाग्य का विषय है कि मुझे जैसे सामान्य व्यक्ति को आज आपके बीच आकर भगवान देवनारायण का और उनके भक्तों का आशीर्वाद प्राप्त करने का पुण्य मिला है।

मोदी ने कहा कि हम भारत के हजारों वर्षों पुराने अपने इतिहास, संस्कृति और सभ्यता पर गर्व करते हैं। दुनिया की अनेक सभ्यताएं समय के समाप्त हो गईं। परिवर्तनों के साथ खुद को ढाल नहीं पाईं। भारत को भी भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक रूप से तोड़ने के बहुत प्रयास हुए, लेकिन भारत को कोई ताकत समाप्त नहीं कर पाई। मोदी ने कहा कि भारत सिर्फ एक भू-भाग नहीं है, बल्कि हमारी श्रद्धा की एक अभिव्यक्ति है, इसलिए वैभवशाली भविष्य की नींव भारत रख रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी प्रेरणा, सबसे शक्ति हमारे समाज की है। >14

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज का कानून मंत्री पर निशाना

कॉलेजियम की सिफारिशों को रोकना लोकतंत्र के लिए घातक बताया

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जजों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम सिस्टम पर केंद्र के बढ़ते हमलों के बीच सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज रोहिंटन फली नरीमन ने कानून मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधा है। शुक्रवार को एक कार्यक्रम में उन्होंने कॉलेजियम की ओर से सिफारिश किए गए नामों को रोकना लोकतंत्र के लिए घातक बताया। साथ ही कानून मंत्री को याद दिलाया कि अदालत के फैसले को स्वीकार करना उनका कर्तव्य है। मुंबई यूनिवर्सिटी के कानून विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में लेक्चर देते हुए पूर्व जज ने कहा, हमने इस प्रक्रिया के खिलाफ आज के कानून मंत्री की ओर से एक निंदा सुनी है। मैं कानून मंत्री को आश्वस्त करता हूं कि दो मूलभूत सिद्धांत हैं, जिन्हें उन्हें जानना चाहिए। एक मौलिक बात यह है कि अमेरिका के विपरीत, कम से कम 5 अनिर्वाचित जजों पर संविधान के अनुच्छेद 145(3) की व्याख्या पर भरोसा है और एक बार उन पांच या ज्यादा ने संविधान की व्याख्या कर ली, तो यह अनुच्छेद 144 के तहत एक प्राधिकरण के रूप में आपका कर्तव्य है। >14

बदला गया राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन का नाम, नई पहचान के साथ 31 जनवरी से खुलेगा

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति भवन में मौजूद मुगल गार्डन अब अमृत उद्यान के नाम से जाना जाएगा। बताया जा रहा है कि मुगल गार्डन का नाम अमृत महोत्सव के तहत बदला गया है। यह हर साल आम लोगों के लिए खुलता है। इस साल भी 31 जनवरी से खुलेगा। यहां लोग ट्यूलिप और गुलाब की विभिन्न प्रजातियों के फूलों को देखने आते हैं। राष्ट्रपति भवन स्थित अमृत उद्यान पर्यटकों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र है। यहां पर ब्रिटिश और मुगल दोनों के उद्यानों की झलक मिलती है। इसे बनाने के लिए एडविन लुटियंस ने पहले देश-दुनिया के उद्यानों का अध्ययन किया था। इस उद्यान में पौधारोपण में करीब एक साल का वक्त लगा था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 29 जनवरी, 2023 4

सुविचार

पुरुष या स्त्री के आचरण की जाँच इसी से हो जाती है कि कलह के दौरान वे कैसा व्यवहार करते हैं।

फर्जी बैंक गारंटी दस्तावेज गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त पुलिस आयुक्त, सीसीएस, डीडी, ने आज यहां कहा कि फर्जी बैंक गारंटी तैयार करने में शामिल कोलकाता के चार सदस्यों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया गया है उनसे नकली बैंक गारंटी की प्रतियां, दो चेक, पांच मोबाइल फोन आदि जब्त किए गए हैं। आरोपियों की पहचान गोदिशला नागा राजू 45 वर्ष (एडवोकेट एंड लोन एजेंट, वारंगल), राजस्थान के जयपुर निवासी नरेश शर्मा 52, कोलकाता पश्चिम बंगाल के नीलोत्पल दास 56 वर्ष, कोलकाता के सुभ्रजीत घोषाल 31 वर्ष के रूप में हुई है। सीसीएस की संयुक्त पुलिस आयुक्त स्नेहा मेहरा ने कहा कि आम तौर पर आवेदन करने वाली कंपनी की विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए दस्तावेज़ीकरण के दौरान एक सरकारी अनुबंध देने के लिए, कंपनी से बैंक गारंटी मांगी जाती है (एक सुरक्षा के रूप में कि कंपनी परियोजना को पूरा/निष्पादित करेगी)। इस मामले में हर्षिता इंफ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ने करीमनगर स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड में बायो-माइनिंग का ठेका

दिया है, जिसके लिए एक करोड़ रुपये की बैंक गारंटी देनी होगी। इसके बाद, हर्षिता इंफ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ने नगर निगम प्रशासन के निदेशक द्वारा 11 जैव-खनन अनुबंध भी दिए और कंपनी को 2.25 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करनी पड़ी। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि वारंगल के मुख्य आरोपी नागराजू, हर्षिता इंफ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के पीड़ितों प्रजवेल और संदीप रेड्डी के परिचित थे। नागराजू ने उन्हें बताया कि कमीशन के आधार पर बैंक गारंटी प्रदान की जाएगी। तदनुसार, उन्होंने बीजी प्रदान करने के लिए नागराजू से संपर्क किया क्योंकि उनकी कंपनी को तेलंगाना राज्य सरकार से जैव खनन कार्य आदेश मिला था। फिर नागराजू ने जयपुर से नरेश शर्मा से संपर्क किया, जिन्होंने बदले में कोलकाता से निलोत्पल दास और सुब्रजीत घोषाल से संपर्क किया, जो कोलकाता से चल रहे नकली बैंक गारंटी दस्तावेज़ रैकेट के पीछे मास्टर माइंड थे। निलोत्पल दास अपने मित्र नरेश शर्मा के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचे और बीजी राशि पर 14 प्रतिशत कमीशन लेकर नकली बैंक गारंटी दस्तावेज प्रदान किए। इस नेटवर्क का प्रत्येक व्यक्ति कमीशन का प्रतिशत लेता है। नीलोत्पल दास और सुब्रजीत घोषाल ने इंडसइंड बैंक, पार्क स्ट्रीट शाखा, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के नाम पर जाली पत्रों का उपयोग करके 3.25 करोड़ रुपये की राशि के 12 फर्जी बैंक गारंटी दस्तावेज तैयार किए और इस काम के लिए कमीशन के रूप में 47 लाख रुपये एकत्र किए। ए1 नागराजू ने हर्षिता इन्फ्रा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड से सुरक्षा के रूप में 1.1 करोड़ रुपये के दो चेक भी लिए। कंपनी ने उन्हें करीमनगर स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड और नगर निगम प्रशासन, हैदराबाद के निदेशक को सौंप दिया। मुख्य आरोपी ने फर्जी वेबसाइट बनाई थी और इंडसइंड ब्रांच का फर्जी नाम रखा था। जब संबंधित अधिकारियों ने बीजी दस्तावेजों पर निर्दिष्ट वेबसाइट पर ई-मेल भेजकर क्रॉस-चेक किया, तो आरोपी ने दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि करते हुए रिटर्न फर्जी मेल भेजकर जवाब दिया। लेकिन जब सत्यापन के लिए बीजी दस्तावेजों की हार्ड कॉपी निर्दिष्ट पते पर भेजी गई, तो इंडसइंड बैंक के अधिकारियों ने उन्हें नकली दस्तावेजों के रूप में पहचाना और पुलिस को मामले की सूचना दी। आरोपी नीलोत्पल दास और आरोपी सुभ्रजीत घोषाल ने इंडसइंड बैंक और विभिन्न राज्यों के अन्य बैंकों के नाम पर पूर्व में कई मौकों पर फर्जी बैंक गारंटी दस्तावेज तैयार किए।

फ्लोरोसिस संकट के लिए संघर्ष करने वाले अमशला स्वामी का निधन

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा फ्लोरोसिस संकट का सामना करने वाला अमशला स्वामी (37) का शनिवार को नलगोंडा जिले के मारीगुडा मंडल के शिवन्नागुडेम गांव में उनके आवास पर निधन हो गया। स्वामी शुक्रवार शाम अपने घर में बैटरी से चलने वाली व्हीलचेयर से गिर गए और उन्हें सिर में गंभीर चोट आई। शनिवार सुबह उसे खून की उल्टी हुई और कुछ घंटे बाद उसकी मौत हो गई। वह जल साधना समिति द्वारा लंबे समय से किए जा रहे आंदोलन का हिस्सा थे और 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सामने एक मेज पर उनकी एक तस्वीर के बाद देश भर में जाने गए, जिनसे आंदोलनकारी उनकी गंभीरता को उजागर करने के लिए मिले थे। अमशला स्वामी भी फ्लोरोसिस पीड़ितों के कई प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा थे, जिन्होंने इस मुद्दे के समाधान के लिए कई मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की। वह हाल ही में उस समय भी खबरों में थे जब नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री के टी रामा राव ने उन्हें एक डबल बेडरूम घर और अपनी आजीविका के लिए एक सैलून स्थापित करने के लिए धन स्वीकृत किया था। मंत्री ने पिछले साल नवंबर में उपचुनाव के लिए मुनुगोड की यात्रा के दौरान उनके डबल बेडरूम वाले घर का भी दौरा किया था और उनके साथ दोपहर का भोजन किया था।

सीएम केसीआर ने शोक जताया

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने जीवन भर फ्लोरोसिस के उन्मूलन के लिए संघर्ष करने वाले अमशला स्वामी के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया है कि अम्शला स्वामी फ्लोरोसिस के खिलाफ आंदोलन के पर्याय थे, जो तेलंगाना में तत्कालीन संयुक्त आंध्र प्रदेश में एक बड़े सामाजिक संकट के रूप में उभरा था। केसीआर ने कहा कि मानवीय दृष्टिकोण के साथ अम्शला स्वामी का संघर्ष तेलंगाना संघर्ष के दौरान कई लोगों के लिए प्रेरणा है। मिशन भागीरथ योजना के माध्यम से फ्लोरोसिस मुक्त शुद्ध पेयजल प्रदान करने के सरकार के मजबूत संकल्प के पीछे प्रेरणा हैं। मुख्यमंत्री ने अमशला स्वामी के निधन को दुःखदायी बताते हुए शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। इस बीच, नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने शनिवार को एक शोक संदेश में कहा कि अम्शला स्वामी एक योद्धा है, जिन्होंने फ्लोरोसिस पीड़ितों के लिए लड़ाई लड़ी थी। अम्शला स्वामी के परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना, जिनका आज निधन हो गया। वह एक योद्धा थे, जिन्होंने फ्लोरोसिस पीड़ितों के लिए लड़ाई लड़ी और कई लोगों के लिए प्रेरणा बने। वह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेंगे।

पीड़िता के शरीर पर बने टैटू से पुलिस को मामले की गुत्थी सुलझाने में मिली मदद

सूर्यापेट, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चेव्वेला मंडल में दुराजपल्ली के मॉडल स्कूल के पास एक महिला, जिसका जली हुई लाश मिली थी, के हाथ पर एक टैटू ने पुलिस को मामले को सुलझाने और आरोपी को गिरफ्तार करने में मदद की है। पुलिस अधीक्षक एस. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि 19 नवंबर को मॉडल स्कूल के पीछे झाड़ियों में जली हुई लाश मिली थी। पीड़िता की पहचान करने के लिए, पुलिस ने दीवार पर हाथ की तस्वीर वाले पोस्टर चिपकाए, जिस पर एक टैटू बना हुआ था और लोगों से सूचित करने का अनुरोध किया। उन्हें, अगर कोई उसे जानता था। इसके बाद, उसके बेटे ने उसकी पहचान 60 वर्षीय समा जयम्मा के रूप में की। पुलिस ने तब पाया कि अत्माकूर (एस) मंडल के रमन्नागुडेम की मूल निवासी जयम्मा अपने पति से अलग हो गई थी और अपने बेटे के साथ किराए के मकान में रह रही थी।

वह कुछ महीने पहले टीएसआरटीसी के सूर्यापेट डिपो के अनुबंधित ड्राइवर कोरिपेली सैदुलु से मिली थी। सैदुलु ने उससे 90,000 रुपये उधार लिए थे, लेकिन उनके बीच मतभेद तब पैदा हो गए जब उसने उससे कर्ज चुकाने के लिए कहा।

रेल मंत्री ने दिए वंदे भारत ट्रेनों में कचरा संग्रह प्रणाली में बदलाव के निर्देश

बुलेट जैसी ट्रेन को भी पैसेंजर्स ने बनाया कूड़ाघर

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यात्रियों के व्यवहार पैटर्न को ध्यान में रखते हुए वंदे भारत ट्रेनों में कचरा उत्पादन और संग्रह प्रणाली में बदलाव का निर्देश दिया। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार यात्रियों द्वारा वंदे भारत ट्रेन में कूड़ा डालने के संबंध में कुछ मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लेते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संबंधित अधिकारियों को वंदे भारत ट्रेनों में सफाई के तरीके को बदलने का निर्देश दिया है। उन्होंने सफाई प्रक्रिया को उसी तरह अपनाने पर जोर दिया जैसा कि उड़ानों में किया जाता है। यह वह यात्रियों के व्यवहार पैटर्न पर तय करता है। मोदी ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के स्वभाव को नहीं बदल पाएंगे, जो ट्रेन के डिब्बों को कचराघर बनाने से परहेज नहीं करते हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेन के यात्री भी इससे अलग नहीं रहे हैं। इस ट्रेन के कोच को कूड़ाघर बना देने का फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है, जो जमकर वायरल हो रहा है। इसे देखकर लोग जमकर गुस्सा भी जाहिर कर रहे हैं और ऐसा करने वालों को सुधरने की नसीहत भी दे रहे हैं। यह फोटो आईएएस अफसर अवनीश सहारण ने ट्विटर पर शेयर किया था। उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच की सफाई कर रहे कर्मचारी की फोटो पोस्ट की है, जिसमें खाली बोतलों, यूज्ड फूड कंटेनर्स और प्लास्टिक बैग का बहुत सारा कचरा ट्रेन कोच के फर्श पर बिखरा दिख रहा है। आईएएस अवनीश ने इस फोटो को कैप्शन दिया है, 'वी द पीपुल यानी हम लोग' इस कैप्शन से उन्होंने कचरा बिखेरने की लोगों की आदत पर तंज कसा है। अवनीश के पोस्ट ट्विटर पर बेहद पॉपुलर होते हैं और यह फोटो भी इससे अछूता नहीं रहा है। अवनीश के पोस्ट पर कमेंट करने वालों ने कूड़ा फैलाने वालों पर जमकर गुस्सा दिखाया है। एक व्यक्ति कूड़ा उठाने के बैग को कोच में यात्रियों के सामने जाकर कूड़ा डालने का अनुरोध करेगा। रेल मंत्री ने इस संबंध में ट्वीट भी किया है और सभी से मदद मांगी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में, वंदे भारत ट्रेनों की कुछ तस्वीरें ट्वीट की गईं, जिसमें ट्रेन अपने गंतव्य पर पहुंचने के दौरान खाने के पैकेट और अन्य कचरा बिखरा हुआ था। साथ ही, कुछ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने रेल मंत्री से इस मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश की रेलवे प्रणाली को वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनों से बदलने का सिलसिला शुरू किया है, जो बुलेट ट्रेन नहीं हैं पर उस जैसा अहसास देती हैं। लेकिन पीएम

कविता से मिले अभिनेता शरत कुमार

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तमिल अभिनेता और ऑल इंडिया समथुवा मक्कल काची के संस्थापक अध्यक्ष शरत कुमार ने शनिवार को यहां बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों ने देश में व्याप्त वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर लंबी चर्चा की।

बैठक के दौरान, कविता ने कथित तौर पर अभिनेता को बीआरएस के राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने की आवश्यकता और भविष्य की कार्ययोजना के बारे में बताया। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव कुछ समय से पार्टी विस्तार के तहत तमिलनाडु के विभिन्न दलों के नेताओं के साथ विचार-विमर्श कर रहे हैं, इसलिए शरत कुमार और कविता के बीच बैठक का महत्व बढ़ गया है।

राचकोंडा ट्रैफिक पुलिस का खराब नंबर प्लेट के खिलाफ अभियान

एक ही दिन में वसूला 1.63 लाख का जुर्माना

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा ट्रैफिक पुलिस (आरटीपी) ने शुक्रवार को एक ही दिन में चलाए गए अनियमित नंबर प्लेट के खिलाफ एक विशेष अभियान के दौरान कुल 964 मामले दर्ज किए, जिनमें 149 आपराधिक मामले भी शामिल हैं। उल्लंघन करने वालों पर कुल 1.63 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। ट्रैफिक और लॉ एंड ऑर्डर के 233 कर्मियों द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान, यह देखा गया कि कई वाहन शहर की सड़कों पर बिना उचित नंबर प्लेट के चल रहे हैं। इसके अलावा, कुछ मोटर चालक उल्लंघन के लिए दंड से बचने के लिए और निगरानी कैमरों द्वारा पकड़े जाने से बचने के लिए नंबर प्लेट में हेरफेर कर रहे हैं। हर वाहन में हमेशा एक उचित नंबर प्लेट होनी चाहिए और इसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। राचकोंडा डीसीपी (यातायात) डी. श्रीनिवास ने चेतावनी दी कि अनधिकृत रंगों, फोंट और शैलियों का उपयोग, अतिरिक्त लेखन और टूटी हुई प्लेटें मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार दंड को आकर्षित करेंगी। आपराधिक मामले भी दर्ज किए जाएंगे। डीसीपी ने कहा कि जानबूझकर नंबर प्लेट में हेरफेर करने पर धोखाधड़ी, जालसाजी और सबूत मिटाने का आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। राचकोंडा ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे हमेशा अपनी नंबर प्लेट की स्थिति की जांच करें और जैसे ही वे दोष देखें, इसे ठीक कर लें।

एसबीआई द्वारा संध्या शिविर कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की 103 शाखाओं द्वारा पूरे तेलंगाना राज्य के विभिन्न गांवों में किसान संपर्क कार्यक्रम के एक भाग के रूप में संध्या शिविर कार्यक्रम आयोजित किए गए। सरकारी अधिकारियों और बैंक अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में किसानों और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने कार्यक्रमों में भाग लिया। बैंक अधिकारियों ने केसीसी/एसएचजी ऋणों के शीघ्र पुनर्भुगतान के लाभों के साथ-साथ बैंक द्वारा प्रस्तावित विभिन्न योजनाओं, सरकारी योजनाओं और ऋण समाधान के तहत बकायों के निपटान के बारे में भी बताया।

अमित झिंगरन, मुख्य महाप्रबंधक, हैदराबाद सर्किल ने अरेगुडेम गांव में संध्या शिविर कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने शीघ्र भुगतान करने वाले किसानों और एसएचजी समूह के सदस्यों को सम्मानित किया, एसएचजी सदस्यों को स्वीकृति पत्र वितरित किए, स्कूल को पानी के डिस्पेंसर दान किए और मृतक के नामांकित व्यक्ति को 20 लाख रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा दावा निपटान चेक सौंपा।

अमित झिंगरन ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए केसीसी ऋणों और बैंक से लिए गए अन्य ऋणों के शीघ्र नवीनीकरण/पुनर्भुगतान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मुद्रा लोन योजना, स्टैंडअप इंडिया योजना, पीएमईजीपी, एसएसएस योजनाओं और सरकार द्वारा प्रायोजित अन्य योजनाओं के लाभों के बारे में भी बताया।

टीएसआरटीसी ने अपना खुद का रेडियो लॉन्च किया

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी ने आज अपना खुद का रेडियो लॉन्च किया। इसके प्रबंध निदेशक और वीसी सज्जनार ने कुकटपल्ली बस डिपो से बस भवन में रेडियो सेवा की शुरुआत की। बाद में उन्होंने रेडियो के प्रदर्शन का अवलोकन किया। निगम के कार्यकारी निदेशक (संचालन) पीवी मुनि शेखर, कुक्कटपल्ली डिपो के प्रबंधक इशाक बिन मोहम्मद और यांत्रिक अधीक्षक जयराम ने एमडी को रेडियो की कार्यप्रणाली और उसकी आवाज के बारे में बताया। परियोजना के एक पायलट के हिस्से के रूप में नौ शहरी साधारण और मेट्रो बसों में रेडियो सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर बोलते हुए, सज्जनार ने आशा व्यक्त की कि टीएसआरटीसी रेडियो उनके यात्रियों का मनोरंजन करेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने उप्पल-सिकंदराबाद, कुक्टपल्ली-शंकरपल्ली, कोंडापुर-सिकंदराबाद, कोटि-पठानचेरुवु और इब्राहिमपटनम-जेबीएस रूट की बसों में रेडियो स्थापित किया था। उन्होंने कहा कि सेवाएं शनिवार से शुरू हो गई हैं। उन्होंने कहा कि वे न केवल यात्रियों को अपनी सेवाओं के बारे में बताएंगे बल्कि गानों से उनका मनोरंजन भी करेंगे। उन्होंने कहा कि वे नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालने वाली नैतिक कहानियों और अच्छे संदेशों वाली कहानियों का भी प्रसारण करेंगे। उन्होंने कहा कि वे महिलाओं और बाल सुरक्षा और साइबर और वित्तीय धोखाधड़ी के बारे में भी जागरूकता पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे सभी बसों में स्थापित क्यूआर कोड के माध्यम से यात्रियों से प्रतिक्रिया प्राप्त करेंगे और यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर अन्य बसों में रेडियो सेवाओं का विस्तार करेंगे। उन्होंने राज्य के लोगों और निगम के यात्रियों से उनकी रेडियो सेवाओं को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। गच्चीबावली-मेहदीपट्टनम, सिकंदराबाद-पठानचेरूवु,

बड़े-बड़े वादे कर भूल जाते हैं सीएम केसीआर : सुभाष

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता एन वी सुभाष ने आज मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को सत्ता और धन के नशे में चूर होकर संविधान और न्यायपालिका का 'उल्लंघनकर्ता' करार दिया। राज्य उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद भी सीएम केसीआर सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस परेड मनाने और आयोजित करने में विफल रहे हैं क्योंकि उनके पास परेड में कोई विकास कार्य दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है। आम तौर पर सभी राज्यों ने आकर्षक झांकियों के साथ अपने विकास कार्यों को दिखाया। लेकिन बीआरएस सरकार के पास अपने कामों को दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है और यह परेड रद्द करने का कारण है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के लोगों को गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने से भी वंचित रखा गया है। सुभाष ने कहा कि संवैधानिक पद का सम्मान करने के बजाय सीएम केसीआर ने केंद्र के साथ टकराव का रवैया अपनाया है जो उनके अहंकार को दर्शाता है। केसीआर की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि यदि बीआरएस सत्ता में आती है तो वह देश भर में तेलंगाना मॉडल लागू करेंगे, सुभाष ने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने पहले ही उनके मॉडल को खारिज कर दिया है और उन्होंने आने वाले चुनावों में बीआरएस सरकार के भ्रष्ट और पारिवारिक शासन को खत्म करने का संकल्प लिया है। उन्होंने ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर की यह आदत है कि लोगों से अव्यावहारिक बड़े-बड़े वादे करके दिन में चांद दिखा देते थे और बाद में भूल जाते थे। भाजपा नेता ने कहा कि जो नेता बेहतर राजनीतिक स्थिति के लिए बीआरएस में शामिल होने की होड़ में हैं, उन्हें चुनाव के बाद अपनी गलती का एहसास होगा।

श्री बाबा गंगारामजी का 20वां वार्षिक उपासना महोत्सव आज

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बाबा गंगाराम सेवा समिति समिति, हैदराबाद द्वारा कल 29 जनवरी को शाम 4:30 बजे से सिकंदराबाद स्थित हरियाणा भवन में विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के 20वां वार्षिक उपासना महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महोत्सव मे शाम 4:30 बजे अखण्ड ज्योत प्रज्वलन के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया जाएगा, जिसमें बाबा गंगारामजी की जीवनी पर आधारित अद्भुत और अलौकिक भव्य नृत्य नाटिका का मंचन कोलकात्ता के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री सौरभ मधुकर की जोड़ी कुशल नाट्य कलाकारों के साथ प्रस्तुत करेंगे। हैदराबाद के भजन गायक श्री घनश्याम शर्मा भी भजनों की अमृतवर्षा करेंगे। इस आयोजन मे बड़ी संख्या मे मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, बिहार, बंगलौर इत्यादि स्थानों से भरी संख्या में भक्तों की आने की संभावना है। आज समिति की बैठक हुई, जिसमें आयोजन से जुड़ी सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक की अध्यक्षता अशोक केजरीवाल ने की तथा विष्णु सराफ, हरि नारायण व्यास, केशव शर्मा, श्याम गोयनका, संजय जालान, पवन डिडवानिया, श्रीनिवास राव, ओमप्रकाश अग्रवाल, आर. के. गोयल, संतोष केजरीवाल, नूपुर केजरीवाल, नेहा केजरीवाल, भावना गोयल, गौरव अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, बेला अग्रवाल, अनमोल गोयल, विशाल डिडवानिया, सुप्रिया डिडवानिया, सुनीता विश्वकर्मा, मधु जालान, दिव्या जालान, कुसुम सराफ, निखिल सराफ, विशाल सराफ, वरुण सराफ, वर्षा सराफ, नेहा सराफ, पूर्णिमा सराफ, शरद संघवी, प्रीति संघवी, अमित मोदी, मीना मोदी, धीरज अग्रवाल, मधु अग्रवाल, विपुल अग्रवाल, आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

ड्रग्स तस्करी के 'गोल्डन क्रेसेंट' और 'डेथ ट्राएंगल' के बीच फंसा भारत, कैसे जीतेगा अपनी जंग

तिरुवनंतपुरम, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत इस वक्त ड्रग्स तस्करी के मकड़जाल में बुरी तरह से फंसा हुआ है. पाकिस्तान, ईरान और अफगानिस्तान से लगातार ड्रग्स की तस्करी हो रही है. बीते कुछ समय की ही बात करें तो भारतीय जांच एजेंसियों ने नशा तस्करी की बड़ी खेपों को बरामद किया है. मार्च, 2021 में तिरुवनंतपुरम में स्थानीय पुलिस ने 6 श्रीलंकाई को 300 किलोग्राम हेरोइन, पांच एक-47 के साथ गिरफ्तार किया था. बाद में इस मामले में की जांच एनसीबी को सौंपी गई. इसके बाद, तमिलनाडु पुलिस ने नवंबर 2022 में एक द्रमुक पार्षद को रामनाथपुरम से श्रीलंका में 200 करोड़ रुपये से अधिक के कोकीन की तस्करी के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया था. फिर दिसंबर 2022 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों के लिए विशेष शिविर से 9 श्रीलंकाई लोगों को ड्रग्स और हथियारों

की तस्करी में उनकी कथित संलिप्तता को लेकर गिरफ्तार किया. इसी के साथ, भारत में अब कुख्यात अपराधी और ड्रग तस्कर मोहम्मद इमरान की एंट्री भी हो गई है. मोम्मद इमरान को 'कांजी पनाई' के नाम से भी जाना जाता है. सूचना मिलने के बाद जांच एजेंसियों ने तमिलनाडु को सतर्क और कड़ी निगरानी में रखा है. रिपोर्ट्स से यह भी पता चलता है कि ड्रग्स तस्करी के लिए गंतव्य बिंदु भारत और श्रीलंका हैं. वहीं ड्रग्स की खेंप पाकिस्तान, ईरान और अफगानिस्तान जैसे देशों से आती है. रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान भारतीय उपमहाद्वीप क्षेत्र के अन्य देशों के लिए नशीले पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत है. पाकिस्तान अफीम उत्पादन के लिए तथाकथित गोल्डन क्रेसेंट या डेथ ट्राएंगल देशों में शामिल है. तमिलनाडु और केरल पाकिस्तान से ड्रग्स की तस्करी के प्रमुख ठिकाने बन गए हैं. इसके मुख्य कारणों में से एक लंबी तटरेखा और चेन्नई और कोच्चि में बड़े बंदरगाहों का अस्तित्व है. दूसरा कारण यह है कि इन बंदरगाहों से दवाओं को श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण में ले जाना आसान है.

श्रीलंका में भी तस्करी का बड़ा नेटवर्क

श्रीलंका, जो भारत के दक्षिणी तट पर स्थित है, पाकिस्तान से तस्करी की जाने वाली दवाओं के लिए एक प्रमुख गंतव्य है. देश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग का इतिहास रहा है और अवैध नशीले पदार्थों की मांग बहुत अधिक है. श्रीलंका का तटीय स्थान और भारत से इसकी निकटता इसे मादक पदार्थों के तस्करों के लिए एक प्रमुख स्थान बनाती है.

डेथ ट्राएंगल देशों में ऐसे पहुंचाई जाती है ड्रग्स

गोल्डन क्रेसेंट के अलावा, भारत के प्रमुख बंदरगाहों से डेथ ट्राएंगल देशों (म्यांमार, थाईलैंड और लाओस) में भी बड़ी मात्रा में नशीली दवाओं की सप्लाई की जाती है. इन देशों में अपने नेटवर्क चलाने वाले स्थानीय ड्रग लॉर्ड्स की संख्या और विदेशी पर्यटकों की आमद के कारण यह एक 'हॉट रूट' है. मलेशिया और फिलीपींस भी इससे प्रभावित हैं.

नेटवर्क कैसे काम करता है?

अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल ने मछुआरों को अपने कोरियर के रूप में उपयोग किया है. इन्हीं मछुआरों को पहले लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम (लिट्टे) की ओर से भारत में हेरोइन लाने और श्रीलंका में बेचने के लिए इस्तेमाल किया जाता था. लिट्टे के पतन के बाद, इस मॉडल को अन्य ड्रग कार्टेलों ने अपनाया. श्रीलंका में हेरोइन की अधिक मांग ने भी इन कार्टेलों को देश तक पहुंचने के लिए भारतीय मार्ग का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया. इन गतिविधियों को लेकर कई बार जांच की जा चुकी है. नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पाया कि ड्रग्स अफगानिस्तान में निर्मित होती है, पाकिस्तान में तस्करी की जाती है और फिर पंजाब में छोड़ी जाती है. वहां से उन्हें अंतरराज्यीय ट्रकों पर लोड किया जाता है और पूरे देश में वितरित किया जाता है. अधिकांश निम्न-गुणवत्ता वाली दवाएं श्रीलंका में प्रवेश के निकटतम बिंदु रामनाथपुरम के बंदरगाह तक पहुंचती हैं. ऑस्ट्रेलियाई सामरिक नीति संस्थान के अनुसार, कोलंबो और मालदीव के माध्यम से यूरोप के मार्ग के साथ घरेलू उपयोग और ट्रांसशिपमेंट दोनों के लिए श्रीलंका में दवाओं की तस्करी की जाती है. तमिलनाडु-केरल-श्रीलंका मार्ग पर अवैध तस्करी कोई नई बात नहीं है. यह दशकों से अस्तित्व में है, खासकर उन वर्षों के दौरान जब लिट्टे का गठन हुआ और फलना-फूलना शुरू हुआ.

डार्क नेट और क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल कर रहे ड्रग कार्टेल

भारत के एनसीबी के अनुसार, हेरोइन जैसी अफीम-आधारित दवाओं की तस्करी गोल्डन क्रेसेंट क्षेत्र से शुरू होती है और डेथ ट्राएंगल क्षेत्रों तक पहुंचती है. इसकी ज्यादातर सप्लाई समुद्री मार्गों से होती है. वहीं, अब ड्रग नेटवर्क ने बड़े पैमाने पर ऑर्डर और लेनदेन के लिए डार्क नेट और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करना शुरू कर दिया है. एनसीबी के मुताबिक, विशेष रूप से हेरोइन और कोकीन में नाइजीरिया, अफगानिस्तान और म्यांमार के बहुत सारे विदेशी नागरिक शामिल हैं.

'कश्मीर की समस्या अंग्रेजों ने पैदा की भारत को अपना पुरुषार्थ समझने की जरूरत'

चेन्नई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के राज्यपाल रविन्द्र नारायण रवि (आरएन रवि) ने कहा कि कश्मीर समस्या अंग्रेजों ने पैदा की थी और देश के तत्कालीन नेतृत्व को इसका एहसास नहीं था, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक के बाद कोई भी भारत के खिलाफ आंख उठाने की हिम्मत नहीं करेगा, क्योंकि वे जानते हैं कि ऐसा करने से उनको नुकसान होगा। आरएन रवि ने आगे कहा, नए भारत को अपने 'पुरुषार्थ' के प्रति सचेत रहने और इसे समझने की जरूरत है। 1990 के दशक में कश्मीर में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए आरएन रवि ने कहा, इस भारत को अपने पुरुषार्थ का एहसास करना चाहिए, जो हमारे देश की असली ताकत है। चेन्नई के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरएन रवि ने कहा, "कोई कारण नहीं था कि कश्मीर को सभी आघात से गुजरना पड़ा। यह तब था जब अंग्रेजों ने देश छोड़ दिया था। हमारी स्वतंत्रता ब्रिटिश संसद के अधिनियम के माध्यम से की गई थी। हमारे पास एक ब्रिटिश राज्य का पहला प्रमुख भी था, पहला सेना प्रमुख था ब्रिटिश था। यह वे लोग थे जिन्होंने समस्या खड़ी की।

और उस समय, हमारे नेतृत्व को इसका एहसास नहीं हुआ।" राज्यपाल आरएन रवि ने कश्मीरी पंडितों के हालतों पर कहा, "उन्हें उनके अपने घरों से बाहर निकाल दिया गया। जब मैं 90 के दशक की शुरुआत में कश्मीर गया था, तो सभी ने कहा था कि कश्मीर हिंसा को स्वीकार नहीं करेगा। यह शांति की भूमि है। लेकिन देश के दुश्मन भावना, विचार को नष्ट करना चाहते थे और कश्मीरी पंडितों को खदेड़ना चाहते थे।

जिस लव जिहाद को इस्लामी-वामपंथी बताते थे कल्पना

उसे देश ने माना सच: सर्वे में 53% लोगों ने कहा- मुस्लिम पुरुष इसमें लिप्त हैं

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। देश में लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं के बीच एक सर्वे रिपोर्ट सामने आई है। 53% लोगों का मानना है कि मुस्लिम पुरुष लव जिहाद में लिप्त रहते हैं। देश में लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं के बीच एक सर्वे रिपोर्ट सामने आई है। इस सर्वे में देश भर के 1.40 लाख से अधिक लोगों से राय ली गई। इस सर्वे के अनुसार, 53% लोगों का मानना है कि मुस्लिम पुरुष लव जिहाद में लिप्त रहते हैं। 'मूड ऑफ द नेशन' के तहत सर्वे किया है। इस सर्वे में लव जिहाद को लेकर लोगों से राय ली गई। सर्वे में देश भर के 1,40,917 (एक लाख 40 हजार 9 सौ 17) लोगों से सवाल पूछे गए। यही नहीं, सीवोटर ने 105008 (1 लाख 5 हजार 8) इंटरव्यू का भी विश्लेषण किया है। सर्वे

के बाद जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वे में भाग लेने वाले 53% लोगों का कहना है कि मुस्लिम युवक लव जिहाद में संलिप्त होते हैं। बता दें कि लव जिहाद के लिए मुस्लिमों द्वारा हिंदू लड़कियों को टारगेट किया जाता है। इसके लिए मुस्लिम अपना नाम व धर्म छिपाकर लड़कियों से दोस्ती करते हैं। फिर प्यार के जाल में फँसाते हैं। इसके बाद, दवाब डालकर हिंदू लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराया जाता है। यही नहीं, उन्हें बलात्कार और मारपीट जैसी घटनाओं का भी सामना करना पड़ता है। हालाँकि, इसके बाद भी उनकी जिंदगी किसी अभिशाप की तरह हो जाती है। क्योंकि, ज्यादातर मामलों में या तो मुस्लिम हिंदू लड़कियों को छोड़ देते हैं या फिर मार डालते हैं। गौरतलब है कि वामपंथी, लिबरल और तथाकथित बुद्धिजीवी व इस्लामिक मौलवियों ने हमेशा ही लव जिहाद को कोरी कल्पना कहा है। हालाँकि, इस रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि होती है कि लव जिहाद कल्पना नहीं, बल्कि इस्लामवादियों की सच्चाई है। लव जिहाद के गंभीर खतरे से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक सहित कई राज्यों ने कड़े कानून बनाए हैं। हालाँकि, इसके बाद भी आए दिन लव जिहाद की घटनाएँ सामने आती रहतीं हैं। ऑपइंडिया लव जिहाद और हिंदू लड़कियों के साथ हो रही ऐसी घटनाओं को लगातार सामने लाता रहा है। साल 2022 में ही ऑपइंडिया ने 'लव जिहाद' और 'ग्रूमिंग जिहाद' की 153 घटनाएँ कवर की थीं।

करनाल में मृत 45 गायों को दफनाया

करनाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में करनाल के फुसगढ़ रोड पर स्थित बंसी वाला गौ सेवा धाम में 45 गायों की मौत के मामले में प्रशासन ने जांच तेज कर दी है। पशुपालन विभाग के डॉक्टरों की टीम ने मृत गायों के पोस्टमार्टम के बाद उन्हें मिट्टी में दफना दिया है। कृषि विभाग की टीम ने भी चारे के सैंपल लिए हैं। इन सैंपल को लैब में जांच के लिए भेज दिया है।

अगले महीने मध्यप्रदेश बजट

वैट, जीएसटी, एक्साइज, रजिस्ट्री से सरकार 7000 करोड़ बढ़ाएगी टैक्स कलेक्शन; उत्पादों की खपत से आय बढ़ाने की तैयारी

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। एक फरवरी को केंद्रीय बजट 2023-24 पेश होने वाला है। इसकी तैयारी पूरी हो चुकी है। इसके बाद मध्यप्रदेश सरकार राज्य का बजट पेश करेगी। इसकी तारीख अभी तय होना बाकी है। हालांकि इस बजट से सरकार ने अपना सालाना टैक्स कलेक्शन बढ़ाने की तैयारी कर ली है। वित्त विभाग के सूत्रों के मुताबिक सरकार इस बजट से अपनी कमाई 7000 करोड़ रु. बढ़ाने जा रही है।

लेकिन, इसका भार जनता के ऊपर नहीं पड़ेगा। सरकार खपत बढ़ाकर कमाई बढ़ाएगी। इसमें पेट्रोल-डीजल से ही लगभग 900 करोड़ तो एसजीएसटी से 4000 करोड़ रु. मिल सकते हैं। इस साल टैक्स कलेक्शन और अन्य संसाधनों से सरकार का 86 हजार 478 करोड़ कमाई का लक्ष्य है, जो नए वित्तीय वर्ष में सात हजार करोड़ बढ़ने वाला है।

पहली बार प्रोफेशनल टैक्स कलेक्शन 10 करोड़ घटाकर 340 करोड़ करेंगे

(आंकड़े करोड़ रुपए में। इसके अलावा अन्य विभागों से भी आता है पैसा, इनमें जलसंसाधन, परिवहन, पीडब्ल्यूडी और राजस्व विभाग आदि शामिल हैं। इनके आंकड़े उपरोक्त टेबल में शामिल नहीं किए गए।)

वैट कलेक्शन 107 करोड़ बढ़ेगा तो एक्साइज में 337 करोड़ घटेगा

सूत्रों का कहना है कि एसजीएसटी में टारगेट 2000 करोड़ और वैट में 107 करोड़ रु. बढ़ेगा। एक्साइज में 337 करोड़ कम आएंगे। प्रोफेशनल टैक्स का अनुमान पहली बार घट सकता है। वर्ष 2021-22 में प्रोफेशनल टैक्स कलेक्शन 315 करोड़ था, जिसे 2022-23 में बढ़ाकर 350 करोड़ कर दिया गया था। अब ये 340 करोड़ रह जाएगा।

सोनीपत में छात्रा से टैबलेट-बैंक कर्मी से झपटा फोन

सोनीपत, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत शहर में झपटमार बेखौफ होकर वारदात कर रहे हैं। मित्तल अस्पताल के पास बाइक सवारों ने छात्रा के हाथ से टेबलेट छीन लिया। दूसरी तरफ बहालगढ़ रोड पर एसबीआई की महिला कर्मी के मोबाइल फोन झपट लिया। दोनों ही वारदातों में झपटमार बाइक पर सवार थे। इस बीच निदान पार्क हॉस्पिटल पार्किंग में कार का शीशा तोड़कर चोरों ने उसमें रखा बैग चुरा लिया। इसमें लैपटॉप और 47 हजार रुपए थे।

पंजाब: बिजनेसमैन के अपहरण का था प्लान लेकिन पुलिस के जाल में फंस गए तस्कर

चंडीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने फाजिल्का के हनुमानगढ़-अबोहर रोड पर नाकाबंदी के दौरान राजस्थान के दो हथियार तस्करों के कब्जे से 8 पिस्टल और नकली मुद्रा बरामद कर उन्हें गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार लोगों की पहचान राजस्थान के जोधपुर के जैतियावास गांव निवासी बन्ना राम उर्फ विनोद देवसी और मुकेश उर्फ मुक्शा रबारी के रूप में हुई है. पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) फाजिल्का को एक विश्वसनीय स्रोत से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति मध्य प्रदेश से हथियारों की तस्करी करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें पंजाब में अर्श डल्ला गिरोह के सदस्यों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि

एसएसओसी थाना फाजिल्का की पुलिस टीम ने अबोहर-हनुमानगढ़ मार्ग फाजिल्का के रामसर गांव में नाकाबंदी कर जाल बिछाया और 7 .32 बोर की पिस्टल एवं 2 जिंदा कारतूस बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. इनके पास से एक .315 बोर की देसी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं. उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने दोनों आरोपियों के कब्जे से 9650 रुपये की नकली भारतीय मुद्रा भी बरामद की है. अधिक जानकारी देते हुए एआईजी एसएसओसी लखबीर सिंह ने कहा कि 'इससे पहले उनके मॉड्यूल के सदस्य नरेश पंडित को जोधपुर के ग्रामीण क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था. उसने खुलासा किया कि वह अर्श डल्ला के संपर्क में था, जो एक नामित आतंकवादी है. उसे फिरौती के लिए जोधपुर के एक प्रमुख उद्योगपति का अपहरण करने का काम सौंपा गया था. यह जानकारी राजस्थान पुलिस के साथ साझा की गई, जिससे जिला पाली में अपहरण के मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ.' उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में हथियारों के स्रोत का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है, पुलिस नकली भारतीय मुद्रा के एंगल से भी जांच कर रही है.

पालघर के नायगांव स्टेशन पर टला बड़ा हादसा, क्रेन का हुक लोकल ट्रेन के अगले हिस्से से टकराया

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले के नायगांव स्टेशन पर बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि यहां क्रेन का हुक लोकल ट्रेन के अगले हिस्से से अचानक टकरा गया जिससे वहां खड़ा मोटरमैन घायल हो गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रवक्ता सुमित ठाकुर ने इस घटना की जानकारी दी। रेलवे कर्मचारियों ने सुरक्षा को लेकर चिंता भी जताई है। बताया कि यह घटना नायगांव स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर रात करीब 12.55 बजे हुई जब मुंबई से विरार जाने वाली आखिरी लोकल वहां आ रही थी। शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि के दौरान, लिफ्ट स्टील कॉलम के निर्माण के लिए नायगांव स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर एक ब्लॉक की योजना बनाई गई थी। क्रेन को उस काम के लिए ट्रैक के समानांतर रखा जा रहा था। लेकिन अचानक ट्रांसजेंडरों द्वारा भारी पथराव किया गया, जिससे क्रेन चालक के दाहिने हाथ के अंगूठे में चोट लग गई। उस समय विरार जाने वाली लोकल ट्रेन स्टेशन में प्रवेश कर रही थी। लेकिन चूंकि क्रेन चालक के हाथ में चोट लग गई थी, इसलिए उसे मशीन को चलाने और नियंत्रित करने में कठिनाई हुई और उसका हुक लोकल ट्रेन के कांच के फ्रेम से टकरा गया। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से फ्रेम में हल्का सा मोड़ आया।

सर्जिकल स्ट्राइक के सवाल पर ले. जनरल कलिता ने कहा

'ऑपरेशन को अंजाम देते समय सेना सबूत के बारे में नहीं सोचती'

कोलकाता, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हाल में एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक और उसके सबूतों पर चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। राजनीतिक बयानबाजी के बीच अब सेना की ओर से कहा गया है कि किसी ऑपरेशन को अंजाम देते समय सेना सबूत के बारे में नहीं सोचती। पाकिस्तान में 2016 में किए गए सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत की कुछ विपक्षी नेताओं की मांग के बीच थलसेना का यह बयान आया है। थलसेना की पूर्वी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल आर पी कालिता ने कहा कि किसी भी अभियान को अंजाम देते समय सेना कभी भी कोई सबूत रखने के बारे में नहीं सोचती। कुछ विपक्षी नेताओं की हाल की मांगों पर कोलकाता में पत्रकारों के एक "राजनीतिक सवाल" का जवाब देने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि देश भारतीय सेना पर भरोसा करता है। प्रेस क्लब, कोलकाता में 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में उन्होंने कहा, यह एक राजनीतिक सवाल है। इसलिए मैं इस पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करता। मुझे लगता है कि देश भारतीय सशस्त्र बलों पर भरोसा करता है। यह पूछे जाने पर कि क्या अभियान के

दौरान सेना कोई सबूत रखती है, उन्होंने 'न' में जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब हम कोई अभियान करने जाते हैं, तो हम उस अभियान का कोई सबूत नहीं रखते। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने हाल में जम्मू में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सीमा पार सैन्य अभियान पर संदेह व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था, वे (केंद्र) सर्जिकल स्ट्राइक और कई लोगों को मारने की बात करते हैं, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है। वे झूठ का पुलिंदा दिखाकर शासन कर रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह उसके रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती तथा पार्टी देश के हित में सभी सैन्य कार्रवाइयों का समर्थन करती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सिंह की टिप्पणियों को हास्यास्पद करार दिया था और कहा था कि सशस्त्र बल अपना काम असाधारण तरीके से कर रहे हैं तथा उन्हें कोई सबूत देने की आवश्यकता नहीं है। सितंबर 2016 में, भारत ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में एक सैन्य ठिकाने पर आतंकवादी हमले के जवाब में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार सर्जिकल स्ट्राइक किया था।

नर्मदा जयंती पर स्नान करने जा रहे 35 यात्रियों से भरा वाहन खाई में गिरा, 15 घायल, एक महिला की मौत

इंदौर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के समीप भेरुघाट पर देर रात एक सड़क हादसा हो गया। नर्मदा जयंती पर स्नान करने जा रहे 35 यात्रियों से भरा आयशर वाहन घाट की घाई में दुर्घटना ग्रस्त हो गया और खाई में जा गिरा। इस हादसे में 15 लोगों घायल हो गए, जबकि एक महिला की मौत हो गई। दो की हालत गंभीर है। घायलों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया है। रात को सिमरोल के आगे भेरु घाट पर एक वाहन को बचाने के चक्कर में आयशर वाहन का संतुलन बिगड़ा और वाहन खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलने के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को खाई से निकाला और दूसरे वाहन से अस्पताल पहुंचाया। मौके पर कलेक्टर टी इलैया राजा भी पहुंच गए और उन्होंने घायलों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया। एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो यात्रियों की हालत गंभीर है। चार यात्रियों के हाथ और पैर की हड्डी टूटी है। एमवाय अस्पताल के अधीक्षक पीएस ठाकुर ने बताया कि घायलों को उपचार जारी है। सभी यात्री नर्मदा जंयती पर स्नान करने के लिए ओंकारेश्वर जा रहे थे। तभी यह हादसा हो गया।

तो क्या बागेश्वर धाम सरकार से होगी जया किशोरी की शादी?

छतरपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर एवं मशहूर कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और विख्यात मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी काफी चर्चाओं में हैं। इन दोनों युवा कथावाचकों की शादी को लेकर भी अफवाहें उड़ चुकी हैं। हालांकि, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इसे सिरे से खारिज कर चुके हैं। नागपुर में अंधविश्वास फैलाने की शिकायत के बाद हाल ही में उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा चुकी है। अंधविश्वास की शिकायत नागपुर पुलिस खारिज कर चुकी है और हत्या की धमकी से भी पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अविचलित दिखाई दे रहे हैं। खुद को सनातनी संत बताते वाले पंडित धीरेंद्र शास्त्री युवा हैं और अब उनकी शादी की चर्चा भी जोर पकड़ रहीं हैं। बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र शास्त्री की विख्यात कथावाचक और मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी से शादी को लेकर कयास लगते रहे हैं। हालांकि, इन दोनों युवा कथावाचकों ने ऐसी बातों को हमेशा अफवाहें बताकर खारिज किया है। जहां शादी को लेकर जया किशोरी से कई बार सवाल पूछे जा चुके हैं। वहीं, कई मौकों पर धीरेंद्र शास्त्री भी साफ कह चुके हैं, समय आने पर वे इस पर निर्णय लेंगे। ऐसे में सवाल ये है कि इन दोनों कथावाचकों की आपस में शादी की बात उठती ही क्यों है! दरअसल, दोनों में बहुत समानताएं हैं। ये दोनों युवा हैं, एक से प्रोफेशन में हैं और इनके लाखों फालोअर्स हैं। दोनों के जन्म का माह जुलाई है। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का जन्म चार जुलाई 1996 को हुआ था। जबकि जया किशोरी का जन्म 13 जुलाई 1995 को हुआ था। इस तरह दोनों की उम्र में महज एक साल का अंतर है। जया किशोरी का नाम देश के शीर्ष मोटिवेशनल स्पीकर्स में शुमार होता है। वे देश भर में कथावाचन करती हैं।

पहली इंटरनेशनल ट्रांसजेंडर ब्यूटी क्वीन नाज

दुनिया की पहली इंटरनेशनल ट्रांसजेंडर ब्यूटी क्वीन भारत की ही हैं। नाम है नाज जोशी। नाज 7 इंटरनेशनल और 2 नेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीत चुकी हैं। मॉडल हैं, ट्रांसजेंडर फैशन आइकॉन भी हैं और एक फिल्म में भी भूमिका निभा चुकी हैं। जब ये पैदा हुईं तो माता-पिता ने खुशियां मनाईं कि घर में बेटा हुआ है। ये खुशियां ज्यादा दिन नहीं टिक सकीं। जैसे-जैसे बड़ी हुईं, आदतें और शरीर दोनों लड़कियों से होते गए। फिर शुरू हुआ ताने और जिल्लत का दौर। जिसे बेटा समझ रहे थे, दरअसल वो किन्नर था। घरवालों के सपने टूट गए और उसे अपने से अलग कर मुंबई में दूर के रिश्ते के एक मामा के घर भेज दिया।

मामा के यहां कजिन के दोस्तों ने शारीरिक शोषण किया। फिर अस्पताल में छोड़ दिया। वहां से कुछ किन्नर इन्हें अपने साथ ले गए। उन्होंने ताली बजाकर पैसे मांगने के काम में लगा दिया। वो उससे बचीं, तो डांस बार में नाचने का काम दिया। बार डांसर से धीरे-धीरे प्रॉस्टिट्यूशन में आ गईं। फिर, फैशन डिजाइन का कोर्स करके ऋतु कुमार और ऋतु बैरी के साथ काम भी किया।

फिर, सेक्स चेंज कराने की सोची तो पैसे की दिक्कत आई। इसके लिए मसाज पार्लर में नौकरी की लेकिन यहां भी मिला प्रॉस्टिट्यूशन। काफी जद्दोजहद के बाद ऑपरेशन हो सका। किन्नर से लड़की बनीं। ये जिंदगी बदल देने वाला समय था। सेक्स चेंज के बाद 2012 से अब तक 7 इंटरनेशनल और 2 नेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीते हैं। अब ये फैशन शोज की शो स्टॉपर भी हैं, मैगजींस की कवर फोटो मे भी छपी। उनका जन्म 31 दिसंबर, 1984 को दिल्ली में हुआ। तब डॉक्टर ने मेरे माता-पिता को बताया कि आपको लड़का हुआ है। ये खबर सुनकर पूरा परिवार खुश था, क्योंकि मैं घर में पहली संतान थी।

मेरा दिल्ली के सेंट जोसफ एकेडमी स्कूल में एडमिशन हुआ। मैं स्कूल में लड़कियों के साथ ही खेलती थी। स्कूल के फंक्शन में भी मैं लड़की बनती थी। धीरे-धीरे स्कूल के ताने घर में भी शुरू हो गए, क्योंकि आसपास के जो बच्चे थे, उनके घरवाले मेरी मां से कहते थे कि आपका बेटा लड़कियों के बीच रहता है, उन्हीं के साथ खेलता है। आप हमें झूठ तो नहीं बोल रहे हो। कहीं आपने किन्नर तो नहीं पैदा कर दिया है। मेरी मां मुस्लिम परिवार से थीं और टीचर थीं। उन्होंने मेरी परवरिश के लिए टीचिंग छोड़ दी थी। आस-पास के लोगों की तानों की वजह से घरवालों ने मुझे मुंबई में कजिन मामा के पास भेज दिया। मेरी परवरिश के लिए उन्हें 50 हजार रुपए भी दिए गए। मैं साल 1991 में मुंबई आ गई।

मामा का घर अंधेरी के चॉल में छोटा-सा था। वे काफी गरीबी में रह रहे थे। यहां आकर मामी ने कहा कि झाड़ू-पोछा लगाओ, बर्तन साफ करो क्योंकि उनके आठ बच्चे थे, जो बाहर काम करने के लिए जाते थे। मैं मामा से बोलती थी कि मुझे स्कूल जाना है। वो पैसे ना होने का बहाना करके मना कर देते थे।मामा ने कहा कि अगर स्कूल जाना है, तब तुम्हें एक जगह काम करना होगा। मैं मान गई। उन्होंने मुझे फिल्मसिटी के एक छोटे से ढाबे पर काम पर लगवा दिया।ढाबे का मालिक अच्छे थे। वो मुझे छोटा बच्चा समझ कर ज्यादा काम नहीं देते थे। ढाबे पर काम करने का 250 रुपए महीने मिलते थे। उससे मैंने सेंट जोसेफ, वडाला स्कूल में एडमिशन ले लिया। मेरी फीस 100 रुपए महीना थी। ढाबे पर काम करती और वहीं पर स्कूल होम वर्क भी करती थी।

लड़के मेरी तरफ अट्रैक्ट होते थे। मुझे गलत तरीके से छूने की कोशिश भी करते थे। यह सब फिल्मसिटी में होता था, जो लोग शूटिंग देखने आते थे, वे भीड़ का फायदा उठाकर ऐसा करते थे। मैं इग्नोर कर देती थी। मुझे गांव से ज्यादा मुंबई में रहना मुश्किल हो रहा था। यहां लोग हिजड़ा, छक्का कहकर चिढ़ाते थे। यहां पर बस एक ही चीज अच्छी थी कि फिल्म सिटी में रहकर स्टार्स से मिलने का मौका मिल रहा था। मैंने श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, रवीना टंडन, सलमान खान आदि से मुलाकात की है।

मैं शायद 11 साल की थी। एक दिन स्कूल से घर आई, तब देखा कि घर पर कोई नहीं है। घर में डिस्को लाइट जल रही हैं और कजिन के साथ कुछ लोग शराब पी रहे हैं। मुझे बोला गया कि खाने के लिए कुछ बना दो। मैंने पकौड़े तल दिए। पकौड़े देकर मैं सोने के लिए जाने लगी, तभी घर में शराब पी रहे लोगों ने बोला कि हमारे साथ बैठकर ड्रिंक करो। तुम दारू पिया करो, इससे मर्द

बनते हैं।

उनमें से एक ने जबरदस्ती मुझे पेप्सी पीने के लिए दी। मैंने जैसे ही पी, मेरा सिर चकराया और नींद आ गई। अगले दिन उठी तो देखा कि सरकारी अस्पताल के बेड पर पड़ी हूं। मुझे ग्लूकोज चढ़ रहा था और बहुत ज्यादा दर्द था। मुझे नहीं पता कि मेरे साथ पिछली रात को क्या हुआ?

जब किन्नर समुदाय का हिस्सा बनी

हॉस्पिटल में किन्नर समुदाय का एक आदमी बैठा हुआ था। उसने बोला कि तुम्हारे मामा बोलकर गए हैं कि आज से हम तुम्हारे गार्जियन हैं। तुम हमारे साथ रहोगे। मैं उन्हें देखकर डर गई। उन्होंने बोला कि डरो नहीं, मेरे साथ चलो।उनके घर गई। वहां बहुत सारे लोगों को देखा, जो दिखने में लड़की लगते थे। उन लोगों ने मुझे बड़ा प्यार किया कि एक बच्चा आया है। लेकिन वहां गुरू मां जो थीं, वो बड़ी सख्त स्वभाव की थीं। उन्होंने कहा कि इसको भी काम करना होगा। मैंने कहा कि मुझे स्कूल जाना है। उन्होंने कहा कि स्कूल तब जा पाओगे, जब काम करोगे। वहां के लोगों ने मुझे सलवार-कमीज पहनाकर रेड लाइट एरिया पर ले गए। मुझे कहा गया कि ताली बजाकर पैसे मांगो। मुझे ये काम पसंद नहीं था। यहां एक साल बीत गया। मैं स्कूल नहीं जा पा रही थी। एक दिन थक-हारकर मेरा नया ठिकाना बनाया और वह था- डांस बार।

1996 में डांस बार पहुंची। वहां पर एक अंकल मिले, जो साउथ इंडियन थे। मैंने उनको बताया कि मुझे पढ़ना है। वो मेरे स्कूल गए, वहां जाकर बोले कि मैं इसका गार्जियन हूं। इसकी फीस मैं भरूंगा, इसका एडमिशन कर दो। उन्होंने मुझे अपने घर में रहने की जगह दी।

एक दिन मैं नीचे देखने चली गई। वहां देखा कि बहुत सारी किन्नर लड़कियां हैं। मैंने अंकल से बोला कि मुझे भी डांस करने का मौका दो। उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं। यह अच्छी चीज नहीं है। तुम्हें नहीं करना है, तुम जाओ। मैंने अंकल से जिद्द करके एक गाने पर डांस किया, तब मेरे ऊपर ढेर सारे नोट बरसाए गए। इस तरह से डांस बार में काम करना शुरू हुआ।

14 साल की उम्र में एक लड़के से मेरी दोस्ती हुई। उसने मेरा नाजायज फायदा उठाया, शारीरिक शोषण किया और दोबारा कभी लौटकर नहीं आया। उस समय मैं बहुत रोई। बहुत कम उम्र थी और लोगों ने मुझे प्रॉस्टिट्यूशन के लिए उकसाया।मुझे भी ये काम डांस बार में नाचने से आसान लगा। मैं इस दलदल में फंस गई। मैं डांस बार में बहुत पॉपुलर हो गई। हीरोइनों की तरह रहती थी इसलिए मेरा नाम बार की बॉलीवुड क्वीन रख दिया गया। यहां पर 1996 से लेकर 2002 तक काम किया।

2002 में मैं 18 साल की थी। तब मुंबई में डांस बार बंद होने की खबर आई। इसके बाद दिल्ली जाकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी में एडमिशन लेना चाहिए। उन्होंने ही मुंबई में मेरी कोचिंग करवाई। मैंने एग्जाम में टॉप किया।2005 में मुझे बेस्ट डिजाइनर का अवार्ड और 10 हजार रुपए का चेक भी मिला। मुझे कैंपस प्लेसमेंट ऋतु कुमार के यहां मिला। इतनी बड़ी डिजाइनर के साथ काम करने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी। उस समय रितु कुमार फेमिना मिस इंडिया के लिए काम कर रही थीं। उनके साथ 2005 से 2007 तक काम किया। हमारी पहली सैलरी 25 हजार रुपए थी। मैंने पहली बार किराए पर घर लिया।

यहां पर भी मुझे लोगों के ताने सुनने को मिलने लगे। लोग कहते थे कि पहले तो हमें औरतों से ऑर्डर लेने पड़ते थे, अब क्या जमाना आ गया है कि हिजड़ों से भी ऑर्डर लेने पड़ेंगे। उसके बाद 2007 में ऋतु बेरी के पास आ गई। वहां 2009 तक काम किया। वहां पर भी सेम प्रॉब्लम आई। मैं हताश हो गई।

मैंने सोच लिया कि अब जॉब नहीं करनी है। एक दिन दिल्ली में गे-पार्टी में चली गई। वहां पर बहुत खूबसूरत महिला आई हुई थी। मैंने पूछा कि मैम आप यहां क्या कर रही हैं। उन्होंने कहा- एक दिन मैं भी तुम्हारे जैसे ही थी लेकिन बाद में मैंने अपना जेंडर चेंज करवा दिया।

2010 में सोचा कि कुछ काम करके पैसा इकट्ठा करते हैं। एक दिन अखबार में विज्ञापन देखा कि मसाज पार्लर में वर्क है।

उस समय हजार रुपए की मसाज होती थी, पर उसमें से हमें 200 रुपए दिया जाता था, लेकिन एक विदेशी मुझे 100 डॉलर टिप देकर गया। उस समय शायद डॉलर की कीमत 35-40 रुपए हुआ करती थी। मैंने चेंज करवाया, तब मुझे चार हजार रुपए मिले। मैंने सोचा कि यह तो सही है, चार हजार रुपए एक साथ में मिल रहे हैं। फिर तो इसमें इंटरेस्ट बढ़ गया। मैंने 2013 तक यह काम किया लेकिन इस काम में रिस्क भी था कि कोई मुंह पर शराब फेंक देता था तो कोई सिगरेट से जला देता था तो कोई हंटर से मारता था।

2011 में मेरी मुलाकात एक फोटोग्राफर से हो गई। वो ट्रांसजेंडर प्रॉस्टिट्यूट पर एक बायोपिक बनाना चाहते थे। उन्होंने बताया कि हर शूट का 1500 रुपए देंगे। शूटिंग 2012 से शुरू हुई और 2013 तक मैंने इसे शूट किया। इस तरह से 2013 तक पांच लाख रुपए इकट्ठा हो गए।

सर्जरी कराई तो अस्पताल में कुछ सिस्टर मुझसे प्यार करने लगीं। वे नारियल पानी लाकर पीने के लिए देती थीं, दवा खा लो। मैंने कहा कि ऐसा लग रहा है, जैसे सिस्टर ने मुझे नई जिंदगी दे दी है। मेरी यही बॉडी और यही शक्ल होनी चाहिए थी। यह सब होने के बाद अपने घर गुड़गांव आ गई।

घर आकर सोचने लगी कि अब क्या करूं। उसी दौरान राजस्थान डिजाइनर फैशन फेस्टिवल से फोन आया। उन्होंने बताया कि राजस्थान में राजस्थान डिजाइनर फैशन फेस्टिवल हो रहा है। क्या तुम रैंप पर मॉडलिंग करने जाओगी? उन्हें लंबी लड़की चाहिए। मैंने कहा कि जाऊंगी।

मैं जयपुर प्रतियोगिता में भाग लेने गई। जयपुर में मुझे तीन शो करने थे, जिसके लिए 5000-5000 रुपए मिलने वाले थे। एक डिजाइनर की नजर मेरे ऊपर पड़ी, तब उन्होंने कहा कि तुम तीन शो मत करो। तुम सिर्फ हमारा शो करो, हम तुम्हें 30 हजार रुपए देंगे।

मैं उनके लिए शो स्टॉपर बन गई। उस शो में जानी-मानी एक्ट्रेस, मॉडल अदिति गोवित्रिकर भी आई थीं। रैंप वॉक पर उतरी, तब पूरी तरह ब्लैक आउट हो गई, मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा था, क्योंकि यह मेरा पहला अनुभव था।

काव्य कुंज

असीम को जानो

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

भीतर असीम बैठा तुम में
क्यों सीमाओं में हो बंधे हुए
क्यों चारदीवारी खींची तुमने
क्यों अपनी जंजीरों से बंधे हुए
यह कर्म क्षेत्र जीवन तेरा
बैठो सोचो कुछ मनन करो
भीतर असीम बैठा तुम मे
जीवन की डगर कुछ लंबी है
संघर्ष तुम्हें करना होगा
संयत मन से तुम बने रहो
सोचे पथ पर बढ़ना होगा
ठोकर खाकर गर गिर जाओ
घबराओ नहीं फिर उठ जाओ
भीतर असी में बैठा है तुम में
जीवन तो कर्मठ ज्वाला है
तुम तपकर कुंदन बन जाओ
तुम अपने सुंदर कर्मों से
जीवन में कमल खिला जाओ
विश्वास रखो अपने भीतर
भीतर असीम बैठा तुम मे ,
तुम औरों के आदर्श बनो
सबके सहयोगी बन जाओ
मन निर्मल सा हो जाएगा
यश की गंगा बह जाएगी
ना सुख होगा ना दुख होगा
पर याद सदा उसकी होगी
तुम प्रेम असीम बन जाओगे
भीतर असीम में बैठा तुम मे
तुम स्वयं असीम हो जाओगे ।।

पुष्पित हुआ पलाश

डॉ टी महादेव राव

बसंत पर यौवन छाया पुष्पित हुआ पलाश
सोंधी सोंधी पवन संग मुदित हुआ आकाश
निर्मल शीतल प्रभात पर पग पग बहे सुगंध
हर सुमन पर भ्रमर जाये और पिये मकरन्द
मानव मन में किंशुक से उदित हुआ उल्लास
बसंत पर यौवन छाया पुष्पित हुआ पलाश
अमुवा की छांव में कोयल की मधुर तान
दिग दिगंत प्रेम फैलाये कामदेव के बाण
हरीतिमा संग पेड़ों में मुखरित हुआ सुवास
बसंत पर यौवन छाया पुष्पित हुआ पलाश
पलाश के पुष्पित सुमन ज्यों नारी सकुचाये
लज्जा की लाली गालों पर लिए शीश झुकाए
टेसू के इस प्रतीक से गर्वित हुआ उजास
बसंत पर यौवन छाया पुष्पित हुआ पलाश

उनका आना...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

अच्छे लोगों की इज्जत
कभी कम नहीं होती
सोने के सौ टुकड़े करो,
कीमत कभी कम..होती
भले शकुनि विद्यालयों
की आई हुई है बाढ़
प्रेम प्यार.. की रिवायत कभी कम नहीं होती
रास्ता कभी बना बनाया नहीं मिलता है
जो चले नहीं,दश्त ए मुसीबत कभी कम.. होती
मान्यवर,कले आवे नानका सदे उठ जाए
सांसें गिनती की,सलामत कभी.. नहीं होती
चार दिन की जिंदगी फिर अंधेरी रात
नाचो गाओ, अज़ीयत कभी कम नहीं होती
कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी
गौरवशाली इतिहास, अज़मत कभी ..होती
भले ही सत्य तोड़ा मरोड़ा निचोड़ा जाता है
या जमींदोज़ कर दो,रेस्पेक्ट कभी कम..होती
जानता जो आया सो चलसी, सबकी..वारियो
फ़िर भी शैतानियत कभी कम नहीं होती
समस्याएं जीवन में बिना वजह नहीं आती
उनका आना एक इशारा, किताबत.. नहीं होत।।

आंखों ही आंखों में मुस्कुरा देना तुम

संजीव ठाकुर,
रायपुर

हर एहसास दिल में न दबा देना तुम,
होठों से जरा तिरछा मुस्कुरा देना तुम।
ये तो दिल की लगी है, न घबराना,
आंखों ही आंखों में मुस्कुरा देना तुम।
नया नया रूप है तुम्हारे जीवन का,
न सम्भले तो बहक न जाना तुम।
आ जाओ जरा सूरज की रोशनी में,
भले रातों में चांदनी सा बन जाना तुम,
रातों के टिमटिमाते जुगनू हैं हम,
हमें राह दिखाता सितारा बन जाना तुम।
हमे देख छुपने की अदा बड़ी प्यारी,
सामने आओ तो,पलकें झुका देना तुम।
जज्बातो के एहसास पुराने हमारे,
दुनिया के लब्जों से टूट न जाना तुम।
कोशिशों से कई,दीदार होता है तेरा संजीव,
बीच राहों में अकेला,न छोड़ जाना तुम।

ऋतुराज

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

स्वर्ग से सुंदर धरा मनोहर,
दुल्हन सी सज गई धरती।
सक्रियता चरम सीमा पे,
धरा यौवन दम भरती ।।
टिमटिम तारों मध्य
मृगांक की धवल उजियार रात
मन नयनों से देखा दूर क्षितिज कुसुमाकर आज,
वातायन से झांककर देखा,पुष्पित सुगंधित दृश्य,
मन मस्तिष्क सुखद फुलवारी,खुशबू रग रग महकती।
स्वर्ग से सुंदर धरा मनोहर,दुल्हन सी सज गई धरती।।
गेह कुसुमाकर में रंग बिरंगे पुष्पों पे मंडराते भँवरे,
छूती हवाएं पल्लव को,तितलियों के अदभुद नखरे,
तलैया में जल लहरे फुदक फुदक मचाये हलचल
सूर्य लालिमा प्रतिबिंब निराला,ताल की रौनक बढ़ती।
स्वर्ग से सुंदर धरा मनोहर,दुल्हन सी सज गई धरती।।
कुसुमाकर में अदभुद कलकंठ निर्मल चपलता,
मयूर नृत्य छवि मनोहर ,जलधर की छम छम चंचलता,
सतरंगी इन्द्रधनुषी बगिया ,स्वर्ग से सुंदर जीवन
उड़ते विहंग, मौसम तरुणाई,कुदरत मेहरबानी बरसती।
स्वर्ग से सुंदर धरा मनोहर,दुल्हन सी सज गई धरती।।
कुसुमित रहे हर वसंत,हृदय की यही अभिलाषा,
मकरंद से भरपूर वाटिका,मधुप की पूरी पिपासा,
अन्दर से बाहर तक मन रहे सदा हर्षित प्रसन्नचित
ऋतुराज की छटा निराली, प्रेम बरसा रही प्रकृति।
स्वर्ग से सुंदर धरा मनोहर,दुल्हन सी सज गई धरती।।

गुरु को समर्पित*

रेणुका अग्रवाल

निसदिन जपूँ नाम तुम्हारा।
दुःखों का करो गुरु निस्तारा।
प्रणाम रोज़ करती हूँ तुमको,
दरस दिखाओ बारम्बारा।

नैना क्यों मेरे बरसे।
दिल क्यों मेरा तरसे।
असुवन से क्यों प्रीत है मेरी। पीड़ा से है प्रीति घनेरी।
दिल से अब चिंता मिटाओ। कभी मेरी सुध लेते जाओ।
मैं भी तो हूँ शिष्या तुम्हारी। चेली को अब यूँ न सताओ।
गुरु की वंदन अभिनन्दन। गुरु के माथे पे है चन्दन।
आध्यामिक गुणों की खान हो,
मेरा आपसे धर्म का बन्धन।
मेरे लिये जीवन मे ज्ञान हो। ज्ञान से प्रकाश मान हो।
इल्म देकर जीना सिखाये, सबके लिये महान हो।
जब कठिन अवसर पड़ा। ज्ञान का मुझपे असर पड़ा।
शाश्वत कुछ रहता न जग में,
गुरु ज्ञान से जीवन बसर पड़ा।
गुरु से जीवन सार्थक होता है।
व्यवहार में गुरु परमार्थक होता है।
गुरु महिमा,भगवान भी जाने,
गुरु बिन जीवन निरर्थक होता है।

दस्तक 5

डॉ डी डी देसाई

भारी भारी सी हैं पलकें
आँसूओने आज फिर दस्तक दी हैं।
कह दो इन्हें वापस लौट जाए..
आज मैं बहुत ख़ुश हुँ...।
घनी अँधेरी रातों मे,
सदियों से करवटें बदलते,
देखा था जो सपना.....
आज पूरा हुआ हैं ।
अकेलेपन की धधकती ज्वाला में,
राख हुई ख्वाहिशों पर,
शबनम की बौछार हुई हैं..।
चाहत की प्यासी बंजर जमीन पर,
पहली...पहली बरसात हुई हैं।
आज मैं बहुत ख़ुशी हुँ।
ये हँसी...ये ख़ुशी का सफर,
ये बहार....ये सावन की लहर..
ये गुलिस्तान की सौंधी सौंधी खुशबु,
ये आसमान का खुलापन..,
सब तेरी मौजूदगी का असर हैं।
अभी अभी तुझसे संजीवनी मिली हैं
खामोशियों मे रागिनी मिली हैं..
मुरझाए फूलों को पराग मिला हैं..
घनघोर अंधेरा मैं..तुझसे चिराग मिला हैं।
तेरे पराग से मैं शहद बन जाऊँ..
तेरी लकीरों मे मिठास भर जाऊँ।
कह देना आँसूओं से...लौट के चले जाय।
आज मैं बहुत ख़ुश हूँ.....।

हां, मैं उत्तम प्रदेश-उत्तर प्रदेश हूं

हां ,मैं उत्तम प्रदेश-उत्तर प्रदेश हूं
मैं त्रेता में श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या हूं
द्वापर में श्रीकृष्ण की तपोभूमि मथुरा हूं।।
मैं बाबा विश्वनाथ की काशी हूं
और तीर्थराज प्रयागराज हूं
सप्तपुरियों में अयोध्या, काशी और मथुरा हूं
सात अजूबों में आगरा का ताजमहल हूं ।।
उत्तर में हिमालय दक्षिण में विंध्य हूं
मध्य गंगा यमुना शस्य श्यामला हूं।।
यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज का सूची में
फतेहपुर सीकरी हूं।।
मैं जीवाश्म फॉसिल्स पार्क सोनभद्र हूं
पुरा पाषाणिक अस्थिनिर्मित स्त्री बेलन घाटी हूं।।
मैं महदहा, दमदमा हूं
तो नव पाषाणिक चावल साक्ष्य कोलडि हवा हूं।।
मैं हड़प्पा का पूर्वी छोर आलमगीरपुर हूं
तो उत्तर वैदिक काल का आर्यावर्त हूं।।
मैं लौह काल का अतरंजीखेड़ा एटा हूं
तो ताम्र पाषाणिक नरहन हूं।।
मैं बुद्ध का प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ हूं,
तो महापरिनिर्वाण कुशीनारा हूं।।
मैं अशोक स्तंभ,सिंह चतुर्मुख राजकीय चिन्ह सारनाथ हूं,
तो नेपोलियन समुद्र गुप्त का प्रयाग प्रशस्ति हूं।।
मैं देवगढ़ का दशावतार मंदिर हूं
तो पूर्वमध्यकालीन केंद्र कन्नौज हूं।।
हां मैं उत्तम प्रदेश-उत्तर प्रदेश हूं
मैं रामानंद का वैष्णववाद हूं
तो कबीर के मगहर का सर्वधर्म एकात्मवाद हूं
साहित्य में तुलसी,सूर,कबीर की भूमि हूं
तो हिंदी साहित्य में प्रेमचंद,पंत निराला हूं
उर्दू में फिराक गोरखपुरी,जोश मलीहाबादी हूं
हां मैं उत्तम प्रदेश-उत्तर प्रदेश हूं।।
मैं जौनपुर का शर्की 'भारत का सिराज' हूं
तो अकबर निर्मित आगरा किला,फतेहपुर सीकरी हूं
शाहजहां के प्रेम का ताजमहल पैगाम हूं।।
मैं बंगाल प्रेसीडेंसी,अवध से भी विख्यात हूं
नॉर्थवेस्ट प्रोविंस र से बदलकर रसंयुक्त प्रांतर हूं
मैं मेरठ की सन सत्तावन की क्रांति हूं
मैं चौरी चौरा भी हूं
महामना,पुरुषोत्तम टंडन का राष्ट्रवाद का नायक हूं।।
राज्यपाल सरोजिनी तो सीएम थे जीबी
साल 1950 में मेरा रउत्तर प्रदेशर हुआ उदय
मैं ही गढ़वाल,कुमाऊँ उत्तराखंड हूँ।।
मैं मलीहाबादी आम,अमरूद खुसरोबाग और आंवला
प्रतापगढ़ी हूं
तो कालीन भदोही, लखनवी चिकन चूड़ी फिरोजाबादी हूं
हां मैं देश के प्रगति पथ पर अग्रसर
उत्तम प्रदेश-उत्तर प्रदेश हूं।।

-- डॉ पंकज कुमार

नसीब

टी तारासिंह
हैदराबाद

हमारा प्यार हादसा लगता
दर्द हमारा अपना लगता
भूल गए अपनो को
आंखों के आंसू पोछ लिए
दिल में है वही हलचल
नसीब में जो लिखा था
वो जरूर हो कर रहेगा
अपने रास्ते बदल दिये
इश्क से समझौता कर लिए
सपने सब पूरे कर लेगे
प्यार के वादे पूरे कर लेगे
कस्मे रस्में भी निभा लेगे
प्यार की दुनिया बसा लेगें
गीत प्यार के गाते रहेगे ।।

सब कुछ कुर्बान कर आये

मेरे भाई कलाई के राखी की,
लाज काहे तुम रख नही पाये।
भाभी को देकर सिंदूर दान,
दान सिंदूर का कर तुम आये।
पापा के बहते आँसू पत्थर हो,
हृदय को तो वो छय कर जाये।
माँ तो फिर बस माँ होती भाई,
कोख सुनी कर क्यूँ चले आये।
मुनिया के गुड़िया की चूनरी,
लेकर तुम क्यूँ चले नही आये।
राजू रोते रोते बस यही कहता,
पापा अभी तक घर नही आये।
कैसे कह दू भईया मैं सब को,
भाई सबकुछ कुर्बान कर आये।

---सोमेश देवांगन,(छ.ग.)

बसंत

डाली-डाली में बिखरा बसंत है!
मदहोश भरा मेरा तन-मन है!!
मलय सुगंधित चंदन सा वास है !
जीवन में अद्भुत सा उच्छवास है!!
कलियों पर अलियों का बसेरा है !
मन मलंग तन बसंत का डेरा है !!
धानी चुनर से धरती शरमायी है !
मिलन की बेला आज आयी है !!
बौराई अमरायी सरसों गदराई है !
गेंदा-गुलाब पर मादकता छायी है!!
गुनगुनी धूप आँगन उतर आयी है!
नववधू की लगती वह परछायीं है!!
शाखों का स्नेह छोड़ पत्ते बिखर गए!
नयी उम्मीदों की कोंपल खिल गए!!
प्रकृति का यह तो अनुपम श्रृंगार है!
मिलन-विछोभ का यह तो संसार है!!

---प्रभुनाथ शुक्ल, भदोही

सर्दियों की धूप सा

सर्दियों की गुनगुनी धूप सा है तेरा आना
फिर अचानक कई दिनों बादलों में जैसे छिप जाना,
ये धूप जब-जब मुझ पर पड़ती है
मुझे थोड़ा और तेरे करीब कर देती है!
मैं बाहें पसारे इसकी हल्की गर्माहट को महसूस करती हूं,
गुनगुनी धूप के तेज होने का इंतजार हर रोज करती हूं
इस ठिठुरती ठंड ने कोहराम मचा रखा है,
सड़कों पर जैसे सिर्फ धुंध का चादर बिछा रखा है!
शाम होते ही हाथ-पैर कुछ नम से हो जाते हैं,
थोड़ी गर्माहट पाने को हम,बैठ बीते लम्हों को सुलगाते है!,
पानी ने भी खुद में जैसे बर्फ मिलाई
पानी में हाथ डालते ही मुंह से आह सी निकल आई!
ऐ सूरज धुंधला सा ही सही
पहले तू हर रोज निकलता था,
शाम को अपने लालीमा के
साथ ही ढ़लता था!
मुद्दतें हुई तुझे आये हुए
तेरी खिली धूप की रौशनी में नहाये हुए,
तुम एक बार फिर वही धूप बन आओ
मुझ पर अपनी तेज़ सा बिखराव!!

अमृता,
पश्चिम बंगाल

चूहे

डॉ। संतोष पटेल
नई दिल्ली

घर में छुपे होते हैं चूहे
बना कर बिल जगह जगह
देखते ही खतरा घुस जाते हैं इस बिल में
उनका घरों में रहना ठीक नहीं
क्योंकि बीमारियों के बनते हैं वे कारण ।
काले चूहे, भूरे चूहे , कांटे वाले चूहे
जंगली चूहे, घरेलू चूहे, झाऊ चूहे
सफेद चूहे, विलायती चूहे, बुलडॉग चूहे
इधर पाएं जाने वाले चूहों में हैं एक विशेष प्रजाति
उसको कहते हैं नॉन सेंस चूहे।
भारत त्रस्त हैं यूरेशिया के चूहों से
संस्कृत में भले कहते हैं उनको मूषक
पर इनका काम ही है छेद करना
जहां रहना खाना वहीं छेद करना
जान पर आए तो बिल में दुबक जाना
है इनकी सबसे बड़ी कलाकारी।
जरूरी हैं ऐसे चूहों की पहचान करना
क्योंकि ये हैं हर तरह के संक्रमण के वाहक
सामाजिक, राजनीतिक या हो शारीरिक
इन चूहों का खात्मा करेगा अनेकानेक बीमारियों का अंत
ताकि स्थापित हो सके इंसानियत निडरता से।

हे विद्या दायनी

लवली आनंद,
बिहार

हे विद्या दायनी तू वर दो
निर्मल मेरे स्वभाव को करदो,
माता तुम हो जगत की जननी,
मुझ अज्ञानी को ज्ञान से भर दो
तुम हो दया की मूरत माता
मैं कपूत अति कपटी बालक,
हे स्वर संगीत दायनी माता,
मेरे वाणी में मिश्री भर दो,
दो विद्या का ज्ञान हमें
उज्ज्वल मेरे भविष्य को कर दो,
हे पंच कमल पुष्प धारणी माता,
निज स्वभाव मेरा कोमल कर दो,
मैं बीच भवर में अटक गई हूं,
नइया मेरी पार लगा दो माता,
हे पीतांबरी धारी माता,
मुझको अनल सी पावक कर दो,
हुई दूषित मैं अपने कर्म से माता,
मुझे अखंडता का तुम वर दो,
हे विद्या दायनी तूम वर दो,
निर्मल मेरे स्वभाव को करदो।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम
रविवार 29, जनवरी 2023

टूटे आईने में सही शक्ल नहीं दिखाई देती

सनातन धर्म पर स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो में हुए सन 1893 की विश्व धर्मसभा में दिया गया यह भाषण कि 'मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से हूं, जिसने दुनिया को सहिष्णुता और सार्वभौमिक स्वीकृति का पाठ पढ़ाया है। हम सिर्फ़ सार्वभौमिक सहिष्णुता पर ही विश्वास नहीं करते, बल्कि हम सभी धर्मों को सच के रूप में स्वीकार करते हैं। मुझे गर्व है कि मैं उस देश से हूं, जिसने सभी धर्मों और सभी देशों के सताए गए लोगों को अपने यहां शरण दी। फल से ही वृक्ष का परिचय होता है। जब मैं देखता हूं कि जिन लोगों को मूर्ति-पूजक कहा जाता है, उन लोगों में ऐसे मनुष्य भी होते हैं, जिनकी तरह नीतिज्ञान, आध्यात्मिकता और प्रेम मैंने और कहीं नहीं देखा, तब मेरे मन में यह प्रश्न जागता है कि 'पाप से क्या कभी पवित्रता जन्म ले सकती है?'

वैदिक काल में भारतीय उपमहाद्वीप के धर्म के लिए 'सनातन धर्म' नाम मिलता है। 'सनातन' का अर्थ है- शाश्वत या 'सदा बना रहने वाला', यानी जिसका न आदि है, न अंत। सनातन धर्म मूलतः भारतीय धर्म है, जो किसी समय पूरे वृहत्तर भारत (भारतीय उपमहाद्वीप) तक व्याप्त रहा है।

सच में आज की तारीख में स्वामी विवेकानंद से उद्भट विद्वान सनातन को जानने वाला भारत ही नहीं, शायद विश्व में कोई दूसरा नहीं है। हमारा सनातन धर्म सृष्टि को धारण करने वाला है। अधर्म सदा विनाश करता है। हम अपनी रक्षा के लिए ही धर्म की रक्षा करते हैं। धर्म हमारा रक्षक है। हम उसकी रक्षा नहीं करेंगे, तो हमारी रक्षा कौन करेगा। स्वामी विवेकानंद किसी प्रकार के नोट बनाकर व्याख्यान नहीं देते थे। लेकिन, अपने वक्तव्य का विषय वे धारावाहिक ढंग से व्यक्त करते थे और उनकी अपूर्व कौशल तथा एकांतिकता के साथ वे मीमांसा करते थे। अंतर की गंभीर प्रेरणा उनकी वाग्मिता को पूर्व ढंग से सार्थक कर देती है। शिकागो का श्रेष्ठ अखबार 'हेराल्ड लिखता है- 'धर्मसभा में विवेकानंद ही निर्विरोध रूप से सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति हैं। उनका भाषण सुनकर हम समझ सकते हैं कि इस शिक्षित जाति में धर्मप्रचारक भेजना कितनी निर्बुद्धता का काम है।'

पता नहीं जिस सनातन धर्मध्वज को स्वामी विवेकानंद ने विश्व के अब तक के सर्वश्रेष्ठ धर्ममहासभा शिकागो में फहराया था, आज उन्हीं के भारत में ऐसा लगता है, मानो सनातन धर्म अनाथ हो गया है। स्वयं अपने ही अपने हाथों अपनी उस धर्मध्वजा की मर्यादा को तार-तार करने में लग गए हैं। सनातन धर्म की आलोचना समाज का अदना-सा व्यक्ति करता तो भारतीय समाज अपनी उदारता के कारण उसे क्षमा कर देता और यह माना जाता कि आलोचक अपना प्रचार पाने के उद्देश्य से आज के युग में अपनी महत्ता को प्रमाणित करना चाहता है। लेकिन, यदि समाज का कोई शीर्षस्थ व्यक्ति उस मर्यादा का उल्लंघन करके अपने ही सनातन धर्म की आलोचना सार्वजनिक मंच से करने लग जाए, तो उसके लिए क्या कहा जा सकता है? क्योंकि उसे उत्तर देने के लिए आज भारतीय समाज में कोई दूसरा स्वामी विवेकानंद तो हैं नहीं।

अभी पिछले दिनों नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के संबंध में विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं को स्थांतरित करनेवाले सुप्रीम कोर्ट के आड़े आने के बाद एक प्रमुख घटनाक्रम में समलैंगिक लोगों के लिए गरिमा और स्वायत्तता का समर्थन किया। उन्होंने जरासंध के दो सेनापतियों हंस-डिम्भक का उदाहरण देते हुए कहा कि दोनों में उसी तरह

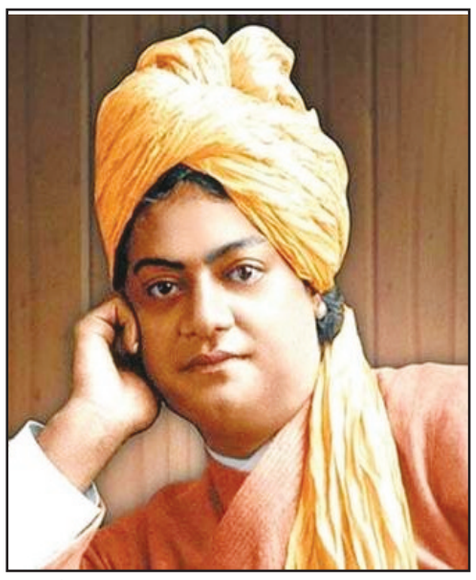

(समलैंगिक) रिश्ते थे।

पत्रकार संदीप देव ने संघ प्रमुख मोहन भागवत एवं संघ विचारधारा की पत्रिका पांचजन्य और आर्गेनाइजर उनके संपादक हितेश शंकर तथा प्रफुल्ल केतकर के खिलाफ 23 जनवरी को दिल्ली के बिंदापुर थाने में हिंदू की धार्मिक भावना को आहत करने की आईपीसी धारा 295 ए के तहत शिकायत दर्ज कराई है। बिंदापुर थाना, दिल्ली में दर्ज शिकायत में कहा गया है कि छद्म महाभारत-पुराण में वर्णित दो शिवांश भाईयों हंस-डिम्भक को समलैंगिक कहने और भगवान श्रीकृष्ण को अफवाहबाज बताने के कारण शिकायत दर्ज कराई गई है।

बिहार के शिक्षमंत्री चंद्रशेखर ने कहा, 'मनुस्मृति में समाज की 85 फीसदी आबादी वाले बड़े तबके के खिलाफ गालियां दी गईं। रामचरितमानस के उत्तर कांड में लिखा है कि नीच जाति के लोग शिक्षा ग्रहण करने के बाद सांप की तरह जहरीले हो जाते हैं। यह समाज में नफरत के बीज बोने वाले ग्रंथ हैं। एक युग में मनुस्मृति, दूसरे युग में रामचरितमानस, तीसरे युग में गुरु गोवलकर का बंच ऑफ थॉट, ये सभी देश- समाज को नफरतों के खाके में बांटते हैं। नफरत देश को कभी महान नहीं बनाएगी। देश को महान केवल मोहब्बत ही बनाएगी।'

बिहार के ही पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने राम के नाम और उनके अस्तित्व को ही नकार दिया। वहीं, कर्नाटक के कांग्रेस नेता जारकीहोली ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि 'हिंदू' शब्द फारसी है और इसकी उत्पत्ति भारत में नहीं हुई है। उन्होंने कहा था कि हिंदू शब्द का अर्थ 'भयानक' है और सवाल उठाया था कि लोग इसे उच्च स्थान पर क्यों रखते हैं। उन्होंने कहा था कि 'हिंदू' शब्द कहां से आया है? यह फारस से आया है,तो भारत से इसका क्या संबंध है?

उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य भी रामचरितमानस के कुछ हिस्सों पर यह कहते हुए मांग की है कि उनसे समाज के एक बड़े तबके का जाति, वर्ण और वर्ग के आधार पर अपमान होता है। मौर्य ने कहा कि धर्म का वास्तविक अर्थ मानवता के कल्याण और उसकी मजबूती से हैं। अगर रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों के कारण समाज एक वर्ग का जाति, वर्ण के आधार पर अपमान होता है, तो निश्चित रूप से यह धर्म नहीं, अधर्म है। अब समझने का प्रयास करते हैं कि यदि सनातन धर्म को परिभाषित किया जाए तो वह क्या होगा-

'सनातन धर्म को हिंदू धर्म के वैकल्पिक नाम से भी जाना जाता है। वैदिक काल में भारतीय उपमहाद्वीप के धर्म के लिए 'सनातन धर्म' नाम मिलता है। 'सनातन' का अर्थ है- शाश्वत या 'सदा बना रहने वाला', यानी जिसका न आदि है, न अंत। सनातन धर्म मूलतः भारतीय धर्म है, जो किसी समय पूरे वृहत्तर भारत (भारतीय उपमहाद्वीप) तक व्याप्त रहा है। विभिन्न कारणों से हुए भारी धर्मांतरण के उपरांत भी विश्व के इस क्षेत्र की बहुसंख्यक जनसंख्या इसी धर्म में आस्था रखती है।'

अब यदि सनातन धर्म की इस परिभाषा को समाज मानता है, तो फिर उपरोक्त जिन लोगों ने सनातन समाज पर दुराग्रहपूर्ण आरोप लगाया है, उसका निदान क्या हो। सच तो यह है कि जिन लोगों ने ऐसी आलोचनाएं फैलाने का प्रयास किया है, निश्चित रूप से वे समाज से जुड़े हुए हैं और उनकी मंशा अपने भावी भविष्य से प्रेरित है। तो क्या यह मान लिया जाए कि अपने स्वार्थ के लिए समाज के ये 'प्रबुद्ध' लोग निजी स्वार्थ के लिए समाज को बांटना चाहते हैं?

वैसे, ऐसे कुछ नेताओं ने अपने वक्तव्य के लिए समाज से माफी तो मांग ली है, लेकिन क्या महज इतने से ही समाज फिर से जुड़ जाएगा? प्रत्यक्ष रूप से समाज के लोग इसे दुराग्रह मानकर ऊपर से समझौता कर लें, लेकिन क्या उनका हृदय सच में पहले की तरह साफ रहेगा? हमारे सामाजिक ताने-बाने को जिस तरह इन नेताओं ने रौदना शुरू कर दिया है क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हो सकेगी। हां, यह होगा कि सामान्यजन इस दरार को पाटने में सफल हो जाएं, लेकिन क्या हम उसी तरह फिर से जुड़कर सामाजिक तानाबाना को बुनते हुए सनातन धर्म के मान-सम्मान को बरकरार रख सकेंगे?

नौकरी पर पडेगा रोबोट्स का प्रभाव

एक सैलरी के बजाय कई कंपनियों में काम का ट्रेंड बढ़ेगा

आज दुनिया ह्यूमन रिसोर्स से जुड़ी एक क्राइसिस के मुहाने पर खड़ी है। इस क्राइसिस की वजह से ही हम देख सकते हैं कि टेक्नोलॉजी कई लोगों की नौकरी खा रही है, वहीं दूसरी तरफ कई ऐसे नए काम शुरू हो रहे हैं जिनके लिए हमारे पास स्किल्ड लेबर ही नहीं है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक अगले 10 साल में पूरी दुनिया में 120 करोड़ कामगार ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी और एआई से प्रभावित होंगे। ये वर्ल्ड इकोनॉमी के 50% के बराबर है। इससे 14.6 ट्रिलियन डॉलर, यानी करीब 1200 लाख करोड़ के बराबर तनख्वाहों पर असर पड़ेगा।

ह्यूमन रिसोर्स की इस क्राइसिस से बचने के लिए जरूरी है कि हम शिक्षा को बेहतर मैनेज करें। लोगों को नए स्किल्स सीखने में मदद करें, पुराने ढर्रे के ज्ञान को भुलाएं और नई चीजों को सीखें। लोगों के लिए नए मौके बनाए जाएं।

मेरी राय में एक परमानेंट नौकरी के बजाय कई पार्टटाइम जॉब करने का ट्रेंड, जिसे आज Gig Economy कहा जाता है, और बढ़ेगा। इसकी वजह भी साफ है। ये वर्कर को उसके काम के हर घंटे के बदले बेहतर कैपिटल देता है और इसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी है। उबर जैसे प्लेटफॉर्म्स ने इस Gig Economy को लोकतांत्रिक बना दिया है। आपकी जरूरत के हिसाब से कार और ड्राइवर उपलब्ध कराना ही इसकी खासियत है और भविष्य में ऐसे प्लेटफॉर्म्स और ज्यादा फलें -फूलेंगे। सोलोप्रेन्योर्स का कॉन्सेप्ट भी जल्द लोकप्रिय होगा। एक पूरी कंपनी खड़ी करना मुश्किल है, मगर सोलोप्रेन्योरशिप इसके मुकाबले आसान है। ये सोलोप्रेन्योर्स, कंसल्टेंट्स की तरह पर्सनल ब्रांड्स खड़े करेंगे।

यही नहीं, लोग एक फिक्स्ड सैलरी के बजाय अपने समय का बेहतर मोलभाव शुरू करेंगे जो किसी एक कंपनी के साथ नहीं, बल्कि एक साथ कई कंपनियों के साथ होगा। उदाहरण के लिए, अगर कोई व्यक्ति दिन में 8 से 10 घंटे काम करता है तो वो इसे 3 से 4 कंपनियों के बीच बांट सकता है। आने वाले दिनों में यही नौकरी का भविष्य हो सकता है। आने वाले दशकों में कंपनियों में डेडिकेटेड सैलरी वाले कर्मचारियों की संख्या घटने वाली है। लोग अपनी कमाई के बजाय अपनी लाइफस्टाइल और अपने मेंटल हेल्थ के बारे में ज्यादा चिंतित होंगे। इसी वजह से काम में फ्लेक्सिबिलिटी किसी भी नौकरी की सबसे बड़ी क्वालिटी बन सकती है। इसमें वर्क फ्रॉम होम एक मुख्य कैटेगरी बन सकती है। साथ ही Zoom और Kong जैसे प्लेटफॉर्म्स और भी ज्यादा सामयिक हो जाएंगे।

इंडस्ट्री 4.0 क्रांति के साथ ही एआई और रोबोट्स कई नौकरियों में अपनी जगह बना लेंगे। एक अनुमान के मुताबिक 2030 तक 80 करोड़ रोजगार ऐसे होंगे जिनमें रोबोट्स इंसानों की जगह ले लेंगे। इसका एक उदाहरण रोबोटिक वैक्यूम क्लीनर्स हैं। अगले एक दशक में हाउसकीपिंग रोबोट्स आपको हर जगह दिखने लगेंगे। ChatGPT ने कॉपीराइटिंग के काम की तस्वीर बदल दी है।

हर काम जो आज एक इंसान कर रहा है वो टेक्नोलॉजी से प्रभावित होगा। ये प्रभाव अच्छा भी होगा और बुरा भी। अभी यह नहीं कहा जा सकता कि एआई और मशीन लर्निंग मानव जीवन की गुणवत्ता को किस तरह से बदलेगा, लेकिन इसकी कीमत तो चुकानी होगी। इसीलिए हमें आज से ही ऐसे नए स्किल्स सीखना शुरू करना चाहिए जो भविष्य के लिए जरूरी हों। क्या आप जानते हैं कि सिर्फ मेडिकल इमेजिंग की फील्ड में ही 386 मशीन लर्निंग कंपनियां हैं। उनकी वजह से रेडियोलॉजिस्ट्स की जरूरत कम हो जाएगी क्योंकि ये मशीन्स किसी डॉक्टर से ज्यादा सटीक गाइडेंस देती हैं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि रेडियोलॉजिस्ट्स की जरूरत ही खत्म हो जाएगी। हां, उनकी महत्ता जरूर कम हो जाएगी। एक स्कैन को समझने में रेडियोलॉजिस्ट को जो वक्त लगता है, मशीन लर्निंग उसे काफी हद तक घटा देती है। करीब 60 रोजगार ऐसे हैं जो भविष्य में बिल्कुल खत्म हो जाएंगे। ये ट्रेंड हमें ये सोचने का समय देता है कि कैसे हम सही स्किल डेवलपमेंट के लिए बजट बढ़ाएं ताकि 140 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश में हर घर में रोजगार मुहैया कराया जा सके। इसीलिए, सरकार को आज ही Gig Economy, स्किल रिडेवलपमेंट प्रोग्राम्स जैसी चीजों में निवेश बढ़ाना होगा। साथ ही ये सुनिश्चित करना होगा कि भारत पूरी दुनिया को तरक्की के नए दौर के लिए संसाधन मुहैया करा सके।

कैसे घर-घर पहुंचा रामचरितमानस

मार्केटिंग का आधुनिक मंत्र है कि अगर आप अपने प्रॉडक्ट को लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं तो लोकल भाषा का इस्तेमाल करें। इस मंत्र को सबसे पहले गोस्वामी तुलसीदास ने पहचाना था। उन्होंने अवधी बोली में श्रीरामचरितमानस के रूप में एक ऐसा बेस्ट सेलर लिखा, जिसकी प्रतियां पिछले पांच सौ सालों से लगातार छप रही हैं। उस समय संस्कृत का बोलबाला था। दरअसल, यह एक क्रांति थी। हर साल दुर्गा पूजा के दिनों में हम इसी क्रांतिकारी सोच के उत्सव में डुबकी लगाते हैं।

मानस की कुछ चौपाइयों के कारण तुलसीदास विवादों में आ गए हैं। वह जीते-जी भी हमेशा विवादों में रहे बल्कि देखा जाए तो विवाद उनके जन्म से ही शुरू हो गया था। कहते हैं, वह मां की कोख से बारहवें महीने में पैदा हुए थे। जब पैदा हुए तो उनके मुंह में सारे बत्तीस दांत थे। ऐसे मुहूर्त में पैदा हुए थे कि पिता की मृत्यु का कारण हो सकते थे। माता-पिता ने उन्हें त्याग दिया। घर की नौकरानी ने दूर ले जाकर उन्हें पाला-पोसा। वह भी जल्दी चल बसी। फिर एक ब्राह्मण ने उन्हें संभाला। उन्होंने उन्हें रामायण के बारे में बताया। बाद में उन्होंने बनारस आकर संस्कृत की विधिवत शिक्षा ली। संस्कृत के प्रकांड विद्वान बन गए। यह भक्ति काल था। तभी सूरदास, रहीम और मलिक मुहम्मद जायसी अपने-अपने सांचे में ढल रहे थे।

बहरहाल, तुलसीदास राम की कथा सुनाने के लिए बेचैन हो रहे थे। वाल्मीकि रामायण संस्कृत में थी। तुलसीदास राम को, राम के आदर्श को, राम के मूल्यों को घर-घर पहुंचाना चाहते थे। उस दौर में सत्ता के लिए भाई-भाई की हत्या कर देते थे, पुत्र पिता को बेदखल कर देते थे। मगर राम अपने पिता की वचनपूर्ति के लिए राज्याभिषेक छोड़कर वनवास चले जाते हैं। तब तुलसीदास ने राम का त्याग परोसने का बीड़ा उठाया। उनके अंदर छटपटाहट हो रही थी। राम को जन-जन तक पहुंचाना है। मगर कैसे? संस्कृत की सीमाएं थीं। हिंदी तब ठीक से जन्मी नहीं थी। इसलिए उन्होंने वाल्मीकि के रामायण को अवधी में लिखना शुरू किया। रामायण के राम नायक

थे, राजा थे। तुलसीदास जी ने राम की पूजा की। उन्हें तमाम पुरुषों में उत्तम, मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में सेलिब्रेट किया। ढाई साल के लेखन के बाद जब अयोध्या के राजा ठेठ अवधी में अवतार लिए तो बनारस के संस्कृत विद्वानों में हड़कंप मच गया, उन्होंने विद्रोह कर दिया। बॉलिवुड की फिल्मों की तरह तुलसीदास का बॉयकॉट करने की धमकी दे दी। विद्वानों का तर्क था कि हमारे धर्म ग्रंथ सिर्फ संस्कृत में ही लिखे जा सकते हैं। दूसरी भाषा में लिखा तो अधर्म हो जाएगा। वैसे ही जैसे जर्मन पुजारी मार्टिन लूथर ने बाइबल का जर्मन भाषा में अनुवाद किया तो पूरे यूरोप में सन्नाटा छा गया था। चर्च ने कहा था कि बाइबल सिर्फ लैटिन में ही लिखा-पढ़ा जा सकता है। लूथर लड़े। तुलसीदास भी लड़े।

अपनी बोली से उन्हें अगाध प्यार था और उसकी ताकत पर विराट विश्वास। कहते हैं, विद्वानों ने मंदिर के एक कमरे में मानस को कई हिंदू धर्म ग्रंथों के नीचे रखकर बंद कर दिया। सुबह दरवाजा खुला तो मानस सबसे ऊपर था। फिर भी विद्वान हार नहीं माने। क्षुब्ध होकर तुलसीदास ने कहा, 'धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूत कहौ, जोलहा कहौ कोऊ' मिसद (मिस्जद) में रहूंगा, मगर राम नाम गाता रहूंगा। विद्वत परिषद उनकी धमकी से डर गई। आखिर सुलह हुई। फिर इतिहास की धार बही। रामायण के जो राम संस्कृत के विद्वानों की कथा में रहे, वही राम अवधी में घर-घर पहुंच गए। लोग अपनी भाषा में मानस की चौपाइयां गाने लगे। आज भी गा रहे हैं। तुलसीदास का यही विजन था। अगर तुलसीदास ने रामचरितमानस नहीं लिखा होता, तो क्या राम की कथा इतना मजबूत खूंटा गाड़ पाती? शायद नहीं।

तुलसीदास यहीं नहीं रुके। उन्होंने रामलीला का मंचन शुरू करवाया। कहते हैं, बनारस की पहली रामलीला मंडली तुलसीदास जी ने बनाई। अपनी चौपाइयों को राग और धुन दिए। तब से उत्तर भारत में रामलीला का जो मंचन शुरू हुआ, आज तक जारी है। उत्तर भारत के गांव-गांव में और दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में आज जो रामलीलाएं होती हैं, वह तुलसीदास की दूरदर्शिता की देन हैं। आइने अकबरी में अबुल फजल ने सब कुछ लिखा है। वेद, पुराण और महाभारत से लेकर सारे अवतारों पर। राम की कथा का जिक्र नहीं है क्योंकि तब तक रामायण के राम ज्ञान की सीमाओं में कैद थे। उन्हें खुले मैदान में विराट स्वरूप में विराजित करने के लिए उपस्थित हुआ रामचरितमानस शैशव काल में था।

वह शहंशाह अकबर का दौर था। अकबर के नवरत्नों में से एक रहीम तुलसीदास के खास मित्र थे। अकबर ने रहीम से संदेशा भिजवाया कि वह तुलसीदास को अपने दरबार का दसवां रत्न बनाना चाहते हैं। स्वाभिमानी ब्राह्मण ने शहंशाह का प्रस्ताव विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया। अकबर तुलसीदास से मिलने बनारस आए और गोस्वामी जी के साथ राम कथा में ऐसी डुबकी लगाई कि दीवाने हो गए। उन्होंने भी राम कथा पर आधारित झांकियां शुरू करवाईं। इलाहाबाद में आज भी वे झांकियां निकलती हैं। शहंशाह अकबर के फरमान के साथ।

योगी आदित्यनाथ के खास कैसे बन गए बाहुबली धनंजय सिंह

उत्तर प्रदेश के बाहुबलियों को याद किया जाए और धनंजय सिंह की बात न हो ऐसा पॉसिबल नहीं है। दूसरी तरफ पूर्व बसपा सांसद धनंजय सिंह की सीएम योगी आदित्यनाथ से गहरी पहचान की भी खूब चर्चा होती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद जैसों को जेल में डालने वाले सीएम योगी का धनंजय सिंह से क्या कनेक्शन है। धनंजय सिंह या यूं कहा जाए बाहुबली धनंजय सिंह पूर्वांचल की धरती से लेकर उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्यों के लिए ये नाम नया नहीं है। धनंजय सिंह पूर्व बसपा सांसद रह चुके है। कई राष्ट्रीय से लेकर प्रदेश स्तर की पार्टियों से धनंजय सिंह के तगड़े संबंध रहे हैं। हाल में एक बार फिर धनंजय सिंह तब चर्चा में आए, जब उन्होंने लखनऊ सीजेएम कोर्ट में सरेंडर किया। 6 जनवरी 2021 को ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह हत्याकांड में हत्यारों की मदद करने का आरोप धनंजय सिंह पर लगा। लखनऊ पुलिस ने केस दर्ज किया, हालांकि कभी गिरफ्तार नहीं किए गए। आखिरकार दो साल बाद 21 जनवरी 2023 को खुद ही चलकर कोर्ट के सामने सरेंडर कर दिया। कोर्ट से फौरन दो मुचकलों पर उन्हें जमानत भी मिल गई। धनंजय सिंह की ताकत और बाहुबल का ये एकलौता किस्सा नहीं है। इसके पीछे एक लंबी कहानी है, आज जिसे हम धनंजय सिंह की जुबानी आपको बताने जा रहे हैं। इस स्टोरी में सीएम योगी आदित्यनाथ से उनकी करीब आने की स्टोरी है। दूसरी तरफ कैसे अखिलेश से बिगाड़ हुआ। कैसे धनंजय सिंह की एक बात पर विधायकी के लिए टिकट बांट देने वालीं मायावती से भी दूरी हो गई। वहीं धनंजय सिंह का साफ कहना है कि मुख्तार अंसारी ने उन पर कई बार हमले कराए।

एक दौर धनंजय सिंह का वो भी आया, जब जौनपुर से लेकर लखनऊ तक 10-12 मुकदमे एक साथ हो गए। ये बात खुद धनंजय सिंह ने बताई थी। उन्होंने बताया कि 2002 में पहली बार निर्दलीय विधायक बना। बसपा प्रमुख मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं, उन्हें सपोर्ट भी दिया। तब निर्दलीय विधायकों को भी मंत्रीमंडल में जगह देने की मांग उठी। मायावती ने साफ कह दिया कि हम निर्दलीय को सरकार में जगह नहीं देते हैं। यहां से पहली बार उनका सीधे तौर पर प्रदेश की सरकार और मायवती से टकराव हुआ। ये बात इतनी बढ़ गई कि लड़ाई तक हो गई और जेल भी जाना पड़ा। इसके बाद जौनपुर से लखनऊ तक दर्जन भर मुकदमे दर्ज कर दिए गए। 2007 में दोबारा विधायक बने। 2009 में सांसद चुने गए।

धनंजय सिंह ने का कहना है कि उन्हें ईश्वर में बहुत विश्वास है। अपने धर्म पर गर्व होना चाहिए। लखनऊ यूनिवर्सिटी के गोल्डन जुबली हास्टल की कहानी भी सुनिए। दयाशंकर सिंह से दोस्ती की बात भी निकली। उन्होंने बताया कि दयाशंकर सिंह के मामा मैनेजर सिंह कई बार बलिया से विधायक चुने गए तो दोस्ती हो गई। उन्होंने यूनिवर्सिटी में महामंत्री पद का चुनाव लड़ा था, तब कई मुकदमे हो गए थे। 1991 में राम मंदिर को लेकर राजनीति में एक्टिव हो गए। इसके बाद विधायक बनने का प्लान बना लिया था। उन्होंने बताया कि अभय सिंह के पास एके 47 मिली थी, वो मुख्तार अंसारी के जरिए आई थी। तब मेरी हत्या करने का प्लान बनाया था। किसी तरह तब साथियों की मदद से जान बच गई। इसके बाद आत्मरक्षा के लिए शूटिंग भी सीख ली। हालांकि आज भी मुख्तार अंसारी उनकी घात में बैठा है, ये बात उन्होंने खुद कही।

1997 में लखनऊ में अंबेडकर उद्यान बन रहा था। तब एक इंजीनियर की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में धनंजय सिंह का नाम जोड़ दिया गया, इसके तीन दिन के अंदर 50 हजार का इनाम घोषित हो गया। किसी तरह धनंजय सिंह ने भागकर जान बचाई। 11 जनवरी 1999 को यूपी पुलिस ने कहा कि धनंजय सिंह एनकाउंटर में मारा गया। हालांकि वो जिंदा थे। इस पर हंसते हुए धनंजय सिंह ने कहा कि यूपी की पुलिस पॉलिटिकल प्रेशर में बहुत ज्यादा काम करती है। देश भर में हर राज्य की पुलिस ऐसे ही काम करती है।

राजा भईया, अखिलेश यादव और मायावती से कभी धनंजय सिंह के पक्के राजनीतिक संबंध थे। हालांकि वक्त बीतने के साथ ही ये दोस्ती कई बार दुश्मनी में बदलती नजर आई। हालांकि 2004 में जौनपुर से संसदीय सीट सपा उनके लिए छोड़ दे, ये बात कहने के लिए तब धनंजय सिंह राजा से मिलने जेल तक पहुंच गए। इसके बाद भी किसी दबाव में राजा ने उनकी बात आगे नहीं बढ़ाई और तबसे राजनीतिक दूरियां और बढ़ती चली गई है।

पिछले साल इनाम घोषित होने के बाद आराम से क्रिकेट खेलते हुए धनंजय सिंह काफी मशहूर हो गए। अखिलेश यादव ने धनंजय की गिरफ्तार न होने पर इसे मुद्दा बनाया था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आज भी जात-पात की राजनीति कर रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ धनंजय सिंह के रिश्ते काफी मजबूत हैं, जिसकी खूब चर्चा होती है। 2021 हत्याकांड में धनंजय सिंह की गिरफ्तारी नहीं होने पर इसको बड़ा मुद्दा विपक्ष ने बनाया।

इस पर धनंजय सिंह ने खुद बताया कि मठ के चलते उनकी सीएम योगी से पहचान हुई। ये बात 1991 की है, जब योगी मठाधीश नहीं थे। धनंजय सिंह बाबा अवैद्यनाथ के समय में 1991 के दौर में ही मठ से जुड़ गए थे। योगी आदित्यनाथ के भी गुरू के धनंजय शिष्य बन गए थे। बाद में संसद में उनकी योगी से पहचान और मजबूत हुई।

सीएम योगी से इतनी पुरानी पहचान पर उन्होंने कहा कि इसका मैं कोई लाभ नहीं लेता हूं।

अखिलेश यादव 2002 में झांसी जेल में उनसे मिलने के लिए आए थे। हालांकि राजनीतिक फायदे के लिए यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में उनके नाम का खूब इस्तेमाल योगी आदित्यनाथ और बीजेपी पर हमला करने के लिए किया। उन्होंने कहा कि 2019 में बसपा के साथ मिलकर अखिलेश ने चुनाव लड़ा था और उसको ही 2022 चुनाव में बीजेपी का एजेंट बताया।

गुप्त नवरात्रि में नवमी के दिन ऐसे करें माता की पूजा

सुख-समृद्धि का मिलेगा आशीर्वाद

मां दुर्गा का ये रूप सभी सिद्धियों को प्रदान करने वाला माना जाता है।

नवमी के दिन विधि-विधान से पूजा के साथ ही हवन किया जाता है।

साथ ही देवी मां को भोग में हलवा-पूरी और खीर का भोग लगाया जाता है।

चलिए जानते हैं कि गुप्त नवरात्रि की नवमी के दिन मां सिद्धिदात्री की किस प्रकार पूजा करनी चाहिए...

इस समय माघ माह की गुप्त नवरात्रि चल रही है। 30 जनवरी को गुप्त नवरात्रि की नवमी तिथि है। गुप्त नवरात्रि की नवमी तिथि बेहद खास मानी गई है। इस दिन देवी दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। नवरात्रि पूजन के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की उपासना के साथ ही गुप्त नवरात्रि का समापन हो जाएगा।

माघ गुप्त नवरात्रि नवमी पूजा विधि

नवमी के दिन प्रातः काल उठकर स्नान के बाद घर के पूजा स्थान पर प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा आरंभ करें। गणेश जी को फूल, माला और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करें। इसके बाद मोदक का भोग लगाएं। फिर धूप-दीप से गणपति की आरती करें।

भगवान गणेश की पूजा के बाद मां दुर्गा और इनके नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा शुरू करें। माता को जल या पंचामृत से स्नान कराएं। इसके बाद माता को लाल चुनरी अर्पित करें।

आभूषण, पुष्प हार चढ़ाएं।

इत्र, कुमकुम आदि अर्पित करें। साथ ही कुमकुम से तिलक लगाएं और लाल फूल अर्पित करें।

अक्षत और नारियल चढ़ाएं। इसके बाद माता को भोग अर्पित करें।

अंत में माता रानी की आरती करें।

फिर 'दुं दुर्गायै नमः' इस मंत्र का जाप करते हुए पूजा में हुई गलतियों के लिए माता से क्षमा मांगें। पूजा के बाद प्रसाद बांटे और खुद भी ग्रहण करें।

तुलसी के सामने दीपक जलाते समय करें ये छोटा सा काम

शास्त्रों के अनुसार तुलसी में मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु का वास होता है। वहीं तुलसी की जड़ों में भगवान शालिग्राम का वास होता है। इस कारण नियमित रूप से तुलसी के पौधे की पूजा करने से सभी कामनाएं पूरी हो जाती है। इसके साथ ही घर में रहने वाले सदस्यों की तरक्की होती है। साथ ही तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु का भी वास होता है। तुलसी की जड़ों में भगवान शालीग्राम का वास होता है। ज्योतिष शास्त्र में तुलसी के पौधे के सायं दीपक जलाना शुभ माना जाता है। तुलसी पर इस तरह जलाएं दीपक

शाम को नियमित रूप से तुलसी के पौधे के नीचे घी का दीपक जलाएं। संभव हो तो दीपक में थोड़ी सी हल्दी डाल लें। इस उपाय से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलेगा।

शास्त्रों के अनुसार आटे के दीपक को सबसे ज्यादा शुभ और पवित्र माना जाता है। आटे का दीपक तुलसी के नीचे जलाने से मां लक्ष्मी के साथ मां अन्नपूर्णा का आशीर्वाद मिलता है। अगले दिन इस दीपक को गाय को खिला दें। इस उपाय से शुभ फल के साथ आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

तुलसी पर यदि आप घी का दीपक लगा रहे हैं तो उसे लगाने से पूर्व उसमें थोड़ा स अक्षत डालें और दिया जलाएं। इस उपाय से दरिद्रता दूर भागती है और मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

तुलसी पूजा के नियम

सुबह तुलसी पूजन के बाद उसमें जल जरूर अर्पित करें।

तुलसी के पौधे के नीचे नियमित रूप से दीपक जलाएं। ऐसा करने से घर में मां लक्ष्मी का वास होता है ।

रविवार और एकादशी के दिन तुलसी के पौधे में जल अर्पित नहीं करें न ही पत्तियां तोड़ें।

तुलसी की नियमित रूप से पूजा करने से जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

राहुकाल में न करें 5 काम

सफलता मिलनी हो जाएगी मुश्किल

राहुकाल क्या है?

राहुकाल का अधिपति ग्रह राहु है, जोकि अशुभ फल प्रदान करता है। हर दिन डेढ़ घंटे का समय राहुकाल का होता है। मान्यताओं के अनुसार सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक के समय का आठवां हिस्सा राहु का माना जाता है, वही राहुकाल होता है।

ज्योतिष शास्त्र में राहुकाल को अशुभ मुहूर्त माना जाता है, जिसमें कोई भी शुभ काम करना वर्जित है। राहुकाल दो शब्दों राहु और काल से मिलकर बना है। राहु के छाया ग्रह है और काल का अर्थ समय से है। राहुकाल का शाब्दिक अर्थ हुआ राहु का समय। हर दिन में राहुकाल आता है, इसमें भी दिन के राहुकाल की गणना की जाती है। दिन के अनुसार राहुकाल के समय में भी अंतर होता है। राहुकाल में कोई भी काम करते हैं तो उसमें सफलता प्राप्त होना कठिन हो जाता है, उसके कई प्रकार की बाधाएं आने लगती हैं। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि राहुकाल कब होता है? राहुकाल में शुभ कार्य क्यों नहीं करते हैं? यदि राहुकाल में कोई कार्य करना ही है तो इसका उपाय क्या है?

कैसे होती है राहुकाल की गणना?

सूर्योदय के समय, स्थान और दिन के अनुसार राहुकाल की गणना होती है। हर दिन का अलग अलग राहुकाल होता है। दिन के ही राहुकाल की मान्यता है। मंगलवार, शनिवार और रविवार के राहुकाल को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। इन तीनों दिनों में राहुकाल के समय में राहु प्रभावी होता है।

राहुकाल में वर्जित कार्य

1. राहुकाल के समय में आपको कोई नया बिजनेस, नई परियोजना या कोई भी नया काम शुरू नहीं करना चाहिए।
2. राहुकाल में आपको अपने महत्वपूर्ण कार्यों से जुड़ी यात्राएं नहीं करनी चाहिए। संभव हो तो उसे टाल देना चाहिए।
3. राहुकाल में मुंडन, उपनयन संस्कार, गृह प्रवेश, विदाई, विवाह, सगाई जैसे सभी मांगलिक कार्यों को नहीं किया जाता है।
4. इस तरह से ही राहुकाल में कोई भी प्रॉपर्टी, वाहन, आभूषण, वस्तुओं का लेन-देन या खरीद-बेच नहीं करते हैं।
5. राहुकाल के समय में यज्ञ करना भी वर्जित है।

राहुकाल के उपाय

1. यदि आपको कोई कार्य करना अत्यंत ही आवश्यक है, जो राहुकाल मे पड़ रहा है तो सबसे पहले वीर हनुमान जी की विधिवत पूजा कर लें। हनुमान चालीसा का पाठ करें। उसे बाद उनका प्रसाद ग्रहण करके कार्य प्रारंभ करें। कहा जाता है कि संकट कटै मिटै सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।।
2. राहुकाल के समय में यात्रा करना अत्यंत ही आवश्यक है, किसी के जीवन मरण का सवाल है तो आप घर के मुख्य द्वार से निकलने से पहले 10 कदम विपरीत दिशा में चलें। उसके बाद घर से निकलें।
3. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, राहुकाल में यात्रा करने से पूर्व आपको दही, पान या कुछ मीठा खाकर निकलना चाहिए। इनको शुभता का प्रतीक माना जाता है, ये अशुभ प्रभाव को दूर करते हैं।

कालसर्प दोष की पूजा में राहुकाल उपयोगी

जिन लोगों की कुंडली में कालसर्प दोष होता है। उन लोगों को राहुकाल के समय में भगवान शिव की पूजा करानी चाहिए। इससे यह दोष मिट जाता है।

श्रीकृष्ण ने किया था अपने चाचा ससुर शतधन्वा का वध

श्रीकृष्ण द्वारा शतधन्वा का वध

भगवान श्रीकृष्ण की पटरानी सत्यभामा के पिता सत्राजित का छोटा भाई था। सत्राजित ने जब अपनी बेटी सत्यभामा का विवाह श्रीकृष्ण से कर उन्हें स्यमंतक मणि सौंपी तो श्रीकृष्ण ने मणि को सत्राजित के पास ही रहने दिया। पर कृतवर्मा आदि यादव सत्यभामा का विवाह उनसे नहीं करने पर सत्राजित से नाराज हो गए। सत्राजित से बदला लेने के लिए उन्होंने उनके भाई शतधन्वा को भड़काकर अपने पक्ष में कर लिया। शतधन्वा को सत्राजित को मारकर स्यमंतक मणि लेने के लिए भी उकसाया। इस पर बहकावे में आया शतधन्वा भाई सत्राजित की हत्या कर स्यमंतक मणि लेकर भाग गया।

भगवान श्रीकृष्ण को जब इसका पता चला तो उन्होंने शतधन्वा को मारकर स्यमंतक मणि वापस लेने की योजना बनाई। जब शतधन्वा को यह मालूम हुआ तो वह भागकर कृतवर्मा के पास गया। पर कृतवार्मा ने धोखा देते हुए श्रीकृष्ण से युद्ध लड़ने में अपनी असहमति और असमर्थता जता दी। इसके बाद वह अक्रूरजी के पास गया तो उन्होंने भी सहायता के लिए मना कर दिया। तब शतधन्वा स्यमंतक मणि उन्हीं के पास छोड़कर वहां से मिथिलापुरी की तरफ भाग गया। जब श्रीकृष्ण व बलराम रथ पर उनका पीछा करते हुए आए तो रास्ते में शतधन्वा का घोड़ा वहां गिर गया।शतधन्वा पैदल ही वहां से दौड़ने लगा। इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने भी पैदल ही उसका पीछा कर सुदर्शन चक्र से उसका सिर धड़ से अलग कर दिया।

घर के मुख्य द्वार पर रख लें ये चीजें, नेगेटिव एनर्जी होगी दूर

वास्तुशास्त्र में कई ऐसे उपाय बताए गए है जिन्हें करने से घर के वास्तुदोष और नेगेटिव एनर्जी को दूर किया जा सकता है, अगर आप भी अपने घर के वास्तुदोष से छुटकारा पाना चाहते है तो इसके लिए कुछ उपाय करना लाभकारी होता है

जानिए वास्तु से जुड़े टिप्स

वास्तुशास्त्र के मुताबिक घर के मुख्य द्वार पर अंदर और बाहर की ओर श्री गणेश की प्रतिमा लगाएं। भगवान की मूर्ति को इस तरह से लगाएं जिसमें दोनों मूर्तियों की पीठ एक दूसरे से जुड़ हो। इससे घर परिवार की सारी बाधाएं दूर हो जाती है और सुख समृद्धि में बढ़ोत्तरी होती है वही माता लक्ष्मी के चरण घर के मुख्य द्वार पर अंदर की ओर लगा सकते है इससे शुभ संकेत मिलते है साथ ही घर से नेगेटिव

एनर्जी दूर हो जाती है शास्त्रों में देवी मां लक्ष्मी के चरणों को सुख समृद्धि का प्रतीक माना जाता है इसके अलावा आप आटे की रंगोली भी घर के मुख्य द्वार पर बना सकते है इससे घर में सकारात्मकता का संचार होने लगता है।

वास्तु की मानें तो घर के मुख्य द्वार पर तोरण लगाना भी शुभ होता है आप आम, पपील या अशोक के पत्तों का तोरण बनाकर मेन गेट पर लगा सकते है इससे नकारात्मकता का घर में प्रवेश नहीं होता है और सकारात्मकता हमेशा वास करती है जिससे घर परिवार का वातावरण खुशहाल रहता है। मुख्य द्वार पर घोड़े की नाल लगाना भी शुभ माना जाता है इससे घर की सारी परेशानियां दूर होती है और शनिदेव की कृपा भी मिलती है।

सोनू सूद को तोहफे में मिली 87 हजार वर्ग फुट की रंगोली

बॉलीवुड अभिनेता और लोगों के लिए रियल हीरो बनकर उभरे सोनू सूद सबके प्रिय हैं। विलेन का किरदार निभाने वाले सोनू सूद की फैन फॉलोइंग इस कदर है कि हर दूसरा व्यक्ति अभिनेता की तारीफों के पुल बांध रहा है। जहां सोनू फैंस को उनकी मुंह मांगी चीज देखर खुश कर रहे हैं, वहीं फैंस भी अपने हीरो के लिए कुछ न कुछ खास करते ही रहते हैं। हाल ही में गणतंत्र दिवस को मौके पर सोनू सूद के एक फैन ने उन्हें बेहद खूबसूरत सरप्राइज देकर आश्चर्य चकित कर दिया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, गणतंत्र दिवस के मौके पर महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में सोनू सूद के फैन ने अभिनेता का 87,000 वर्ग फुट का एक चित्र बनाया था। सोनू सूद के फैन और चित्रकार विपुल श्रीपाद मिराजकर ने पार्क में इस चित्र को बनाने के लिए 7 टन से ज्यादा रंगोली कलर्स का इस्तेमाल किया है। इसे बनाने में विपुल को काफी दिन लगे थे। सोशल मीडिया पर फैन द्वारा दिए गए इस वीडियो साझा करते हुए अभिनेता ने लिखा, 'मैं इस वक्त बहुत विनम्र महसूस कर रहा हूं... सबसे बड़ी रंगोली का विश्व रिकॉर्ड। 87000 वर्ग फुट। 7 टन रंगोली कलर्स।'

भाई शादी कब है? मिशन मजनू की सक्सेस पार्टी में सवाल सुन शरमा गए सिद्धार्थ

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के फैंस को काफी समय से दोनों की शादी का बेसब्री से इंतजार है। दोनों की शादी की खबरें भी काफी वक्त से सामने आ रही हैं। खबरों की मानें तो कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा इस साल शादी कर सकते हैं। हाल ही में अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह

पैपराजी के आगे पोज देते हुए नजर आए।

दुनियाभर में कायम है 'पठान' का जलवा

तीन दिन में किया 313 करोड़ का बिजनेस

शाहरुख खान की 'पठान' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा जारी है. फिल्म रिलीज के अपने तीन दिन में ही 300 करोड़ के आंकड़े के पार पहुंच गई है. फिल्म ने कमाई के नए रिकॉर्ड कायम किए हैं. करीब 4 साल बाद बड़े पर्दे पर शाहरुख की वापसी ने फैंस के एक्साइटमेंट को एक अलग ही लेवल पर पहुंचा दिया है. उस पर किंग खान का ये नया अवतार फैंस को खूब पसंद आ रहा है. फिल्म का केवल देश में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में खुली बाहों से स्वागत किया जा रहा है और दर्शक बड़ी संख्या में सिनेमाहॉल का रुख कर रहे हैं. शाहरुख खान की चार साल बाद सिनेमाघरों में वापसी फैंस के लिए किसी जश्न से कम नहीं है. फिल्म ने वर्ल्डवाइड तीन दिनों में 313 करोड़ रुपये कमा लिए है.

पठान बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

25 जनवरी को नॉन हॉलिडे के दिन रिलीज होने के बाद से ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. तीन दिन में पठान दुनिया भर में 300 करोड़ के आंकड़े को पार करके 313 करोड़ रुपये के आंकड़े पर पहुंच गई है. ऐसा करने वाली ये सबसे तेज हिंदी फिल्म बनी है. इसकी जानकारी तरण आदर्श ने एक ट्वीट करते हुए सभी को दी है.

वहीं, इससे पहले भारत में फिल्म में तीसरे दिन 34 से 36 करोड़ रुपये की कमाई का अनुमान लगाया है. रमेश बाला के ट्वीट में लिखा था, पठान दिवस 3 अखिल भारतीय प्रारंभिक अनुमान 34 से 36 करोड़ नेट (एसआईसी) है. इससे कुल घरेलू बॉक्स ऑफिस संग्रह

157 करोड़ रुपये हो जाता है. यह जश्न मनाने का एक कारण है क्योंकि पठान ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है.

पठान के बारे में

पठान में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम पहली बार साथ आए हैं. फिल्म सिद्धार्थ आनंद द्वारा लिखित और निर्देशित है और यशराज फिल्म्स द्वारा बैंकरोल की गई है. यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की ये चौथी फिल्म है. जीरो (2018) के बाद खान की कमबैक फिल्म भी है. फिल्म 25 जनवरी, 2023 को तमिल और तेलुगु में डब किए गए संस्करणों के साथ रिलीज़ हुई. फिल्म में शाहरुख खान 'पठान' नाम के एक रॉ फील्ड एजेंट के रूप में नजर आ रहे हैं. पठान का संगीत विशाल-शेखर द्वारा रचित है और स्कोर संचित बलहारा और अंकित बल्हारा द्वारा रचित है.

सोनम के 'आंटी' बुलाने पर भड़क गई थीं ऐश्वर्या

'कान फिल्म फेस्टिवल' में अनिल कपूर की बेटी के साथ किया था ऐसा बर्ताव

बॉलीवुड में अभिनेत्रियों के बीच कोल्ड वॉर होना आम बात है. आए दिन यहां अभिनेत्रियों के बीच कैट फाइट देखने को मिलती है. दो अभिनेत्रियों के बीच कोल्ड वॉर का किस्सा आज के इस पोस्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं. दरअसल, ऐश्वर्या कई सालों से एक ब्यूटी ब्रांड के लिए काम कर रही थीं, लेकिन साल 2009 में सोनम कपूर को इस ब्रांड का एंबेसडर घोषित किया गया था. जैसे ही ऐश्वर्या को इस बात की खबर हुई उन्होंने अपना असंतोष व्यक्त किया.

सोनम का विवादित बयान

जब मीडिया ने सोनम से ऐश्वर्या राय बच्चन को ब्रांड एंबेसडर के पद से हटाने के निर्णय के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, ऐश्वर्या दूसरी पीढ़ी की आंटी हैं. अपने इस बयान में उन्होंने साफ तौर पर ऐश्वर्या को आंटी कहकर बुलाया था. सोनम के इस बयान को लेकर खूब हंगामा मचा था. हालांकि बाद में सोनम ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा था, ऐश्वर्या ने मेरे पापा के साथ कई फिल्मों में काम किया है, इसलिए मैंने उन्हें आंटी कहा. कुछ समय बाद सोनम कपूर ने तो इस तरह की खबरों को ही झूठला दिया. उनके मुताबिक वे ऐश्वर्या को कभी आंटी नहीं कह सकतीं. उन्होंने इन खबरों को केवल गॉसिप बताया था.

ऐश्वर्या का इनकार

वहीं, साल 2011 में ऐश्वर्या को कान फिल्म फेस्टिवल में सोनम के साथ रैंप पर चलने को कहा गया था, जिसके लिए अभिनेत्री ने साफ मना कर दिया था. ऐश्वर्या ने कहा था कि अगर उन्हें सोनम के साथ स्टेज शेयर करने को कहा गया तो वे रैंप वॉक नहीं करेंगी. हालांकि अब इस बात को काफी समय हो चला है और दोनों ही अभिनेत्रियां इस बात को भूल चुकी हैं. अब दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग है. 2018 में सोनम कपूर की शादी में ऐश्वर्या राय शामिल भी हुई थीं.

जाह्नवी कपूर ने पहनी साड़ी और फ्लॉन्ट किया नोज रिंग, देसी लुक पर फिदा हुए रूमर्ड ब्वॉय

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर अक्सर अपने हुस्न का जलवा बिखेरती रहती हैं. अब उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है, जिस पर फैंस फिदा हो गए हैं. यहां तक कि रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया ने भी जाह्नवी कपूर की तस्वीरों पर कमेंट किया है, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है.

जाह्नवी की फोटोज पर शिखर ने किया रिएक्ट

जाह्नवी कपूर ने इंस्टा हैंडल पर अपनी लेटेस्ट फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वह ब्राउन कलर की साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं. उन्होंने एक बड़ी सी नोज रिंग पहनी है, जिसमें उनका देसी लुक बेहद खास लग रहा है. जाह्नवी कपूर ने कैमरे के सामने अलग-अलग पोज में फोटोज क्लिक करवाई हैं, जिस पर फैंस खूब प्लार लुटा रहे हैं. वहीं, एक्ट्रेस के रूमर्ड ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया ने कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी बनाई है.

एक-दूसरे को डेट कर रहे शिखर और जाह्नवी

मालूम हो कि जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. हाल ही में दोनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की सगाई सेरेमनी में स्पॉट हुए थे. इसके अलावा जाह्नवी और शिखर को अक्सर किसी ना किसी पार्टी या फिर इवेंट में साथ देखा जाता है. ये भी चर्चा है कि दोनों मालदीव वेकेशन पर साथ में गए थे, जहां उन्होंने एक-दूसरे के साथ स्पेशल टाइम स्पेंड किया. हालांकि, दोनों ने अभी

तक अपने रिश्ते पर पब्लिकली मुहर नहीं लगाई है.

जाह्नवी कपूर की फिल्में

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर पिछली बार फिल्म मिली में नजर आए थीं, जिसमें उन्होंने एक बिहारी लड़की का रोल प्ले किया था. इन दिनों जाह्नवी कपूर के पास एक से एक फिल्में हैं, जो साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज होंगी. 'बवाल' में जाह्नवी कपूर, वरुण धवन के साथ दिखेंगी. ये मूवी 7 अप्रैल को सिनेमाघरो में दस्तक देगी. वहीं, 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में राजकुमार राव के साथ जाह्नवी कपूर की केमिस्ट्री नजर आएगी. इस मूवी में एक्ट्रेस क्रिकेटर का रोल प्ले कर रही हैं.

उर्फी जावेद ने शाहरुख खान को शादी के लिए किया प्रपोज

कैमरे के सामने कहा- मुझे अपनी दूसरी बीवी बना लो

शाहरुख खान की फिल्म पठान का बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचा रही है. ये फिल्म कमाई के मामले हर दिन एक नया रिकॉर्ड बना रही है. इस बीच बिग बॉस ओटीटी फेम और सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद का प्यार शाहरुख खान के लिए छलक पड़ा है. उन्होंने कैमरे के सामने खुलेआम कहा है कि वह शाहरुख की दूसरी बीवी बनना चाहती हैं.

शाहरुख की दूसरी बीवी बनना चाहती हैं उर्फी

उर्फी जावेद हाल ही में मुंबई एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट हुईं. इस दौरान पैपराजी ने उनसे 'पठान' को लेकर सवाल किया है और साथ ही पूछा कि फिल्म को बॉयकॉट करने वाले गैंग को क्या कहना चाहेंगे आप? इस सवाल का जवाब देते हुए उर्फी ने कहा, 'मुझे बैन कर दो, लेकिन शाहरुख खान की फिल्म देख लो'. इसके बाद पूछा गया कि वह शाहरुख खान के लिए क्या कहना चाहेंगी तो उन्होंने जवाब में कहा, 'शाहरुख खान मैं आपसे प्यार करती हूं. प्लीज मुझे अपनी दूसरी बीवी बना लो'.

उर्वशी रौतेला का ग्लैमरस लुक

व्हाइट ड्रेस में लगीं खूबसूरत, कैमरे के सामने दिए एक से बढ़कर एक पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। उर्वशी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन फैंस के साथ अपने वीडियो और फोटो शेयर करती है। इस बीच एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह ग्लैमरस अवतार में नजर आईं। इस वीडियो में उर्वशी व्हाइट ड्रेस में स्विमिंग पूल के सामने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स उर्वशी के इस लुक की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं।

इस फिल्म में दिखाई देंगी उर्वशी

उर्वशी ने साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'वाल्टेयर वीरय्या' में एक आइटम सॉन्ग बॉस पार्टी से धमाल मचा दिया है। उर्वशी ने एक आइटम नंबर करने के करोड़ों रुपए फीस चार्ज की है। उन्होंने तीन मिनट के गाने में डांस करने के लिए 2 करोड़ रुपए की भारी भरकम फीस ली। इस फिल्म ने सिर्फ दस दिनों के अंदर ही वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी जल्द ही फिल्म 'दिल है ग्रे' में दिखाई देंगी।

साउथ में रंग जमाने को तैयार नवाजुद्दीन सिद्दीकी, वेंकटेश के साथ की 'सैंधव' फिल्म की घोषणा

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेताओं में से एक हैं। वह अपनी दमदार अदाकारी के दम पर दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। देश और दुनिया में अपने अभिनय का सिक्का जमाने के बाद अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी साउथ इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने आज शनिवार को सुपरस्टार वेंकटेश के साथ अपनी तेलुगू डेब्यू फिल्म 'सैंधव' की घोषणा की। ट्विटर पर नवाजुद्दीन ने कई तस्वीरें साझा कीं और

अपने फैंस को इस खबर की जानकारी दी। शैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राणा दग्गुबाती और नागा चैतन्य भी नजर आएंगे।

'पठान' के बहाने कंगना का बॉलीवुड पर निशाना

धमकाते हुए बोलीं राजनीति से दूर रहो नहीं तो...

कंगना रणौत ट्विटर पर तकरीबन डेढ़ साल बाद वापसी करने के बाद इन दिनों फुल स्विंग में नजर आ रही हैं। एक बार फिर ट्विटर पर अभिनेत्री का वही पुराना अंदाज दिखाई पड़ रहा है। कंगना के निशाने पर इस समय बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की कमबैक फिल्म पठान और इसके फैंस हैं। क्वीन को लेकर लगातार ट्वीट्स कर रही हैं, जो किंग खान के फैंस को बिलकुल भी रास नहीं आ रहा है। लेकिन कंगना फैंस के कमेंट्स से डरने वालों में से बिलकुल नहीं हैं। ऐसे में एक बार फिर आज सुबह-सुबह पठान पर निशाना साधते हुए हिंदूवाद का नारा लगा दिया है। इसके साथ ही बॉलीवुड को एक बार फिर धमकी भी दे दी है। बीते बुधवार, 25 जनवरी को रिलीज हुई शाहरुख खान की 'पठान' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रखा है। फिल्म महज तीन दिन में कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। जहां फैंस के साथ-साथ पूरी फिल्म इंडस्ट्री 'पठान' की इस गूंज से खुशी से झूम उठी है, वहीं एक ऐसी शख्सियत भी हैं जो फिल्म के बहाने बॉलीवुड पर निशाना साध रही हैं। वह और कोई नहीं बल्कि कंगना रणौत हैं। अभिनेत्री को न तो 'पठान' की सफलता रास आ रही है और न ही फिल्म के फैंस की खुशी। ऐसे में एक बार फिर अभिनेत्री ने ट्विटर के जरिए बायकॉट के बाद भी 'पठान' के बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले फैंस को फटकार लगाते हुए 'राजनीति' से दूर रहने की सलाह दी है। कंगना के इस ट्वीट को सलाह के साथ-साथ धमकी भी कहा जा सकता है।

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने 'बाबूजी जरा धीरे चलना'

पर बनाया बोल्ड रील वीडियो, फैंस ने कहा- खूबसूरत

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक रील वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्हें बाबूजी धीरे चलना गाने पर ट्रांसफॉरमेशनल वीडियो बनाते हुए देखा जा सकता है। मोनालिसा का वीडियो इंस्टाग्राम पर काफी पसंद किया जा रहा है। इसे 1 घंटे में 10 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। वहीं, इस पर 200 कमेंट किए गए हैं।

मोनालिसा को बोल्ड पोज देते हुए देखा जा सकता है

वीडियो की शुरुआत में मोनालिसा को खिड़की के पास खड़े होकर बोल्ड पोज देते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने जींस और फुल टी शर्ट पहन रखी है। वहीं, उनके बाल खुले हुए हैं और वह कैमरे की ओर देख रही हैं। वह हाथ से कैमरे की ओर इशारा करती हैं और फिर मेकअप में नजर आती हैं। उन्होंने खूबसूरत ड्रेस पहन रखी है। उन्होंने मेकअप कर रखा है और वह पोज देती नजर आ रही है। इसमें वह फैंस के साथ बातचीत भी कर रही हैं।

30-31 जनवरी को होने वाली बैंकों की हड़ताल टली

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने मुंबई में हुई सुलह बैठक में बनी सहमति के बाद 30-31 जनवरी को होने वाली दो दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल स्थगित कर दी है। इससे पहले कई बैंक यूनियंस ने 30-31 जनवरी को हड़ताल की घोषणा की थी। इस हड़ताल के कारण लगातार 4 दिन यानी 28 से 31 जनवरी तक बैंक बंद रहने वाले थे। 30 और 31 जनवरी को बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जाने वाले थे। वहीं 28 जनवरी को महीने का चौथा शनिवार और 29 जनवरी को रविवार होने की वजह से बैंक बंद हैं। एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने बताया था कि बैंक कर्मचारियों की 5 मांगें हैं। पहली बैंकिंग वर्किंग कल्चर में सुधार, बैंकिंग पेंशन को अपडेट किया जाए, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को खत्म किया जाए, वेतन को रिवाइज किया जाए और सभी काडर में भर्तियां की जाए। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के महासचिव सीएच वेंकटचलम के अनुसार, भारतीय बैंक संघ 31 जनवरी को यूनियनों के साथ बैठक करने के लिए सहमत हो गया। शुक्रवार को हुई सुलह बैठक में निर्णय लिया गया कि तीन सामान्य मुद्दों पांच दिवसीय बैंकिंग, पेंशन का अपडेशन और पुरानी पेंशन योजना की बहाली पर 31 जनवरी को चर्चा की जाएगी। सरकार इस बार के बजट 2023-24 में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव कर सकती है। दो सरकारी सूत्रों के हवाले से रॉयटर्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। हालांकि वित्त मंत्रालय ने इस मामले में रॉयटर्स के किए गए ईमेल का जवाब नहीं दिया।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा

महंगाई वृद्धि दर व मुद्रा संकट का बुरा दौर पीछे छूटा

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है। महंगाई, आर्थिक वृद्धि और मुद्रा में उतार-चढ़ाव के ताजा आंकड़े बताते हैं कि वित्त बाजारों व वैश्विक अर्थव्यवस्था का सबसे बुरा दौर पीछे छूट चुका है। दास ने कहा कि वैश्विक जीडीपी में इस साल उल्लेखनीय रूप से गिरावट की आशंका है। हालांकि, उच्च ब्याज दरें लंबे समय तक बनी रह सकती हैं। एक कार्यक्रम में गवर्नर ने कहा, कोविड प्रतिबंधों में राहत और विभिन्न देशों में महंगाई कुछ कम होने के साथ केंद्रीय बैंकों ने दर में कम वृद्धि या ठहराव के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। वृद्धि के मोर्चे पर कहा कि कुछ महीने पहले गंभीर मंदी की आशंका थी, लेकिन अब लग रहा है कि सामान्य मंदी रहेगी।

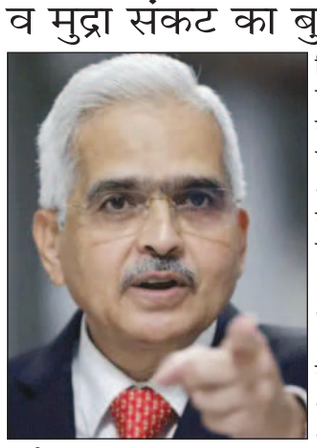

बजट में सिगरेट तस्करी पर लगे लगाम, हर साल 13,000 करोड़ रुपये की चपत

किसान संगठन फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशन ने सरकार से सिगरेट की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए जरूरी कदम उठाने का अनुरोध किया है। संगठन का कहना है कि सिगरेट की तस्करी से सरकारी खजाने को सालाना 13,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बजट पूर्व प्रस्तुति में सिगरेट की तस्करी के बढ़ते खतरे के बारे में कहा, इससे कई परेशानिया हो रही हैं। अपराध के बढ़ने से लेकर सरकार को करों का भारी नुकसान हो रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.72 अरब डॉलर बढ़ा

विदेशी मुद्रा भंडार 20 जनवरी को समाप्त तिमाही में 1.72 अरब डॉलर बढ़कर 573.72 अरब डॉलर पहुंच गया। आरबीआई ने शुक्रवार को बताया, यह लगातार दूसरा सप्ताह है, जब इसमें बढ़त आई है। विदेशी मुद्रा संपत्ति में 83.9 करोड़ डॉलर और सोने के भंडार में 82.1 करोड़ डॉलर की बढ़त आई। टाटा मोटर्स ने कहा है कि वह एक फरवरी से अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करेगी। इनकी कीमतें 1.2% तक बढ़ेंगी। यह नेक्सन, पंच, सफारी, हैरियर जैसे वाहनों की बिक्री करती है।

बजट-2023 से उम्मीदें: केप्री ग्लोबल कैपिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर बोले- मुद्रा स्कीम के तहत लोन लिमिट 10 लाख से ज्यादा हो

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। केप्री ग्लोबल कैपिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश शर्मा के मुताबिक, एमएसएमई सेक्टर की लोन डिमांड बढ़ रही है। इसे पूरा करने के लिए वित्त मंत्री मददगार नीतियों की घोषणा कर सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिला उद्यमी बेहद कम संसाधन पर एमएसएमई (छोटे-मोटे उद्योग) चलाती हैं। इस लिहाज से प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे टारगेटेड फाइनेंस प्लान यदि महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई के लिए घोषित किया जाए उन्हें काफी मदद मिलेगी। इसके तहत 10 लाख रु. या इससे ज्यादा के लोन उपलब्ध कराए जा सकते हैं। मुद्रा (माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी) स्कीम के तहत लोन की सीमा 10 लाख रु. है। बजट में इसे बढ़ाया जाना चाहिए। ऐसा करने से एमएसएमई सेक्टर की लोन डिमांड पूरा करने में मदद मिलेगी। बजट में सरकार एनबीएफसी के अंडरराइटिंग मानदंड को लेकर दिशानिर्देश भी जारी कर सकती हैं। सुरक्षित और असुरक्षित लोन के लिए वर्गीकरण, लोन जारी करने की समयसीमा, दस्तावेजों की जरूरत व लोन की रकम के स्पष्ट दिशानिर्देश होना चाहिए। इससे माइक्रो लेवल के उद्यमियों के लिए 10 से 50 लाख तक की फंडिंग आसान हो जाएगी। बजट में सरकार गोल्ड लोन भी सुलभ बना सकती है। गोल्ड लोन केंद्रित एनबीएफसी 1 लाख रु. तक के कर्ज मुहैया कराते हैं। उम्मीद करते हैं कि बजट में सरकार गोल्ड लोन को प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग का दर्जा देगी। ऐसा करने से बैंकों के लिए एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों) को रियायती दरों पर कर्ज देने की राह निकलेगी। इससे ग्राहकों को कम दरों पर लोन मिल सकेगा।सरकार को पीएमएवाई क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी स्कीम के तहत बढ़ी हुई फंडिंग के जरिए अफोर्डेबल हाउसिंग को बढ़ावा देना जारी रखना चाहिए।

अमेरिकी उद्योग जगत को भारत के बजट से क्या चाहिए? वित्त मंत्री सीतारमण के सामने रखी ये मांग

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी उद्योग जगत ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भारत में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों को तर्कसंगत और सरल बनाने का आग्रह किया है। इसका मानना है कि इस कदम से वैश्विक निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मिलेगा।प्रत्यक्ष कर आयकर, पूंजीगत लाभ कर या प्रतिभूति लेनदेन कर के रूप में होते हैं, जबकि जीएसटी, सीमा शुल्क या वैट जैसे अप्रत्यक्ष कर किसी भी वस्तु या सेवाओं को खरीदने के लिए सभी अंतिम उपभोक्ताओं पर लगाए जाते हैं। अमेरिका-भारत रणनीतिक और भागीदारी मंच ने एक फरवरी को पेश होने वाले सालाना बजट से पहले वित्त मंत्रालय को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा, 'विदेशी कंपनियों के लिए कॉरपोरेट कर की दरों को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि समानता लाने के लिए बैंकों सहित विदेशी कंपनियों के लिए दर कम की जानी चाहिए और नई विनिर्माण कंपनियों के लिए कर को तर्कसंगत बनाने की मांग की गई है। यूएसआईएसपीएफ ने भारत से पूंजीगत लाभ कर सुधारों को सरल बनाने का आग्रह करते हुए होल्डिंग अवधि और विभिन्न साधनों की दरों में सामंजस्य स्थापित करने की भी मांग की। इसमें कहा गया है, "वैश्विक कर सौदे के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराएं।" केंद्रीय वित्त मंत्री से प्रतिभूति में निवेश से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) के लिए रियायती कर व्यवस्था का विस्तार करने का आग्रह भी किया गया है।

भारतीयों के लिए 2023 में 'रिकॉर्ड' संख्या में वीजा जारी करेगा अमेरिका

देरी पर बोले महावाणिज्य दूत

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में अमेरिकी दूतावास और इसके वाणिज्य दूतावासों ने वर्ष 2023 में भारतीयों के लिए रिकॉर्ड संख्या में वीजा जारी करने की योजना बनाई है। मुंबई के 'महावाणिज्य दूत' जॉन बलार्ड ने वीजा की करीब-करीब हर श्रेणी में बड़ी संख्या में आवेदन लंबित होने के मुद्दे पर यह बात कही है।

फिलहाल, वर्किंग वीजा के लिए आवेदन करने वाले भारतीयों की प्रतीक्षा अवधि 60 से 280 दिनों के बीच की है, जबकि यात्री वीजा के लिए यह अवधि करीब एक से डेढ़ साल है। विदेश मंत्रालय ने कई मौकों पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ वीजा संबंधित मामलों में देरी का मुद्दा उठाया है और साथ ही सभी श्रेणियों में भारतीय यात्रियों के लिए वीजा जारी करने को आसान करने से संबंधित मुद्दे भी उठाए गए हैं। बलार्ड ने बताया कि दूतावास ने पिछले साल 1,25,000 से अधिक छात्र वीज़ा का निपटान किया था, जो भारतीयों के लिए एक रिकॉर्ड संख्या है तथा उम्मीद है कि इस साल और भी अधिक भारतीय छात्र वीजा के लिए आवेदन करेंगे। अमेरिकी अधिकारी ने मीडिया को यह भी बताया कि दूतावास वीज़ा संसाधित करने को लेकर महामारी के पहले वाले स्तर पर तकरीबन पहुंच गया है और उम्मीद है कि इस साल इस स्तर को पार कर लेगा। बलार्ड ने कहा कि बीते साल आठ लाख से ज्यादा वीज़ा आवेदनों का निपटारा किया गया था। उन्होंने कहा कि दूतावास सिर्फ एक श्रेणी में लंबित आवेदनों की संख्या को कम करना चाहता है और यह श्रेणी पहली बार बी1 और बी2 पर्यटन व कारोबारी वीजा के लिए आवेदन करने वालों की है। उन्होंने कहा, "हमने पूरे भारत में हाल में बी1/बी2 वीज़ा के ढाई लाख आवेदकों को समय दिया है और हमारे पास दर्जनों अधिकारी हैं जो दुनिया भर में स्थित हमारे दूतावासों और वाशिंगटन से आए हैं। वे खासकर पहली बार बी1/बी2 श्रेणी में आवेदन करने वाले आवेदकों के साक्षात्कार में हमारी मदद करेंगे।" उन्होंने कहा कि वीज़ा का नवीनीकरण कराने के लिए आवेदक ई-मेल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं और दूतावास ने पहली बार आवेदन करने वाले आवदेकों के साक्षात्कार के लिए विशेष व्यवस्था की है।

सोने में निवेश का सुनहरा मौका! रिकॉर्ड हाई से टूटा गोल्ड

एक्सपर्ट्स बोले- तगड़े रिटर्न के लिए इस भाव पर खरीदें

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सोने की बढ़ती कीमतों के कारण खरीदी और निवेश करने से हिचकिचा रहे लोगों को एक बार फिर से इन्वेस्टमेंट का बेहतर मौका मिला है। क्योंकि गोल्ड प्राइस रिकॉर्ड हाई स्तर छूने के बाद टूट गया है। ब्याज दर में बढ़ोतरी को लेकर यूएस फेड के नरम रुख के कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमत पिछले सप्ताह 57,150 प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर चली गई थी। हालांकि मुनाफावसूली के दबाव से शुक्रवार को सोना 56,875 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 9 महीने के उच्चतम स्तर 1,927 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। कमोडिटी बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बने रहने व कुछ और सुधार देखने की उम्मीद है क्योंकि निवेशक 2023 की पहली यूएस फेड बैठक और भारत के केंद्रीय बजट पर नजर बनाए हुए हैं। लंबी अवधि के लिए सोने में निवेश करने वाले लोगों को जानकारों ने हर गिरावट पर खरीदी की सलाह दी है। मिंट की खबर के अनुसार, कमोडिटी एक्सपर्ट्स सुगंधा सचदेवा ने कहा, "गोल्ड प्राइस में अच्छा करेक्शन होने के बाद खरीदी में फिर से तेजी देखने को मिलेगी। आम बजट 2023 और यूएस फेड मीटिंग के चलते अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में सोने की कीमतों पर असर पड़ने की उम्मीद है। भारतीय बाजार में गोल्ड का भाव 57,200 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रेजिस्टेंस का सामना कर रहा है। वहीं, एमसीएक्स पर गोल्ड का सपोर्ट 56,200 पर है।

भारत को शक्तिशाली बनाने के लिए डिफेंस सेक्टर को बढ़ावा देना जरूरी, बजट से हैं उम्मीदें

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत को शक्तिशाली बनाने के लिए जरूरी है कि देश हथियारों के मामले में आत्मनिर्भर हो। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार रक्षा निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए पहल कर रही है। इसका असर भी दिख रहा है और भारत हथियारों का बड़ा निर्माता बनने के साथ ही प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में बढ़ रहा है। भारतीय रक्षा निर्माण उद्योग को उम्मीद है कि केंद्रीय बजट 2023-24 उत्पादन बढ़ाने में मदद करेगा। केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में हथियारों के आयात को कम किया है। सरकार ने भारत में हथियारों के निर्माण को प्रोत्साहित किया है। इससे भारत का हथियार निर्यात तेजी से बढ़ा है।

2019-20 में हथियारों के आयात पर सशस्त्र बलों का पूंजीगत व्यय 41.89% था। 2020-21 में यह घटकर 36% हो गया।वित्त वर्ष 2022-23 में मुद्रास्फीति 6.9 फीसदी रहने की संभावना है। स्वदेशी और भारत में बनने वाले हथियारों की खरीद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके चलते विदेशी कंपनियां ट्रांसफर और टेक्नोलॉजी के तहत भारत में हथियारों के निर्माण के लिए सौदे कर रही है।

सब्जियों के प्रोडक्शन हब के रूप में विकसित हो रहा झारखंड

देश-विदेश पहुंच रहीं 18 लाख टन सब्जियां

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड सब्जियों के बड़े प्रोडक्शन हब के रूप में विकसित हो रहा है। यहां उपजाई जा रही फूलगोभी, शिमला मिर्च, फ्रेंचबीन, टमाटर, गाजर, गाजर, भिंडी सहित कई तरह की सब्जियां देश-विदेश तक पहुंच रही हैं।कृषि विभाग के मुताबिक झारखंड से हर साल लगभग 18 लाख टन सब्जियां बाहर भेजी जा रही हैं। सरकार का लक्ष्य अगले दस वर्षों में राज्य में सब्जियों का कुल उत्पादन 100 लाख टन तक पहुंचाने का है। राज्य के रांची, बोकारो और रामगढ़ जिले के किसानों द्वारा उपजाई जा रही सब्जियों की खेप दुबई, सिंगापुर और अरब देशों में नियमित तौर पर भेजी जा रही है। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, मदर डेयरी और कुछ अन्य संस्थाएं राज्य के कृषि उत्पादों को देश-विदेश का बाजार उपलब्ध कराने में मदद कर रही हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में बने फॉर्मर्स प्रोड्यूसर्स ऑर्गनाइजेशंस (एफपीओ) भारत सरकार के ई-नाम पोर्टल के जरिए घर बैठे कृषि उत्पादों के कारोबार में रिकॉर्ड कायम कर रहे हैं। मसलन, बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के जमहार और चंडीपुर समेत अन्य गांवों मे उपजाई जा रही गोभी रांची स्थित मेदर डेयरी की इकाई के सहयोग से सऊदी अरब के बाजारों में भेजी जा रही है। सब्जियां विदेश भेजे जाने के कारण किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह रांची जिले के प्रखंडों में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के 'जायका' प्रोजेक्ट के तहत महिला स्वयंसहायता समूहों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन समूहों को कूलिंग चैंबर की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे किसानों को फल-सब्जी को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद मिल रही है। यहां से भी सब्जियां विदेशों तक भेजी जा रही हैं।

सरकार ने उठाया कदम जिससे घटेगी गेहूं की कीमतें, आ गए रेट सामने-मिलेगा सस्ता आटा

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह आगामी एक फरवरी से 2,350 रुपये प्रति क्विंटल के आरक्षित मूल्य और ढुलाई लागत के साथ साप्ताहिक ई-नीलामी शुरू करेगा। इसके तहत एफसीआई थोक उपभोक्ताओं को 25 लाख टन गेहूं बेचने की योजना बना रहा है। सरकार ने बुधवार को गेहूं और गेहूं के आटे की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए खुली बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत अपने बफर स्टॉक से 30 लाख टन गेहूं खुले बाजार में बेचने की योजना की घोषणा की थी। इस गेहूं से बने आटे को 29।50-30 रुपये प्रति किलो से ज्यादा की दर पर नहीं बेचा जाएगा। आटे की मौजूदा कीमतें 36-38 रुपये प्रति किलो के रेट पर हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो आटा 6 रुपये से 8 रुपये तक सस्ता हो सकता है।एफसीआई इस 30 लाख टन में से ई-नीलामी के माध्यम से आटा चक्की जैसे थोक उपभोक्ताओं को 25 लाख टन गेहूं बेचेगा। वहीं दो लाख टन राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों को और 3 लाख टन अन्य संस्थानों और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों को गेहूं को आटे में बदलने के लिए रियायती दर पर दिया जायेगा। इसे 29.50 रुपये प्रति किलो की अधिक दर पर बेचने की अनुमति नहीं होगी। एफसीआई के चेयरमैन अशोक के मीणा ने कहा, टेंडर आज पूरे होंगे और ई-नीलामी बुधवार को होगी। नीलामी साप्ताहिक आधार पर प्रत्येक बुधवार को होगी। उन्होंने कहा कि पहली नीलामी एक फरवरी को होगी जो 15 मार्च तक चलेगी। गेहूं की पेशकश 2,350 रुपये प्रति क्विंटल के आरक्षित मूल्य और भाड़ा शुल्क के साथ की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक खरीदार अधिकतम 3,000 टन और न्यूनतम 10 टन तक की मात्रा के लिए बोली लगा सकता है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि छोटे व्यापारी और छोटे आटा मिल मालिक इस अवसर का लाभ उठाएंगे।एफसीआई के चेयरमैन ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालयों को न केवल गेहूं की ई-नीलामी के लिए टेंडर जारी करने का निर्देश दिया गया है, बल्कि स्थानीय आटा मिलों, व्यापारियों और गेहूं उत्पाद बनाने वालों को भी एफसीआई के मंच पर खुद को पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा गया है ताकि वे ई-नीलामी में भाग ले सकें। एफसीआई प्रमुख के मुताबिक पूरे देश में गेहूं का स्टॉक उपलब्ध है और सभी राज्य स्टॉक उपलब्ध करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और पंजाब में लगभग 5 लाख टन, महाराष्ट्र में 4 लाख टन, राजस्थान में 2.5 लाख टन, बिहार में 1.55 लाख टन, पश्चिम बंगाल में 1.25 लाख टन और हरियाणा में एक लाख टन गेहूं की पेशकश की जाएगी। मीणा ने यह भी कहा कि गेहूं के लिए निर्धारित आरक्षित मूल्य अधिग्रहण लागत के बराबर है और 2,654 रुपये प्रति क्विंटल की आर्थिक लागत से कम है।

रिसाइकिल तांबे व पीवीसी के जरिये हो रही जीएसटी चोरी

तत्काल सरकार को ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इलेक्ट्रिकल केबल उद्योग में असंगठित कंपनियां रिसाइकिल तांबे और पॉलीविनील क्लोराइड (पीवीसी) का उपयोग कर लंबे समय से जीएसटी की चोरी कर रही हैं।

स्थानीय बाजारों में ऐसी कंपनियां खराब गुणवत्ता वाला उत्पाद कम भाव पर बेच कर अच्छी कमाई कर रही हैं। इससे सरकार को घाटा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि देशभर में व्यावसायिक व आवासीय भवनों में बिजली की आग का सबसे अधिक कारण यही है।

असंगठित क्षेत्र इसके लिए जिम्मेदार हैं। इस उद्योग में असंगठित कंपनियों का हिस्सा 35% है। इस पर तत्काल सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। बिल्डिंग वायर का बाजार लगभग 20,000 करोड़ का है, लेकिन उनमें से ज्यादातर पीवीसी या एफआरएलएस इंसुलेटेड तार बेचते हैं जो एक बढ़िया विकल्प नहीं है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	05-55 बजे
चंद्र-	मेष	में	कुंभ -	07-45 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	09-24 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	10-59 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-44 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-46 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-57 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	19-09 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-16 बजे
			तुला	23-21 बजे
			वृश्चिक.	01-32 बजे
			धनु.....	03-49 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पश्चिम • पान खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी- **09 -05** तक उपरान्त नवमी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , रविवार **Jan 29**
नक्षत्र -भरणी - **20 -20** तक उपरान्त कृत्तिका
योग - शुभ - **11 - 04** - तक उप शुक्ल
करण- बव - **09 - 05** - तक उप- बालव
विशेष:- व्रत -त्योहार - सोमवार को पूर्ण रवि योग

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
16:44 से
18:09 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:52 - 08:15 अशुभ	शुभ.	18:05 - 19:44 शुभ
चंचल	08:15 - 09:40 शुभ	अमृत.	19:44 - 21:19 शुभ
लाभ	09:40 - 11:04 शुभ	चंचल.	21:19 - 22:54 शुभ
अमृत	11:04 - 12:29 शुभ	रोग.	22:54 - 00:29 अशुभ
काल.	12:29 - 13:54 अशुभ	काल.	00:29 - 02:04 अशुभ
शुभ.	13:54 - 15:19 शुभ	लाभ.	02:04 - 03:40 शुभ
रोग.	15:19 - 16:44 अशुभ	उत्पात	03:40 - 05:15 अशुभ
उत्पात	16:44 - 18:05 अशुभ	शुभ	05:15 - 06:52 शुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

खुशियों से भरा शुभ दिन। पैसों का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से निजात दिला सकता है। नई चीजों पर ध्यान दें और अपने सबसे अच्छे दोस्तों से मदद लें। निजी मामले नियंत्रण में रहेंगे। अपने पेशेवर ब्लॉकों को हल करने के लिए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करें। आपका छोटा सा प्रयास इस समस्या का हमेशा के लिए समाधान कर सकता है।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

किसी दोस्त का ठंडा रवैया आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन अपने आप को ठंडा रखने की कोशिश करें। यह आपको पीड़ा न दें बल्कि दुख से बचने का प्रयास करें। पैसे के संदिग्ध उपक्रमों में न फँसें-निवेश को अत्यधिक सावधानी से संभालना चाहिए। दोस्तों के साथ शाम का समय मौज-मस्ती के साथ-साथ छुट्टियों की योजना बनाने के लिए भी अच्छा रहेगा।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास व्यक्ति से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आज दूसरों के कहने पर निवेश करने से आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। आज अगर परिवार का कोई सदस्य आपको परेशान करता है- इससे पहले कि स्थिति हाथ से निकल जाए, सीमा तय कर लें।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कोई दोस्त आपके खुले विचारों और सहनशीलता की परीक्षा ले सकता है। आपको सावधान रहना चाहिए कि आप अपने मूल्यों का समर्पण न करें और हर निर्णय में तर्कसंगत रहें। धन लाभ आपकी उम्मीद के अनुरूप नहीं रहेगा। आपका ज्ञान और अच्छा हास-परिहास आपके आस-पास के लोगों को प्रभावित करेगा।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

किसी बेवजह की बहस में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। अपने आप को याद दिलाएं कि आप किसी तर्क से कभी कुछ हासिल नहीं करते हैं लेकिन कुछ खो देते हैं। लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करना चाहिए। दिन की शुरुआत करीबी रिश्तेदारों या दोस्तों से शुभ समाचार के साथ होगी। आज ही एक पौधा लगाएं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आज आप आशा के जादू के अधीन हैं। यदि आपकी रचनात्मक प्रतिभा का उचित उपयोग किया जाए तो यह अत्यधिक आकर्षक साबित होगी। जब आप किसी ग्रुप में हों तो ध्यान रखें कि आप क्या कहते हैं-आपकी आवेगपूर्ण टिप्पणियों के लिए आपकी कड़ी आलोचना हो सकती है।

तुला स री रु रे से ता तू ते

दिन शुभ है परन्तु शराब की आदत से छुटकारा पाने के लिए यह एक बहुत ही शुभ दिन है। आपको यह समझना चाहिए कि शराब पीना स्वास्थ्य का घातक दुश्मन है और यह आपकी कार्यक्षमता को भी कम करता है। धन का अचानक प्रवाह आपके बिलों और तत्काल खर्चों का ख्याल रखता है। परिवार के करीबी सदस्य आपको ईर्ष्या और चिढ़ महसूस कराएंगे।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

बच्चे आपकी पसंद के मुताबिक काम नहीं करेंगे- जिससे आप चिड़चिड़े हो जाएंगे। आपको खुद पर संयम रखना चाहिए क्योंकि अनियंत्रित क्रोध आमतौर पर सभी को प्रभावित करता है और क्रोधित व्यक्ति को सबसे अधिक नुकसान होता है क्योंकि यह ऊर्जा बर्बाद करता है

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आपके लिए तम्बाकू का सेवन बंद करने का सही समय है अन्यथा बाद में इस आदत से छुटकारा पाना आपके लिए बेहद मुश्किल होगा और इसका उपयोग न केवल आपके शरीर को स्टंट करता है बल्कि मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। आज निवेश से बचना चाहिए।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

कुछ शारीरिक परिवर्तन जो आप आज करते हैं निश्चित रूप से आपके रूप-रंग में निखार लाएंगे। आज आपको अपना पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि घर का कोई बड़ा आपके पैसों में आपकी मदद कर सकता है। जीवनसाथी के साथ बेहतर समझ घर में सुख-शांति और समृद्धि लाती है।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

किसी रचनात्मक काम में खुद को लगाएं। आपकी बेकार बैठने की आदत मानसिक शांति के लिए घातक साबित हो सकती है। अतीत में आपने अपने भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए जो पैसा लगाया था, आज उसका फल मिलेगा। दिन के उत्तरार्ध में आप आराम करना और अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

अब समय आ गया है कि आप यह जान लें कि मानसिक शत्रु शरीर की रोगप्रतिरोधक शक्ति को कम कर देते हैं इसलिए मन में कोई अवांछित विचार न आने दें। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य आज ख़राब हो सकता है, जिससे आपके ख़र्चे का बड़ा हिस्सा ख़र्च होगा। आपके मित्र उस समय आपको निराश कर सकते हैं जब आपको उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

खून-पानी एकसाथ नहीं बह सकते

(एक्सक्लूसिव डेस्क), 28 जनवरी। पहले से ही 'कंगाली' के कगार पर पहुंचे पाकिस्तान की टेंशन भारत ने बढ़ा दी है। जिस तरह से भारत जम्मू-कश्मीर में पनबिजली परियोजनाओं पर युद्ध स्तर से काम कर रहा है, पाकिस्तानियों में डर पैदा हो रहा है कि वे पानी के लिए मोहताज हो जाएंगे। उन्हें लग रहा है कि पाकिस्तान के लिए पानी का प्रवाह कम हो जाएगा। ऊपर से अब भारत ने एक नोटिस भेजा है।

सितंबर 2016 में उरी हमले के ठीक बाद पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि खून और पानी एकसाथ नहीं बह सकते। हमले के 11 दिन बाद पीएम ने सिंधु जल संधि की समीक्षा की बात कही थी। उनकी एक लाइन से पाकिस्तान में हड़कंप मच गया था। 'क्या पानी की बूंद के लिए तरसेगा पाकिस्तान' जैसे सवालों को उठाते हुए पाकिस्तानी मीडिया में डिबेट छिड़ गई थी। इस समय वहां के हालात काफी खराब है। लोगों के पास खाने के लिए रोटी नहीं है, सरकार का खजाना भी खाली हो रहा है। ऐसे वक्त में भारत के एक नोटिस ने पाकिस्तानियों में फिर से टेंशन पैदा कर दी है। तब पीएम मोदी ने कहा था कि ऐसे समझौते एकपक्षीय नहीं हो सकते। इसमें भरोसा और सहयोग जरूरी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि सिंधु जल बंटवारे के जरिए ही पाकिस्तान को सिंधु, झेलम, चिनाब का 80 फीसदी पानी मिलता है। अब भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि में संशोधन के लिए पाकिस्तान को नोटिस जारी किया है। भारत का कहना है कि समझौते को लागू करने में इस्लामाबाद आनाकानी कर रहा है और एकतरफा कदम उठा रहा है जो ठीक नहीं है।

दरअसल, पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर की किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं पर आपत्ति जता रहा है। उसने भारत के साथ चर्चा करने से ही मना कर दिया। विश्व बैंक ने भी हस्ताक्षर किए हैं और वह भारत और पाकिस्तान से आम सहमति के आधार पर समाधान निकालने के लिए कहता आ रहा है। पिछले साल अक्टूबर में विश्व बैंक ने मामले की पड़ताल के लिए एक एक्सपर्ट नियुक्त किया था। पाकिस्तान का दावा है कि हेग में आईडब्ल्यूटी प्रावधानों के तहत स्थापित कोर्ट में यह मामला चल रहा है। भारत चाहता है कि पिछले 62 साल से ज्यादा समय में मिले अनुभवों को शामिल करते हुए समझौते को अपडेट किया जाए।

भारत ने संधि के उल्लंघन को दुरुस्त के लिए पाकिस्तान को 90 दिन की समयसीमा दी है। वैसे, इस्लामाबाद ने 2015 में एक न्यूट्रल एक्सपर्ट नियुक्त करने का अनुरोध किया था, जो प्रोजेक्ट के डिजाइन की जांच कर सके। एक साल बाद वह मध्यस्थता अदालत के लिए विश्व बैंक के सामने पहुंच गया। इस तरह की एकतरफा कार्रवाई समझौते के प्रावधानों का उल्लंघन है क्योंकि एक्सपर्ट को लेकर भारत पहले ही अनुरोध कर चुका था। सरकारी सूत्रों का कहना है कि भारत के लिए दो प्रक्रियाएं और दोनों के संभावित नतीजों से बिल्कुल विरोधाभासी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं। विश्व बैंक भी जोर देकर कहता रहा है कि दो समानांतर प्रक्रियाएं नहीं चल सकती हैं और समस्या का समाधान भारत-पाकिस्तान को ही निकालना होगा। इधर, 2017 से 2022 तक सिंधु आयोग की पांच बैठकों में पाकिस्तान ने चर्चा करने से मना कर दिया।

मई 2018 में पीएम ने बांदीपोरा में 330एमडब्ल्यू किशनगंगा पावर स्टेशन का उद्घाटन किया था और किश्तवाड़ जिले में 1000 मेगावाट पाकल-दुल प्लांट की आधारशिला रखी थी। समीक्षा बैठक के बाद दो और पनबिजली परियोजनाओं पर काम तेज कर दिया गया। दोनों चिनाब की सहायक नदियों- किशनगंगा और मरुसुदर नदी पर स्थित हैं। भारत साफ संकेत दे चुका है कि भारत के खिलाफ आतंकवाद का इस्तेमाल करने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए हर विकल्प का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है 1960 सिंधु जल के बेरोकटोक बहाव पर अंकुश लगाना।

मोदी सरकार ने सिंधु जल प्रणाली से संबंधित कई इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पर काम तेज कर दिया है, जिससे संधि के दायरे में रहते हुए भारत ज्यादा से ज्यादा पानी का इस्तेमाल कर सके। तब से कुल 4000 मेगावाट क्षमता के प्रोजेक्ट पर जम्मू-कश्मीर में काम हो रहा है। पिछले साल पीएम ने दो प्रोजेक्ट की नींव भी रखी थी। पाकिस्तान को चिंता कुछ साल पहले आई एक अमेरिकी रिपोर्ट से हो रही है जिसमें कहा गया था कि भारत इन प्रोजेक्टों के जरिए सिंधु से पाकिस्तान को पानी की सप्लाई को नियंत्रित कर सकता है।

2021 में भारतीय संसद की एक स्थायी समिति ने सिफारिश की थी कि आईडब्ल्यूटी पर फिर से बातचीत की जाए जिससे नदी में जल की उपलब्धता पर पड़े असर और अन्य चुनौतियों से जुड़े मामले को सुलझाया जा सके जिसे समझौते में शामिल नहीं किया गया है।

सिंधु और उसकी सहायक नदियों का पानी भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए अहम है। सिंधु नदी प्रणाली में मुख्य नदी सिंधु और बाएं तट पर जुड़ने वाली पांच सहायक नदियां शामिल हैं, जो रावी, ब्यास, सतलुज, झेलम और चिनाब हैं। दाएं तट पर मिलने वाली सहायक नदी काबुल भारत में नहीं बहती है। रावी, ब्यास और सतलुज को एक साथ पूर्वी नदियां कहा जाता है, जबकि सिंधु समेत चिनाब और झेलम को पश्चिमी नदियां कहा जाता है।

आजादी के समय भारत और पाक के बीच सीमा रेखा सिंधु नदी घाटी से होकर खींची गई थी। पाकिस्तान के हिस्से में निचला नदी तट आया और भारत के हिस्से में ऊपरी नदी तट आया। रावी और सतलुज नदी पर मौजूद दो महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाएं भारत के हिस्से में आईं, जिन पर पंजाब (पाकिस्तान) में सिंचाई करने वाली नहरें पानी की आपूर्ति के लिए निर्भर थीं। इस प्रकार सिंचाई के पानी के इस्तेमाल को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद पैदा हो गया। विश्व बैंक के सहयोग से 1960 में सिंधु जल समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

यह समझौता भारत को सिंधु की पूर्वी नदियों रावी, सतलुज और ब्यास के संपूर्ण पानी पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान करता है। दूसरी तरफ पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के उस पानी के इस्तेमाल का अधिकार मिला। हालांकि भारत को घरेलू उपयोग, खेती और बिजली बनाने के लिए पश्चिमी नदियों के पानी का उपयोग करने की अनुमति दी गई है।

30 जनवरी को कई जिलों में छाए रहेंगे बादल, क्या गिरेगा पारा ?

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम का मिजाज अभी भले ही स्थिर लगने लगा हो लेकिन मौसम एक बार फिर करवट लेगा। मौसम में अभी उतार चढ़ाव जारी रहेगा। अभी राज्य के कई जिलों के तापमान में गिरावट आयेगी। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार जिले में एक बार फिर से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आने की संभावना है।

साफ रहेगा आसमान

राज्य के दूसरे जिलों में मौसम विभाग ने किसी बड़े बदलाव के संकेत नहीं दिए हैं। राजधानी रांची के मौसम में अचानक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। तापमान अचानक सामान्य की तरफ बढ़ने लगा है। सुबह- सुबह पड़ने वाली ठंड कम हो गयी है। झारखंड में अगले पांच दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। 30 जनवरी को आंशिक बादल छा सकते है। जबकि 31 जनवरी, 1 और 2 फरवरी को सुबह में कोहरा या धुंध के बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा।

जमशेदपुर में सबसे अधिक तापमान दर्ज

सबसे अधिक उच्चतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस जमशेदपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस खूंटी में दर्ज किया गया। रांची का न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री, जमशेदपुर का 16.6, डालटनगंज का 15.8, बोकारो का 15.2, चाईबासा का 16.0 देवघर का 15.6 गिरिडीह का 15.9, रामगढ़ का 13.9 और सिमडेगा का 14.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राज्य में ज्यादातर जिलों में तापमान 30डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। मौसम में यह बदलाव 2 से 5 डिग्री सेल्सियस सामान्य तापमान से अधिक है।

रांची और आसपास के क्षेत्र में कैसा रहेगा मौसम का मिजाज

रांची और आसपास के इलाके में अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान मौसम विभाग ने लगाया है। 30 जनवरी को आंशिक रूप से बादल रहने की आशंका जाहिर की गयी है। 2 फरवरी तक मौसम साफ रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

छत्तीसगढ़ में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी

कलेक्टर समेत कई आईपीएस का तबादला, पारुल बनीं एसीबी की डीआईजी

रायपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 से पहले प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। राज्य सरकार ने बीती देर रात भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के नए पदस्थापना आदेश जारी किए हैं। इसमें आठ आईपीएस ऑफिसर, राज्य प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी समेत कुल आठ अधिकारियों की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं कई जिलों के कलेक्टर भी बदले गए हैं।

इस बदलाव में बिलासपुर एसपी पारुल ठाकुर को उप पुलिस महानिरीक्षक एसीबी रायपुर, रायगढ़ एसपी अभिषेक मीणा को राजनांदगांव एसपी का दायित्व सौंपा गया है। नारायणपुर एसपी सदानंद कुमार को रायगढ़ एसपी, कोरबा एसपी संतोष कुमार सिंह को बिलासपुर एसपी, गौरेला पेंड्रा एसपी उद्दयदी उदय किरण को एसपी कोरबा, एएसपी नारायणपुर पुष्कर शर्मा को एसपी नारायणपुर, एएसपी दंतेवाड़ा योगेश कुमार पटेल को एसपी गौरेला-पेंड्रा-मरवाही और राजनांदगांव एसपी प्रफुल ठाकुर को मुख्यमंत्री सुरक्षा एसपी की जिम्मेदारी दी गई है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा के लोग पिछड़ों व दलितों को शूद्र मानते हैं

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ में गोमती तट पर चल रहे मां पीतांबरा महायज्ञ में शनिवार दोपहर पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भाजपा कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए गए। उनकी गाड़ी के सामने हंगामा कर नारेबाजी की। इसके बाद अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा धर्म की ठेकेदार नहीं हो सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग पिछड़ों व दलितों को शूद्र मानते हैं। उनको यह तकलीफ है कि हम उनके धार्मिक स्थानों पर गुरुओं, संतों का आशीर्वाद लेने के लिए क्यों जा रहे हैं?

उन्होंने कहा कि मुझे पीतांबरा माता के महायज्ञ में बुलाने वालों को भाजपा व आरएसएस की तरफ से धमकी मिल रही हैं। बीजेपी ने यहां गुंडे भेजे थे जो काला झंडा लेकर विरोध कर रहे थे, जिससे मैं कार्यक्रम में न जा पाऊं, लेकिन हम समाजवादी लोग हैं गुंडों से घबराने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि धर्म के कार्यक्रम में आ रहा हूं तो बीजेपी के लोग क्या गुंडई करेंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम स्थल पर पुलिस व प्रशासन का कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं था। पुलिस, प्रशासन को रात में ही हटा दिया गया।

उधर, स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि वह माफी नहीं मांगेंगे। वह अपने स्टैंड पर कायम हैं. रामचरितमानस में जो कहा गया है वह देश के दलितों,, पिछड़ों, आदिवासियों का अपमान है। रामचरितमानस से उस दोहे को हटाना चाहिए। भूपेंद्र चौधरी माफी मांगने को कह रहे हैं लेकिन वो हमारी पार्टी के नेता नहीं हैं। समाजवादी पार्टी के जो नेता माफी मांगने को कह रहे हैं वह जाति विशेष के लोग हैं।

नेतन्याहू ने फिलिस्तीन का 326 करोड़ का फंड रोका

इजराइल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली नई कट्टर राष्ट्रवादी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर सख्ती से अमल शुरू कर दिया है। जेनिन कैंप में रह रहे आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए इजराइली बलों ने बड़ा हमला किया। नई सरकार ने फिलिस्तीन का 4 करोड़ डॉलर (करीब 326 करोड़ रुपए) के का टैक्स रेवेन्यू रोक दिया। यह टैक्स इजराइल वसूलता है और आमतौर पर फिलिस्तीनी प्राधिकरण को स्थानांतरित करता है। जनवरी की शुरुआत में इस कदम की घोषणा करते हुए वित्त मंत्री ने कहा, 'जब तक फिलिस्तीनी प्राधिकरण आतंक पालेगा और दुश्मन जिंदा है, हमें उसे टैक्स ट्रांसफर में दिलचस्पी नहीं है।'

इजराइल में फिलिस्तीनी झंडे पर रोक के बाद ही विवाद

पूर्व में आतंकवाद से संबंधित अपराधों के लिए दोषी ठहराया जा चुके धुर दक्षिणपंथी ज्यूस पावर पार्टी के नेता और पुलिस मंत्री इतामार बेन ग्विर भी ऐलान कर चुके हैं कि फिलिस्तीनी झंडे के प्रदर्शन पर रोक रहेगी। वैसे तो इजराइल में फिलिस्तीन का झंडा लहराना अपराध नहीं है, पर पुलिस ने रोक लगाना शुरू कर दिया है। इजराइल-अरब के गांवों से फिलिस्तीनी झंडे हटवाए जा रहे हैं। झंडा विरोधी पृष्ठभूमि में ही जेनिन में फिलिस्तीनी आतंकियों व मददगारों पर कार्रवाई हुई।

झंडा विरोधी पृष्ठभूमि में ही जेनिन में आतंकियों, उनके मददगारों पर कार्रवाई हुई। इसी से तनाव बढ़ा। सुरक्षा सूत्र मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में इजराइल में आतंकी हमलों की आशंका है। 2014 के बाद से साल 2022 इजराइल में सबसे खूनी संघर्ष वाला साल था। इजराइली बलों ने हमले के दौरान स्थानीय रूप से संगठित आतंकी समूहों द लायन डेन और जेनिन ब्रिगेड को निशाना बनाया। इस पर फिलिस्तीन ने कहा कि वह सुरक्षा सहयोग खत्म करेगा। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच 1993 में ओस्लो समझौता हुआ था।

लड़की के चक्कर में हेलीपैड बना अखाड़ा

छात्रों के बीच जमकर चले लाठी-डंडे, दौड़ा-दौड़ाकर एक-दूसरे को पीटा

कोरबा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक लड़की की चक्कर में छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर बवाल हो गया। हेलीपैड पर ही दोनों गुटों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। इस दौरान छात्रों ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। बताया जा रहा है कि मारपीट की जानकारी स्कूल प्रबंधन को भी मिली, लेकिन कोई भी मौके पर नहीं पहुंचा। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा। फिलहाल घटना का वीडियो वायरल है। मामला मानिकापुर चौकी क्षेत्र का है।

30 से 40 छात्रों के बीच हुई है मारपीट

जानकारी के मुताबिक, मुड़ापार हेलीपैड पर शुक्रवार सुबह छात्रों के दो गुट लाठी-डंडे लेकर एकत्र हो गए। पहले तो उनके बीच बहस होती रही, लेकिन फिर बात इतनी बढ़ी कि उनमें लाठी-डंडे चलने लगे। दोनों गुट से 30 से 40 की संख्या में पहुंचे छात्रों ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। बताया जा रहा है कि इनमें से एक गुट पास ही स्थित एनसीडीसी स्कूल का था, जबकि दूसरे गुट के छात्र किसी अन्य स्कूल के थे।

घायल छात्रों को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया

मारपीट की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों गुटों के छात्रों को पकड़कर चौकी ले आई। यहां पर दोनों पक्षों की ओर से शिकायत दी गई है, लेकिन छात्रों के नाबालिग होने के कारण पुलिस अभी कार्रवाई से बच रही है। घायल छात्रों को मेडिकल कराने के लिए पुलिस ने अस्पताल भेजा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना का वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मारपीट करने वाले छात्र 9वीं और 10वीं के

चौकी प्रभारी प्रह्लाद राठौर ने बताया कि दो पक्षों में मारपीट की घटना सामने आई है। एक गुट के छात्र नौवीं में पढ़ते हैं, जबकि दूसरे गुट के 10वीं में पढ़ने वाले हैं। दोनों पक्षों में एक लड़की को लेकर विवाद हुआ है। दूसरा पक्ष विवाद को लेकर ही छात्रों के स्कूल पहुंचा था। इस मामले को लेकर एनसीडीसी स्कूल प्रबंधन को भी बुलाया गया है, लेकिन अभी तक कोई सामने नहीं आया है। बच्चों के परिजनों से सभी संपर्क किया जा रहा है।

कोर्ट ने विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और बच्चू यादव के खिलाफ तय किए आरोप

अवैध पत्थर खनन मामला

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। रांची की विशेष पीएमएलए अदालत ने 1000 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध पत्थर खनन मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और बच्चू यादव के खिलाफ आरोप तय किए। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। तीसरे आरोपी प्रेम प्रकाश ने आरोपमुक्त करने की याचिका दायर की है, इसलिए उनके मामले को तब तक के लिए स्थगित रखा गया जब तक कि अदालत इस मामले में आदेश पारित नहीं कर देती।

एक अन्य घटनाक्रम में पीएमएलए अदालत ने ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा के खिलाफ पंकज मिश्रा की शिकायत याचिका खारिज कर दी। पंकज मिश्रा ने देवव्रत पर मामले के तथ्यों को दबाने और उन्हें फंसाने का आरोप लगाया था।

महिला को जिंदा जलाया!

रेलवे ट्रैक के पास झुलसी हालत में तड़पती मिली, अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम

बिलासपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शुक्रवार रात एक महिला गंभीर हालत में झुलसी हुई रेलवे ट्रैक के पास मिली थी। राहगीरों ने उसके कराहने की आवाज सुनी तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद महिला को डायल-112 ने अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन बयान लेने से पहले ही उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। आशंका है कि महिला को जिंदा जलाया गया है। महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, उसलापुर स्टेशन से आगे महावीर नगर के पास ठेठा डबरी रेलवे ट्रैक के किनारे शुक्रवार रात एक महिला कराह रही थी। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो देखा कि एक महिला गंभीर रूप से झुलसी हालत में पड़ी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने महिला को सिम्स में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला 70 फीसदी जली हुई हालत में मिली थी।

थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि मजिस्ट्रेट के सामने महिला का बयान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन वह ठीक से बोल नहीं पा रही थी। हालांकि छत्तीसगढ़ी में कुछ बताने का प्रयास कर रही थी। ऐसे में महिला प्रदेश की ही थी। उसकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए आसपास सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी चेक करा रहे हैं। महिला की उम्र करीब 37 साल के आसपास रही होगी।

अस्पताल में आग से डॉक्टर दंपती समेत 6 जिंदा जले

बचने के लिए बाथटब में बैठे थे डॉक्टर, वहीं दम घुटा

धनबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद में शुक्रवार रात 1 बजे एक प्राइवेट अस्पताल में आग लग गई। इसमें डॉक्टर दंपती समेत 6 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। हादसे के वक्त सभी लोग सो रहे थे। डॉक्टर का शव बाथटब से मिला है। ऐसा कहा जा रहा है कि खुद को बचाने के लिए वे पानी के टब में बैठ गए थे। यहीं उनकी लाश मिली। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन शुरुआती जांच के बाद पुलिस का कहना है कि आग स्टोर रूम से शुरू हुई होगी। आग लगने के दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है। डॉक्टर विकास हाजरा खिड़की से खुद को बचाने की गुहार लगा रहे हैं। नीचे फायरकर्मी और लोग उनसे कह रहे हैं कि चिंता मत कीजिए डॉक्टर साहब, हम आ रहे हैं, हम सीढ़ी से आपके पास आ रहे हैं।

अस्पताल का नाम हाजरा क्लिनिक एंड हॉस्पिटल है और धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के टेलिफोन एक्सचेंज रोड पर है। डॉक्टर परिवार समेत क्लिनिक के फर्स्ट फ्लोर पर रहते थे। हादसे में डॉक्टर दंपती डॉ. विकास हाजरा, डॉ. प्रेमा हाजरा, भांजा सोहम खमारू, रिश्तेदार शंभू सिंघो, नौकरानी तारा मंडल समेत 6 की दम घुटने से मौत हो गई। सभी शव अलग-अलग कमरों से बरामद हुए हैं।

अस्पताल के गार्ड ने बताया कि रात 1 बजे के बाद चिंगारी दिखाई थी। हम दौड़कर ऊपर भागे तब तक पहली मंजिल आग की लपटों से घिर गई। करीब 1 घंटे बाद हमने बाकी सुरक्षाकर्मियों की मदद से 6 बॉडी बाहर निकाली। आग लगने के दौरान नीचे वाले वार्ड में 10-15 मरीज भी भर्ती थे। जैसे ही उन्हें आग लगने की जानकारी हुई वो खुद निकलकर बाहर चले गए। आग वहां तक नहीं पहुंची थी। आग सिर्फ फर्स्ट फ्लोर तक ही पहुंची थी।

डॉ. प्रेमा हाजरा मौत के दो घंटे पहले तक मरीजों को देख रही थीं। नर्सिंग होम में भर्ती एक महिला का प्रसव रात 12 बजे कराया था। महिला गांधी रोड की रहने वाली है। शुक्रवार रात डिलीवरी के बाद बेटा हुआ है। ओटी में मौजूद नर्सों ने कहा, डॉ. प्रेरणा हाजरा ने मरीज से कहा था मुंह मीठा कराइये।

डॉ. विकास हाजरा हर साल सरस्वती पूजा मनाते थे। इस आयोजन में शामिल होने उनका भांजा सोहम खमारू 25 जनवरी को कोलकाता से धनबाद पहुंचा था। इस आयोजन में शामिल होने डॉ. विकास हाजरा के ममेरे भाई, सुनील मंडल और रिश्तेदार शंभू सिंघो भी पहुंचे थे।

खबर आ रही है कि हाजरा क्लिनिक के पास फायर एनओसी भी नहीं था। अस्पताल पिछले कई दशक से संचालित हो रहा था। कुछ साल पहले धनबाद के अग्नि शमन पदाधिकारी ने फायर एनओसी लेने के लिए डॉक्टर से कहा था। धनबाद की ग्रामीण एसपी रिष्मा रमेशन ने कहा, जांच की जा रही है। रांची से फॉरेंसिक टीम धनबाद आएगी।

कुल्हाड़ी से वारकर पत्नी की हत्या

कांकेर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक अधेड़ ने कुल्हाड़ी से वारकर अपनी पत्नी को मार डाला। महिला की गलती सिर्फ इतनी थी कि उसे बोरी में रखी उड़द को लेकर जानकारी नहीं थी। पति के पूछने पर उसने इनकार किया तो जान ले ली। वारदात 25 जनवरी की है। महिला के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने अगले दिन आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामला नक्सल प्रभारी अंदरूनी गांव सिकसोड़ थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, आमकोट गांव निवासी तिजोन बाई, उसका बेटा तोमन उसेंडी सहित परिवार के लोग घर में ही थे। इसी दौरान रात करीब 8 बजे तिजोन का पति धनीराम उसेंडी घर पहुंचा। उसने कमरे के अंदर रखी बोरी में भरी उड़द और मड़िया के बारे में पूछा। तिजोन ने इस पर जानकारी होने से इनकार कर दिया। इसके बाद धनीराम भड़क गया। उसने पत्नी पर चिल्लाते हुए कहा कि घर में रखी थी, तो कैसे नहीं देखी। आरोप है कि इसके बाद धनीराम ने गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। फिर पास में रखी कुल्हाड़ी को उठाया और तिजोन बाई के ऊपर वार कर दिया। हमले में कुल्हाड़ी का वार तिजोन बाई के जबड़े पर लगा और वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ी।

जाहिल पाक जाएं, किराया मैं दूंगा

एएमयू में 'अल्लाहू अकबर' के नारे पर बोले योगी के मंत्री

अलीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ के एएमयू में विवादित नारों पर राजनीतिक बयानबाजियां शुरू हो गई हैं. राज्यमंत्री मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने कहा कि इन आतंकवादियों को पाकिस्तान भेजो किराया मैं दूंगा. बीजेपी नेताओं ने एएमयू में गणतंत्र दिवस पर धार्मिक नारे लगाने वालों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है. उन्हें आतंकी सोच से प्रेरित बताते हुए पाकिस्तान भेजने की नसीहत दी है. इधर नारेबाजी करने वाले लोगों को समाजवादी पार्टी ने क्लीनचिट दे दी है. इस बीच राज्य मंत्री रघुराज सिंह ने कहा कि इस दिन अगर झंडे के नीचे ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जाए तो आप आतंकवादी हैं. आतंकवादियों को तत्काल यहां से डेढ़ सौ रुपए की एक रोटी पाकिस्तान में मिल रही है तो वहां इनको भेज देना चाहिए,

आँख बंदकर बनाता है हू-ब-हू तस्वीर

बॉलीवुड स्टार सोनू सूद भी हो गए हैं इसके मुरीद

सीवान, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के सीवान जिले के का एक युवक काफी चर्चे में है। वजह यह है कि उसने काफी कम उम्र में अपने हुनर से अपना नाम कमाया है। हुनर ऐसा कि आंख बंद कर चित्र बनाना हो या किसी को एक नजर देखकर हूबहू चित्र बनाना हो तो अजमेर आलम इस फन में माहिर है। जी हां वह नाम है अजमेर आलम। 22वर्षीय अजमेर आलम सीवान जिले के एक छोटे से गांव पचलखी सुजांव का रहने वाला है। वह तीन भाईयों में सबसे छोटा है। अजमेर के पिता साहेब हुसैन किसान हैं। सबसे बड़े भाई बढ़ई का काम करते हैं जबकि मंझले भाई पिता के साथ मिलकर खेती करते हैं। अजमेर आलम आराध्या चित्रकला से जुड़कर कलाकारी सीखी। बहुत गरीब होने की वजह से वह अपने छोटे से गाँव में रहकर बहुत ही सीमित संसाधन में चित्रकला से बहुत अधिक नाम कमाया है।

प्रशांत किशोर का बड़ा खुलासा

कहा-मार्च 2022 में ही मुझे नीतीश कुमार ने कहा था कि वे महागठबंधन बनाएंगे

गोपालगंज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार में जन सुराज पदयात्रा पर निकले हुए हैं। इस दौरान वे लगातार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। अब उन्होंने खुलासा किया कि मार्च 2022 में ही नीतीश कुमार ने मुझे बताया था कि वे महागठबंधन बनाने जा रहे हैं। प्रशांत किशोर जन सुराज पद यात्रा के दौरान पंचदेवरी के भगवतीनगर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि मार्च 2022 में ही नीतीश कुमार ने मुझे बताया था कि वे महागठबंधन बनाने जा रहे हैं। इसके साथ ही लगे हाथ प्रशांत किशोर ने बिहार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर को भी सलाह दे डाली। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री को बिहार की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। बिहार में

बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रशांत किशोर ने कहा कि समाज का कोई भी वर्ग बेरोजगारी और पलायन की समस्या से अछूता नहीं है। बिहार के सभी वर्ग के लोग बेरोजगारी की समस्या से तंग आकर दूसरे जगहों पर पलायन करने को मजबूर हैं। यहां किसानों को खेती करने के लिए कई परेशानियां उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि जन सुराज पदयात्रा के माध्यम से जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझ कर उनका संकलन किया जा रहा हैं। उसके समाधान के लिए एक ब्लू प्रिंट तैयार किया जा रहा है। जिसे पदयात्रा खत्म होने के बाद जारी किया जाएगा।

बिहार में बचेगा एक ही दल जन सुराज

एक प्रश्न के जवाब में प्रशांत ने बताया कि जन सुराज कोई तीसरा या चौथा मोर्चा नहीं बनेगा, बल्कि हमलोग अगर कोई दल बनाएंगे तो आने वाले समय में सिर्फ वही एक मोर्चा बिहार में बचेगा।

हम उनमें से हैं, जो केवल लड़ने के लिए नहीं बल्कि जीतने के लिए आए हैं। अगर जन सुराज दल बनेगा तो बिहार की राजनीति में जन सुराज ही एक दल बचेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर प्रशांत किशोर ने तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा कि नीतीश चाहते ही नहीं हैं कि उनसे बेहतर कोई सत्ता में आए, इसलिए उन्होंने तेजस्वी यादव को चुना है। वे जानते हैं कि 2025 के बाद वे मुख्यमंत्री नहीं होंगे। ऐसे में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार को नुकसान होगा। तब लोग फिर से वापस आएंगे और नीतीश कुमार को चुनेंगे। नीतीश कुमार अपनी विरासत को जारी रखना चाहते हैं, इसलिए वह नहीं चाहते कि उनसे बेहतर कोई सत्ता में आए।

राष्ट्रगान के अपमान का मामला

दबोचा गया एक आरोपी अदनान, दो की तलाश में दबिश जारी

मेरठ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ में गणतंत्र दिवस पर रेलवे रोड क्षेत्र में राष्ट्रगान पर नृत्य करने और अपमान करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसका संज्ञान लेने के बाद पुलिस ने एक आरोपी अदनान को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। रेलवे रोड थाना प्रभारी संजय कुमार शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया पर 26 सेकेंड का यह वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एक युवक नृत्य कर रहा है, जबकि दूसरे युवक शोर मचा रहे हैं। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान करते हुए ईदगाह भटीपुरा निवासी अदनान को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, ईदगाह निवासी आरोपी रूहुल और नवील फरार हैं। उधर, थाने पहुंचे हिंदूवादी संगठन के पदाधिकारी सचिन सिरोही सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और देशद्रोह का केस दर्ज करने की मांग की। एएसपी विवेक यादव ने बताया कि हलका इंचार्ज योगेंद्र सिंह की ओर से तीन आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

मुलायम सिंह यादव के सम्मान पर अखिलेश चुप

डिंपल बोलीं भारत रत्न दो

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत दिए गए पद्म विभूषण सम्मान को लेकर राजनीतिक हलकों में कयासों एवं बयानों का बाजार गर्म है। साथ ही लोगों में इस बात को लेकर भी चर्चा है कि आखिर इस सम्मान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव चुप क्यों हैं। वह अभी तक कुछ नहीं बोले हैं जबकि उनकी पत्नी सांसद डिंपल यादव ने कहा कि मुलायम सिंह को भारत रत्न मिलना चाहिए। मुलायम सिंह को मिले सम्मान पर मिली जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कई सपा नेताओं ने कहा है कि मुलायम का कद इससे बड़ा है और उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए। मुलायम की पुत्रवधू सांसद डिंपल यादव ने भी कहा कि नेताजी का सम्मान पहले ही हो जाना चाहिए था। आने वाले समय में हमारी सरकार से मांग रहेगी कि उन्हें भारत रत्न दिया जाए। उधर सपा प्रवक्ता आईपी सिंह ने ट्वीट किया कि धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव पर सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' को छोड़कर दूसरा कोई सम्मान नहीं फबता है।

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर भड़के साधु-संत

बताया- जल्लाद, राक्षस, पिशाच

लखनऊ, 28 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणी के बाद साधु-संतों में काफी रोष है. राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, "साधु-संत भगवान के भक्त हैं, वो उनके कहने से आतंकवादी-जल्लाद नहीं हो जाएंगे. जिसकी जो मानसिकता होती है, वो वही साधुओं के प्रति व्यक्त करता है. उनकी मानसिकता जल्लाद, राक्षस, पिशाच की है, इसी भाव से वे बोल रहे हैं. बता दें, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीते धर्म के कुछ ठेकेदारों की तुलना आतंकियों और जल्लाद से की थी. स्वामी प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा था कि, अभी हाल में मेरे दिए गए बयान पर धर्म के कुछ ठेकेदारों ने मेरी जीभ काटने एवं सिर काटने वालों को इनाम घोषित किया है. अगर यही बात कोई और कहता तो यही ठेकेदार उसे आतंकवादी कहते. किंतु अब इन संतों, महंतों, धर्माचार्यों और जाति विशेष लोगों को क्या कहा जाए- आतंकवादी, महाशैतान या जल्लाद. ओबीसी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हाल ही में यह कहकर विवाद पैदा कर दिया था कि रामचरितमानस की कुछ कड़ियां जाति के आधार पर समाज के एक बड़े तबके का अपमान करती हैं और इन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए.

बरेली में मौलाना शहाबुद्दीन बाबा रामदेव पर भड़के

बोले- आतंकवाद को धर्म से जोड़ना सरासर गलत

बरेली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दरगाह आला हजरत से जुड़े संगठन आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र शास्त्री के बाद अब बाबा रामदेव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि रामदेव ने मजहब को आतंकवाद से जोड़ा है, ये सरासर गलत है और हकीकत के खिलाफ है। मौलाना शहाबुद्दीन बोले, आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता। मेरे साथ ही अन्य कई मुस्लिम संगठनों ने आतंकवादी गतिविधियों की हमेशा खिलाफत की है और आगे भी करते रहेंगे। मौलाना ने कहा कि बोडो लाइन, नक्सलाइट, बर्मा, डेनमार्क, स्वीडन आदि जगहों पर आतंकवादी गतिविधियां हिन्दू, बुद्ध और ईसाई मजहब के मानने वाले कर रहे हैं तो क्या इनकी गतिविधियों की वजह से पूरे मजहब पर इल्जाम लगाना दूरस्थ होगा? इसलिए आतंकवाद को धर्म से जोड़ कर न देखा जाए ये एक बीमारी है इस बीमारी का हम सब मिलकर खात्मा करें। बता दें कि इससे पूर्व मौलाना शहाबुद्दीन ने आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी। कहा था कि उनपर धर्मांतरण कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा था कि अगर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो वो कोर्ट जाएंगे।

कुशवाहा के बागी तेवर को चिराग का समर्थन

कहा-अब नीतीश का भविष्य शून्य, जेडीयू में अब कुछ नहीं बचा

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में रामचरित मानस पर शिक्षामंत्री के विवादित बयान के बाद महागठबंधन में छिड़ा घमासान अभी खत्म भी नहीं हुआ है कि उपेंद्र कुशवाहा को लेकर सियासी बवाल चरम पर है. उपेंद्र कुशवाहा ने जेडीयू में रहकर सीधे नीतीश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. कुशवाहा ने बागी तेवर अपना लिया है और उनके बीजेपी में जाने के चर्चे हैं. उपेंद्र कुशवाहा के बागी होने के बाद बीजेपी और चिराग पासवान ने उनका समर्थन किया है. चिराग पासवान ने कहा है कि जिस पार्टी के नेता ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर दूसरे दल के नेता को अपना नेता मान लिया है, ऐसे में उस पार्टी का अस्तित्व क्या बचता है. एलजेपी आर प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि जेडीयू में अब कुछ नहीं बचा है. चिराग ने बिहार में चल रही सियासी घटनाक्रम पर कहा-बिहार में जो राजनीति हो रही है, इसमें सबको अपना-अपना ही पड़ा हुआ है. यह सारे विषय पार्टी गठबंधन के अंदर के विषय हैं. सुलझाने के लिए बिहार के पास कई ज्वलंत समस्याएं हैं चर्चा करने के लिए.

'जेडीयू का अब कोई भविष्य नहीं'

चिराग पासवान ने कहा कि जेडीयू का भविष्य अब नहीं बचा है जिस पार्टी के नेता ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर दूसरे दल के नेता को अपना नेता मान लिया है. ऐसे में उस पार्टी का अस्तित्व क्या बचता है. कल को नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री के बाद उन्होंने इस बात को कबूल कर लिया है कि दूसरे दल का नेता उनका उत्तराधिकारी होगा ऐसे में जेडीयू का भविष्य पूरी तरह से समाप्त है जिसका भविष्य नहीं है उसका वर्तमान क्या होगा.

नीतीश कमजोर नेता

चिराग ने नीतीश कुमार को एक कमजोर नेता बताया और उपेंद्र कुशवाहा की बातों का समर्थन किया. उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार कुछ व्यक्तियों के द्वारा हैंडल किए जा रहे हैं इसको लेकर चिराग में कहा यह तो नीतीश कुमार ही बताएंगे वही बताएंगे.

'सिर्फ कहने से नहीं हो जाएगा पर्यटन स्थल

वापस लें शराबबंदी', बोले जीतनराम मांझी

बोधगया, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में सियासी उथल-पुथल के बीच शराबबंदी को लेकर बहस भी फिर से शुरू हो गई है. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और सत्ताधारी महागठबंधन के घटक दल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है. बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने फिर से शराबबंदी का राग अलाप दिया है. जीतन राम मांझी ने बोधगया को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के दर्जे को लेकर एक सवाल पर शराबबंदी का राग छेड़ दिया. जीतन राम मांझी ने बिहार में लागू शराबबंदी समाप्त करने की मांग की है. उन्होंने कहा है कि बोधया को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल कहने से काम नहीं चलेगा. जीतन राम मांझी ने कहा कि बोधगया अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल कहने से अंतरराष्ट्रीय

पर्यटन स्थल नहीं बन जाएगा. उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों के खाने-पीने की चीजों का भी प्रबंध करना होगा तभी ये अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बन पाएगा. हम पार्टी के प्रमुख ने कहा कि विदेशों से आने वाले पर्यटक यहां रुक नहीं रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने भी अपनी बात रखेंगे और उनसे अंदर ही अंदर शराबबंदी को समाप्त करने की भी मांग करेंगे. जीतन राम मांझी ने साथ ही ये भी साफ किया कि डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से भी हम ये कहेंगे कि शराबबंदी को समाप्त करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से चर्चा करें. गौरतलब है कि जीत नराम मांझी का ये बयान ऐसे समय में आया है जब बिहार में शराबबंदी के बीच जहरीली शराब के कारण मौत की घटनाओं में इजाफा हुआ है. हाल ही में सूबे के सारण जिले में जहरीली शराब के सेवन से 60 से अधिक लोगों की जान चली गई थी. सारण जिले में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के बीच बेगूसराय और सीवान जिले में भी इस तरह की घटनाएं सामने आई थीं. हाल ही में सीवान जिले में जहरीली शराब से कई लोगों की मौत की एक और घटना सामने आई थी.

तेजस्वी करते रहे हैं शराबबंदी समाप्त करने की मांग

नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन की सरकार में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी शराबबंदी को समाप्त करने की मांग करते रहे हैं. तेजस्वी यादव ने विपक्ष में रहते हुए कई बार सीएम नीतीश कुमार से शराबबंदी का फैसला वापस लेने की मांग की थी. हालांकि, नीतीश कुमार की पार्टी के साथ गठबंधन और सूबे की सत्ता पर काबिज होने के बाद से तेजस्वी यादव इस मुद्दे पर चुप ही नजर आए हैं.

छुट्टी नहीं मिलने पर महिला डॉक्टर ने दे दिया था इस्तीफा

अब इलाहाबाद एचसी ने दी राहत

इलाहाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उस महिला डॉक्टर को राहत प्रदान की, जिसने दमा से ग्रस्त अपनी बेटी की देखभाल के लिए छुट्टी नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया था. पीठ ने महिला डॉक्टर के खिलाफ शुरू की गई विभागीय कार्रवाई को दरकिनार करते हुए निर्देश दिया कि डॉक्टर द्वारा इस्तीफा देने की तिथि को उसका इस्तीफा स्वीकार माना जाए और विभाग उसे सेवा के सभी लाभ प्रदान करे. न्यायमूर्ति विवेक चौधरी की पीठ ने सहारनपुर में तैनात रहीं डाक्टर प्रियंका गर्ग की याचिका पर यह आदेश पारित किया. पीठ ने कहा कि कामकाजी महिलाओं का देर-सवेर उत्पीड़न किया जा रहा है और यह मौजूदा मामले से स्पष्ट है. प्रियंका गर्ग ने अपनी बीमार बेटी की देखभाल के लिए छुट्टी के वास्ते आवेदन किया था और जब उनके आवेदन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया तो उन्होंने 24 फरवरी, 2020 को इस्तीफा दे दिया. हालांकि, विभाग ने गर्ग का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया और इसके बजाय ड्यूटी से गैर हाजिर रहने के लिए उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी. गर्ग के वकील गौरव महरोत्रा ने दलील दी कि विभाग की कार्रवाई ''अमानवीय और उत्पीड़न'' वाली है.

ये है मामला

दरसल वकील गौरव महरोत्रा ने दलील थी कि डाक्टर प्रियंका गर्ग की बेटी को अस्थमा से पीड़ित है. डाक्टर प्रियंका गर्ग सहारनपुर मेडिकल कॉलेज में तैनात थीं. उन्होंने अपनी बेटी की बिमारी में उसकी देखरेख करने के लिए अस्पताल में छुट्टी के लिए अप्लाई किया. लेकिन उन्हें छुट्टी नहीं दी गई. लेकिन उनकी छुट्टी मंजूर नहीं हुई. बल्कि उन्हें जुलाई 2019 से सितंबर 2019 के बीच सैलरी नहीं दी गई. इसके बाद उन्हें जनवरी 2020 से फरवरी 2020 के बीच भी वेतन नहीं मिला. इसके बाद उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया. इतना ही नहीं उसके खिलाफ विभागिय जांच शुरू कर दी गई.

गोरखनाथ मंदिर के सुरक्षाकर्मियों पर हमले का आरोपी मुर्तजा दोषी करार

30 जनवरी को होगी सजा की सुनवाई

गोरखपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मंदिर के सुरक्षाकर्मियों पर हमले के आरोपी अहमद मुर्तजा को एनआईए/एटीएस की विशेष अदालत ने दोषी करार कर दिया है. आरोपी मुर्तजा की सजा के लिए 30 जनवरी को सुनवाई होगी. बता दें कि गोरखनाथ थाना में 4 अप्रैल 2022 को मुर्तजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी. दरअसल, अहमद मुर्तजा ने पीएसी के जवान अनिल कुमार पासवान पर हमला करके असलहा छीनने का प्रयास किया था. वहीं मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने मुर्तजा को गिरफ्तार किया था.

लखनऊः जबरदस्ती संबंध बनाना चाह रहा था पति, गुस्से में पत्नी ने काट दी जीभ

ठाकुरगंज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र से अजीबो-गरीब मामला सामने आया है. जिसमें पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ. पति ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने विवाद के दौरान उसकी जीभ काट दी और वह लहूलुहान हो गया. इस घटना के बाद पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया. पत्नी ने कहा कि कुछ दिन पूर्व ही उसकी मां का निधन हुआ था. वह मानसिक रूप से दुखी थी. इसी दौरान उसका पति उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाना चाहता था. बार-बार मना करने के बावजूद भी वह जबरदस्ती करने लगा. इसी दौरान पति की जीभ कट गई. हालांकि, इस मामले में पुलिस ने महिला के खिलाफ पति की तहरीर पर आईपीसी की धारा-326 के तहत मुकदमा दर्ज किया है.

एएमयू में लगे अल्लाहू अकबर के नारे

पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

अलीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस पर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (अमुवि) में नारा-ए-तकबीर अल्लाहू अकबर का नारा लगाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो गया। टीवी चैनलों पर भी खबरें चलने लगीं। 'डैमेज कंट्रोल' करने की कवायद के तहत विश्वविद्यालय इंतजामिया ने आरोपी छात्र को निलंबित कर दिया है। मामले की जांच के लिए कमेटी का गठन भी करने का एलान किया गया है। अलीगढ़ पुलिस ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने आईपीसी की धारा 153बी और 505 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

सिद्धार्थ नाथ सिंह की अखिलेश यादव को चुनौती

कहा- अगर उनमें हिम्मत है तो स्वामी प्रसाद मौर को करें पार्टी से बाहर

प्रयागराज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला किया। उन्होंने सपा प्रमुख को नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी को लेकर पार्टी से बाहर करने की चुनौती दी। जानकारी के मुताबिक, सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा, 'स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार हिंदू धर्म, हिंदू मान्यताओं और रामचरितमानस पर निशाना साधते रहे हैं। समाजवादी पार्टी कहती रहती है कि वह मौर्य के बयानों से जुड़ी नहीं है। मैं अखिलेश यादव से दौड़ना बंद करने के लिए कहता हूं।' मौर्य द्वारा दिए गए बयानों से दूर रहें और खुद को उनसे दूर रखें।अगर अखिलेश यादव में हिम्मत है और हिंदुओं, उनकी मान्यताओं और रामचरितमानस का सम्मान करते हैं तो स्वामी प्रसाद मौर्य को पार्टी से बाहर कर दें। तभी हम मानेंगे कि अखिलेश यादव स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा दिए गए बयानों का समर्थन नहीं करते हैं।

उत्तर प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्य को माना जाता है एक प्रमुख ओबीसी नेता

स्वामी प्रसाद मौर्य को उत्तर प्रदेश में एक प्रमुख ओबीसी नेता (समाजवादी पार्टी) माना जाता है और उन्होंने 16 वीं शताब्दी के कवि-संत तुलसीदास द्वारा रचित कार्य पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए

आरोप लगाया था कि रामचरितमानस में दलितों और महिलाओं का अपमान किया गया है। एक न्यूज से बात करते हुए मौर्य ने कहा था कि मुझे रामचरितमानस से कोई समस्या नहीं है, लेकिन इसके कुछ हिस्सों में विशेष जातियों और संप्रदायों पर अपमानजनक टिप्पणियां और कटाक्ष हैं। उन्हें हटा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए और संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। उसे यह देखना चाहिए कि किसी समुदाय की भावनाएं आहत न हों।

राजस्थान हाईकोर्ट में 15वीं बार बजा रणजीत जोशी का डंका

15वीं बार एसोसिएशन के अध्यक्ष; वकीलों को दिलाए रियायती प्लॉट

जोधपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट (जोधपुर) में एक बार फिर रणजीत जोशी का डंका बजा है। वे 15वीं बार वकील एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए हैं। ऐसा क्या है कि 15 बार जोधपुर के वकीलों ने अपना अध्यक्ष रणजीत जोशी को चुना है। इसकी वजह साफ है- वकील उन्हें अपना गार्जियन मानते हैं। रणजीत वकीलों के हित में बहुत काम करा चुके हैं।

पिछले चुनाव में रणजीत जोशी ने चुनावी मैदान में नहीं उतरे थे। ऐसे में नाथू सिंह को अध्यक्ष चुना गया था। लेकिन इस बार वे चुनावी मैदान में उतरे तो वकीलों ने 51 वोटों से जिताकर उन्हें कंधों पर उठा लिया। बीच में नाथू सिंह का कार्यकाल छोड़ दिया जाए तो उससे पहले वे लगातार 14 बार अध्यक्ष पद पर चुने गए।

सिलसिलेवार जीत क्यों, ऐसा क्या किया

एडवोकेट रणजीत जोशी 2004 से लगातार चुनाव जीते हैं। अधिवक्ताओं के हित में कार्य किए इसलिए अधिवक्ताओं की पहली पसंद वही हैं। हाइकोर्ट हेरिटेज भवन में अधिवक्ताओं के लिए बैठने की व्यवस्था नहीं थी। जोशी ने व्यवस्थित तरीके से शेड बनवाकर उसमें पंखे लगवाकर सम्मानजनक तरीके से बैठने की व्यवस्था करवाई। इसके अलावा वकीलों के लिए आवासीय कॉलोनी राजराज्य नगर में रियायती दरों पर भूखंड उपलब्ध करवाए। बार व बेंच में तालमेल बैठाकर हमेशा वकीलों के हित की बात की। युवा वकीलों के लिए उन्होंने ई-लाइब्रेरी और लाइब्रेरी की व्यवस्था करवाई। इसलिए जोधपुर में वकील उन्हें काफी मानते हैं।

नागौर के मेड़ता से हैं, ननिहाल जोधपुर में बसे

रणजीत जोशी ने 1979 जोधपुर से वकालत की पढ़ाई पूरी की। रणजीत जोशी मूल रूप से नागौर के मेड़ता से है। वे 24 साल की काफी कम उम्र में मेड़ता में नगर पालिका में चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन बने। इन पदों पर वे 1972 से 1986 तक रहे। इसके बाद 1987 में एक वकील के तौर पर जोधपुर हाईकोर्ट जॉइन किया। 2003 में सबसे पहले एडवोकेट मृदुल जैन जोशी उनके एडवोकेट इलेक्शन में लाए और भीष्म पितामाह की तरह साथ रहे।

मोदी के दौरे के बाद तय होगी वसुंधरा की भूमिका

इलेक्शन मोड में आएगी बीजेपी, प्रदेश चुनाव प्रभारी-संगठन महामंत्री को लेकर होंगे निर्णय

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आसींद दौरे के बाद भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व राजस्थान भाजपा की आगामी दिशा तय करने के लिए पेंडिंग मामलों पर काम शुरू करेगा। चुनावी साल में वसुंधरा राजे की भूमिका तय करने, प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के कार्यकाल के एक्सटेंशन और संगठन में कुछ बड़े पदों पर बदलाव जैसे फैसले होने हैं।

असल में आसींद की सभा को मोदी की ओर से राजस्थान में चुनाव अभियान की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। इसी साल दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी अब अग्रेसिव मोड में आएगी। फरवरी में कुछ ऐसे फैसले होने हैं जो पार्टी को चुनावी मोड में लाने से पहले जरूरी हैं। राजनीति के जानकारों का कहना है कि चुनाव में स्थितियां खुद के पक्ष में करने के लिए पार्टी को कई फैसले करने हैं। इनमें से कुछ चीजें तय हो गई हैं जिनकी सिर्फ घोषणा बाकी है।

सबसे बड़ा फैसला वसुंधरा राजे को लेकर

सबसे बड़ा फैसला यह होना है कि चुनाव में वसुंधरा राजे की भूमिका क्या रहने वाली है? 2018 के चुनाव में सत्ता से बाहर होने के बाद पिछले चार साल में वसुंधरा राजे पार्टी कार्यक्रमों में अक्सर तब ही दिखी हैं जब पीएम मोदी या केंद्र का कोई बड़ा नेता शामिल हुआ हो। लंबे समय से पार्टी में खेमेबाजी और खींचतान साफ दिखाई दे रही है। पिछले समय में पार्टी की ओर से चलाए गए अभियानों या कार्यक्रमों में अक्सर वसुंधरा राजे सक्रियता से दिखाई नहीं दी। हालांकि वे अपने हिसाब से व्यक्तिगत दौरे, धार्मिक यात्राओं के नाम पर सभाएं करती रही हैं। ऐसे में यह साफ है कि प्रदेश नेतृत्व और वसुंधरा के बीच दूरियां लगातार बनी हुई

हैं। अब इन दूरियों के नुकसान का अंदाजा पहले ही लगाकर ऐसे रास्ते तलाशने की ओर पार्टी बढ़ना चाहती है, ताकि आने वाले चुनाव में वसुंधरा राजे का पार्टी को लाभ मिल सके। पार्टी के जानकार सूत्र बताते हैं कि यह फैसला लिया जा सकता है कि उनकी चुनाव से पहले टिकटों में भूमिका तय कर दी जाए। इस बात को इसलिए बल मिल रहा है क्योंकि वसुंधरा के अलावा राजस्थान भाजपा में अभी तक कोई दूसरा प्रभावी चेहरा नहीं है, जिसकी पूरे प्रदेश की राजनीति में दखल हो। 16-17 जनवरी को दिल्ली में हुई भाजपा कार्यसमिति की बैठक में पीएम मोदी ने पार्टी नेताओं को ओवर कॉफिडेंस और गुटबाजी से बाहर निकलने की नसीहत दी थी। इसके बाद राजस्थान भाजपा में माहौल थोड़ा बदला हुआ सा नजर आ रहा है।

पार्टी मुख्यालय पर होर्डिंग्स बदलकर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का चेहरा शामिल करने की कवायद को भी मोदी की नसीहत का ही असर माना जा रहा है। इससे मैसेज यह गया है कि वसुंधरा राजे को पार्टी किसी भी स्थिति में इग्नोर नहीं कर सकती। पोस्टर पॉलिटिक्स के जरिए वसुंधरा समर्थकों में यह बात पहुंचाने की कोशिश की गई है कि पूरी पार्टी एक साथ है।

संगठन महामंत्री पद पर बदलाव संभव

भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री में से एक पद पर बदलाव हो सकता है। प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया का कार्यकाल पूरा हो चुका है लेकिन जातिगत आधार को देखते हुए चुनाव तक उनको एक्सटेंशन मिलने की संभावना है। वहीं पार्टी सूत्रों के अनुसार संगठन महामंत्री पद पर कोई नया चेहरा आ सकता है। 2018 के विधानसभा चुनाव से एक साल पहले अगस्त 2017 में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पद पर चंद्रशेखर को तैनात किया गया था। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि चुनावी साल में संगठन महामंत्री पद पर पार्टी बदलाव नहीं करती है लेकिन चंद्रशेखर के मामले में संभव है कि उनको किसी दूसरे प्रदेश की जिम्मेदारी देकर यहां नया चेहरा लाया जाए। इसके पीछे उनके खिलाफ राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंची कुछ शिकायतों को आधार बताया जा रहा है।

कौन होगा चुनाव प्रभारी?

राजस्थान में पार्टी की चुनावी रणनीति और सत्ता में वापसी के लिए केंद्रीय नेतृत्व की ओर से जल्द ही चुनाव प्रभारी लगाया जाना है। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि राजस्थान भाजपा में चुनाव प्रभारी कौन होगा? सबसे ज्यादा जिन दो नामों की चर्चा है, उनमें धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े का नाम शामिल है।

पांच दिन से सीबीआई जांच की मांग पर अड़े किरोड़ीलाल

बोले-अब धरनास्थल पर लगेगी बेरोजगारों की भीड़

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के आगरा रोड पर चंद्र महल गार्डन के बाहर पांच दिन से खुले में सर्दी में धरने पर बैठे सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने चेतावनी दी है कि सरकार उनकी बात सुन नहीं रही है, तो धरना बढ़ाया जाएगा और बड़ी संख्या में बेरोजगारों और समर्थकों का धरना स्थल पर जमावड़ा लगाया जाएगा। इससे पहले उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, अरुण चतुर्वेदी सहित कई नेता धरने पर पहुंचे।

गहलोत ने प्रदेश के लाखों युवाओं से धोखा किया

सांसद मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के लाखों युवाओं के साथ धोखा किया है। उन्होंने पेपर लीक प्रकरण में अधिकारियों और नेताओं को क्लीन चिट देकर पुलिस पर दबाव बनाया है। यही कारण है कि इस मामले में पुलिस अब तक आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है। राजस्थान में 4 साल में 16 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। जिससे प्रदेश के 50 लाख से ज्यादा युवाओं के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

वहीं बाहरी राज्यों के बेरोजगार राजस्थान में सरकारी नौकरी पर लग रहे हैं, जिससे राजस्थान के युवाओं का हक छिन रहा है। लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत युवाओं की परेशानी को भूलकर सिर्फ अपनी सरकार बचाने में लगे हुए हैं। ऐसे में जब तक प्रदेश के युवाओं की मांगे पूरी नहीं हो जाती है। मैं यही धरने पर बैठा रहूंगा।

आंदोलन से निकले किरोड़ीलाल पर केंद्र की नज़र

किरोड़ीलाल मीणा को सर्दी में धरना स्थल पर ही रात को सोते और सुबह नारेबाजी, धरना करते देखकर कोई अचम्भा नहीं होता। उन्होंने धरना स्थल पर ही गणतंत्र दिवस पर राष्ट्र ध्वज फहराकर राष्ट्रीयता की भावना का संदेश भी युवाओं को दिया, क्योंकि डॉ. किरोड़ीलाल आन्दोलन की राजनीति से ही उठे जनाधार वाले नेता हैं। आदिवासी-मीणा समाज के साथ ही युवाओं में उनकी जबरदस्त पकड़ है।

वह इसलिए क्योंकि युवाओं, बेरोजगारों और स्टूडेंट्स के हर मुद्दे पर वो उनके साथ खडे होने को तैयार रहते हैं।

रीट पेपर लीक हो, जेईएन भर्ती हो या कोरोना पीरियड में होस्टल फीस का मुद्दा, ऐसे अनगिनत आंदोलन करके किरोड़ी ने युवाओं को न्याय दिलवाने में भूमिका निभाई है।

सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार की नजर भी आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव के मद्देनजर किरोडी लाल मीणा पर है। आदिवासी वोट बैंक के साथ ही वह युवाओं को भी प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल रिशफल के लिए उनका नाम राजस्थान से चल रहा है।

2 लाख की गोल्ड चेन चुराकर ले गए

अलवर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर शहर के रोड नंबर दो पर दीपक जवैलर्स शोरूम पर 2 लाख रुपए की सोने की चोरी करने वाले दंपती का वीडियो सामने आया है। चोरी 26 जनवरी की दोपहर को की गई। ज्वैलर ने 27 जनवरी को स्टॉक का मिलान किया तब पता चला एक चेन गायब है। काफी तलाश करने के बाद भी जब चेन नहीं मिली तो सीसीटीवी चेक किए गए। तब पता चला कि 26 जनवरी की दोपहर आए दंपती ने चेन चुरा ली थी। चेन चुराते हुए दंपती की करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई। ब्लैक जैकेट पहने व्यक्ति ने चेन देखते हुए चुपचाप शॉल ओढ़े महिला के हाथ में थमा दी। इसमें मुश्किल से एक सेकेंड का वक्त लगा। चोरी के तरीके से साफ है कि ये बेहद शातिर चोर हैं।

दूल्हों के साथ ससुराल जा रहे तीन जीजा की मौत

ट्रक ने बोलेरो को कुचला, हादसे में चार मरे

सरदारशहर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। चूरू में शुक्रवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, चार लोग गंभीर घायल हो गए। इस भीषण एक्सीडेंट में तीन बहनों के सुहाग उजड़ गए। हादसा जिले के सरदारशहर के रतनगढ़ रोड स्थित राणासर गांव में रात 9:30 बजे हुआ। बोलेरो और ट्रेलर की टक्कर के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। इस दौरान वहां से गुजर रहे लोगों ने सभी को बाहर निकाला।

पुलिस ने बताया कि लालचंद और हरिराम दोनों भाइयों की गुरुवार को शादी हो गई थी। इसीलिए ये सभी शादी के बाद की रस्में निभाने जीवनदेसर जा रहे थे। तभी सामने से आ रहे ट्रेलर भिड़ंत हो गई। हादसे में दूल्हों के चाचा के लड़के राणासर बिकान निवासी गिरधारीलाल जाट (29) और दूल्हों के तीन जीजा ताराचंद (36) पुत्र भोमाराम, रूघाराम (30) हेमाराज जाट और सीताराम (32) पुत्र हेमाराज जाट की मौत हो गई। रूघाराम और हेमाराज दोनों सगे भाई थे। रूघाराम के संतान नहीं है वहीं, सीताराम 2 बेटे और एक बेटी है। वहीं, अड़मालसार निवासी ताराचंद के दो बेटा एक बेटी है। घायल दूल्हे लालचंद की हालात गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने चारों शवों को राजकीय अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। वहीं रात 1 बजे गंभीर हालत में एक घायल को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में रेफर किया गया। पुलिस मृतकों और घायलों के परिजनों की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई करेगी।

शवों का पोस्टमार्टम शनिवार को करवाया जाएगा। हादसे की सूचना मिलते ही आरएलपी नेता लालचंद मुंड, उप प्रधान केसरी चंद शर्मा समेत कई जनप्रतिनिधि भी राजकीय अस्पताल पहुंचे और हादसे की जानकारी ली।

कांग्रेस सचिव धीरज गुर्जर बोले-धार्मिक मंच से राजनीतिक रोटी सेककर चले गए पीएम मोदी

गुर्जर समाज के हाथ खाली

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, राजस्थान बीज निगम के अध्यक्ष और भीलवाड़ा के जहाजपुर से कांग्रेस के पूर्व विधायक रहे धीरज गुर्जर ने कहा है कि शनिवार को भगवान श्री देवनारायण जी की 1111वीं जयंती और प्राकट्य महोत्सव पर पीएम मोदी, केंद्र सरकार और बीजेपी ने गुर्जर समाज के साथ बड़ा धोखा और छलावा कर दिया। धीरज गुर्जर ने ट्वीट कर कहा- प्रधानमंत्री के देव भूमि आगमन पर लाखों गुर्जर भाईयों को गुर्जर आरक्षण की मांग पर 9वीं अनुसूची की मुहर लगने और गुर्जर रेजीमेंट की घोषणा की मंशा थी, लेकिन इन पर कुछ नहीं हुआ। पीएम की सभा चुनावी सभा होकर रह गई और कौम फिर एक बार खाली हाथ रह गई।

पूरे राजस्थान के गुर्जर समाज में बीजेपी के लोगों ने माहौल बनाया था कि पीएम नरेंद्र मोदी मालासेरी डूंगरी के मंच से गुर्जर समाज के लिए बड़ी घोषणा करेंगे। पूरे देश के गुर्जर समाज को उम्मीद थी कि हमारी वर्षों से चली आ रही मांगें पूरी होंगी। राजस्थान सरकार ने 9वीं अनुसूची में गुर्जर आरक्षण को शामिल करने की सिफारिश केंद्र की मोदी सरकार को भेज रखी है। गुर्जर रेजीमेंट की मांग स्वर्गीय राजेश पायलट और कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला समेत गुर्जर समाज के नेता बरसों से करते आए हैं।

इन दोनों मांगों के पूरी होने का पूरा भरोसा गुर्जर समाज को था। लेकिन धार्मिक-आध्यात्मिक मंच से राजनीतिक लोक लुभावन भाषण देकर मोदी सरकार ने गुर्जर समाज के साथ छलावा किया है और हमारी झोली को खाली रखा है। धीरज गुर्जर ने कहा- बातें और झांसे बीजेपी की पहचान बन गया है। गुर्जरों को धोखा देना इनकी आदत में शुमार हो गया है।

आठ मिनट में आठ लाख ले गए बदमाश

जंजीर से बांधकर गाड़ी से खींच ले गए एटीएम

अजमेर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। एक बार फिर बड़ी आसानी एटीम लूट की वारदात को अंजाम दे गए शातिर बदमाश। एटीएम बूथ पर लगे सीसीटीवी फुटेज में शातिर बदमाश महज आठ मिनट में एटीएम उखाड़ ले गए। नकाबपोश बदमाशों ने एटीएम को चेन से बांधा और गाड़ी से खींचकर उखाड़ लिया और फरार हो गए। घटना रूपनगढ़ के समीपवर्ती ग्राम सुरसुरा में लगे बैंक ऑफ बड़ौदा एटीएम बूथ की है। जानकारी के अनुसार एटीएम में आठ लाख 66 हजार रुपये थे। सूचना मिलने पर थानाप्रभारी अयूब खान मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और तत्काल अजमेर, जयपुर व नागौर जिलों में नाकाबंदी करवाई।

बागेश्वर धाम के महाराज धीरेंद्र शास्त्री को जादूगर की चुनौती

कहा-हमारे सामने अपनी शक्तियों को प्रूव करें, सारे जादूगर आश्रम में सेवा करेंगे

अलवर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। देश के जाने-माने जादूगर शिव कुमार ने कहा कि दुनिया में कोई अलौकिक या दिव्य शक्ति नहीं है। जादू एक विद्या है। जादू अलौकिक या चमत्कार नहीं है। जादू विज्ञान का रूप है। हम इस ढंग से पेश करते हैं कि सामने वाले को जादू लगता है।

जादूगर शिव कुमार ने कहा कि इसमें मेडिटेशन, योगा व बहुरंगी कलाओं का समावेश है। यह एक मिक्स आर्ट है। एक मैजिक है। जो मेडिटेशन, योग व सम्मोहन के जरिए होता है। यह साइंटिफिक आर्ट है। कोई भगवान का चमत्कार नहीं है। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्णा शास्त्री के बयानों के बाद देश में भर दिव्य शक्ति को लेकर बहस छिड़ी हुई है। अलवर में जादूगर का शो दिखा रहे जाने-माने जादूगर शिव कुमार ने बागेश्वर धाम के महाराज धीरेंद्र शास्त्री को चुनौती दी है कि जादूगरों के सामने दिव्य शक्ति या अलौकिक शक्ति दिखाकर इसे प्रूव करें। सब जादूगर उनके आश्रम में सेवा करने लग जाएंगे। उन्होंने देश भर के जादूगरों को 28 जनवरी को अलवर में बुलाया है। जादूगर शिव कुमार ने कहा- देखिए, सनातन धर्म में भगवान है यह हमारा विश्वास है। इतना होना भी चाहिए। लेकिन भगवान का नाम लेकर चमत्कार बताना या दिव्य शक्ति बताना अंध विश्वास है। लोगों को अंध विश्वास में नहीं जाना चाहिए। यह पूरी एक विद्या है। मैं तो 30 सालों से इस आर्ट के जरिए लोगों को जानकारी देता आ रहा हूं। मैं तो करोड़पति होता। अगर यही विद्या, यही क्रिया यही मैजिक बाबा बनकर करूंगा तो लोग पूजेंगे। लाखों फॉलोअर्स होंगे। लेकिन मैं इस विद्या को आस्था, धर्म व अलौकिक ताकत से नहीं जोड़ता। यह लोगों के मनोरंजन का साधन हो सकता है, लेकिन लोगों को इसे दिखाकर उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए। 135 करोड़ की आबादी में क्या धीरेंद्र शास्त्री के पास ही ज्ञान आ गया। शास्त्री जी जो दिखा रहे हैं वह मैं 30 साल से दिखा रहा हूं। वे अब दिखाने लगे हैं। लेकिन मैंने जादू की विद्या को धर्म से नहीं जोड़ा। मीडिया से दूर रहा। अब मैं इस कला को धर्म से जोड़कर दिखाता हूं तो मुझ पर भी विवाद होने लगेगा। लेकिन मैंने इस कला को धर्म से नहीं जोड़ा। केवल विज्ञान से जोड़ा है। हां, क्यों नहीं बता देते। यही विद्या तो हम जानते हैं। हम जादूगर बन कर यह सब कर रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री बाबा बनकर कर रहे हैं।

कांग्रेस विधायक बैरवा बोले-स्वास्थ्य मंत्री का बेटा विभाग चला रहा

कहा-मैं दलित हूं, इसलिए मंत्री परसादी और महेश जोशी मेरे काम नहीं करते

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कठूमर से कांग्रेस विधायक बाबूलाल बैरवा ने स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा और जलदाय मंत्री महेश जोशी के खिलाफ काम नहीं करने पर मोर्चा खेल दिया है। बाबूलाल बैरवा ने कहा, मैं चार बार का विधायक हूं, स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा और जलदाय मंत्री महेश जोशी मेरे काम नहीं करते। मैं दलित विधायक हूं, शायद इसलिए परसादी मेरे काम नहीं करते, और तो कोई कारण समझ नहीं आता। महेश जोशी भी केवल झांसा देते हैं, मेरा कोई काम नहीं करते। स्वास्थ्य मंत्री का बेटा विभाग चला रहा है। बाबूलाल बैरवा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। बैरवा ने कहा- मैं चौथी बार विधायक हूं और मेरा कोई काम परसादी लाल मीणा नहीं करता है। मैं शेड्यूल कास्ट का आदमी हूं, इसलिए वह मेरा काम नहीं करता है। उससे ज्यादा सीनियर हूं। उससे ज्यादा और पहले मैं विधायक बना लेकिन मेरा कोई काम नहीं करता है। मैंने मेरे बेटे को भेजा, जो उपाध्यक्ष भी है उसे भगा दिया। स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल का बेटा विभाग चला रहा है। रघु शर्मा ने भी काम नहीं किए थे लेकिन मेरे आवाज उठाते ही दूसरे दिन ही सरेंडर हो गए थे। बैरवा ने कहा- मेरे इलाके में अस्पताल, सब सेंटर कुछ नहीं खोले। मेरे इलाके में सैकड़ों पद खाली हैं। डॉक्टर नहीं हैं।

मुख्यमंत्री और प्रभारी को कई बार कह दिया लेकिन काम नहीं हुए। जलदाय मंत्री महेश जोशी भी कोई काम नहीं करते। मेरे क्षेत्र में एक्सईएन लगाना है, स्टाफ लगाना है। कठूमर में एक्सईएन का नया ऑफिस खोला है लेकिन वहां अब तक कुछ नहीं हुआ। मैं 20 बार मिल चुका हूं। मंत्री बोल देते हैं लेकिन काम नहीं करते हैं।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में स्टूडेंट ने फंदा लगाया

अक्टूबर में लिया था एडमिशन, 13 दिन पहले ही लौटी थी घर से

अजमेर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सेंट्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली 17 साल की छात्रा ने हॉस्टल में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। स्टूडेंट ने एक महीने पहले 1 जनवरी को हॉस्टल में एडमिशन लिया था। 15 जनवरी को वह हॉस्टल में रहने आई थी। घटना अजमेर के किशनगढ़ में शुक्रवार रात 8 बजे की है। घरवालों का कहना है कि नासमझी में ऐसा कदम उठा लिया होगा। टोंक के लांबा हरिसिंह निवासी सोनाली ने अक्टूबर में बीएससी माइक्रोबायोलॉजी में एडमिशन लिया था। वह गर्ल्स हॉस्टल के ब्लॉक 4 में रहने के लिए आई थी। शुक्रवार शाम को हॉस्टल में रहने वाली छात्राएं खाना खाने बाहर निकल गई थी।

इसी बीच सोनाली ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। रात 9 बजे छात्राएं जब हॉस्टल के कमरे के बाहर पहुंची तो दरवाजा बंद मिला। छात्राओं ने दरवाजा बजाकर सोनाली को आवाज लगाई, लेकिन आवाज नहीं आई तो शक हुआ। इस पर साथी स्टूडेंट्स ने पास वाले रूम की बालकनी से होते हुए सोनाली के रूम की खिड़की से देखा तो वह फंदे पर झूलती मिली। यह देख मौके पर छात्राएं घबरा गई और उन्होंने हॉस्टल के वार्डन, सिक्योरिटी गार्ड को घटना की सूचना दी। जैसे-तैसे सिक्योरिटी गार्ड और वार्डन खिड़की तोड़कर अंदर पहुंचे। स्टूडेंट्स ने बताया कि सोनाली ने चुन्नी का फंदा बनाकर गले में डाल दिया था। चचेरे भाई उमेश साहू ने बताया कि हॉस्टल में एडमिशन के बाद छुट्टियों में गांव आई हुई थी।

श्री देवनारायण भगवान के जन्मोत्सव पर विशाल जागरण सम्पन्न

देव भक्तों का उमड़ा जन सैलाब

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुलापुरमेट देवधाम कवाड़पल्ली स्थित नवनिर्माणाधीन मंदिर प्लॉट पर श्री देवनारायण वीर गुर्जर समाज ट्रस्ट हैदराबाद तेलंगाना समाज बन्धुओं के सानिध्य मे दो दिवसीय श्री देवनारायण भगवान के 1111वें जन्मोत्सव पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे मंत्री चेनाराम नर्षण व प्रचार मंत्री प्रकाश कोली ने संयुक्तरुप से बताया कि इसमें मरुधरा की सुरीली फन्कार सोनम गुर्जरी ने देवनारायण भगवान के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पितकर, डांसर रेणु रंगीली के शानदार नृत्य पर समाज बन्धुओं ने देर रात तक नाचते गाते हुए लाभ लिया। कार्यक्रम मे पधारे बत्तोर मुख्यअतिथि एल.बी.नगर विधायक सुधीर रेड्डी, विशेष अतिथि सुगनाराम गुर्जर कमांडो, अभा गुर्जर महासभा तेलंगाना प्रदेशाध्यक्ष बहादुर मोटर, मुकेश सैनी, परबत सोलंकी, व प्रवासी बन्धुओं की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी महेन्द्र अग्रवाल, महावीर जैन, राजेश जांगिड़, मुकेश कोली, सुभाष तिवारी, महावीर कुमावत, अशोक जिंदल, जीएस चौधरी, जितेन्द्र चौधरी, मनीष चौधरी, जगदीश जाखड़, सतीश बंसल, जाट समाज ट्रस्ट अध्यक्ष दूदाराम बाबल, अ.भा.सीरवी महासभा अध्यक्ष हरजीराम काग, शमशाबाद सीरवी समाज अध्यक्ष आसाराम गेहलोत, जगदीश काग, धम्माईगुडा प्रजापत समाज प्रधान केराराम ब्रांदणा, अध्यक्ष मिठालाल ब्रांदणा, मदनलाल ब्रांदणा, तुलसीराम बंसल, व पधारे अतिथियों का अध्यक्ष देवीदत्त कोली व समाज के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। समाज मे किये जा रहे उत्कर्ष कायों के लिए अध्यक्ष देवीदत्त कोली एवं कार्यक्रम में पधारी उद्यमी मीनाकुमारी कोली का विशेष सम्मान किया गया। सम्बोधन भाषण मे बत्तौर मुख्यअतिथि बोलते हुए विधायक सुधीर रेड्डी ने जन्मोत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए समाज बन्धुओं द्वारा किये जा रहे मंदिर निर्माण के कार्यो पर प्रसन्नता जाहिर की। अवसर पर अध्यक्ष देवीदत्त कोली ने समाज बन्धुओं को भरोसा दिलाया कि तेलंगाना की पावन धरा पर समाज के मंदिर प्लॉट पर नवनिर्माणाधीन श्री देवनारायण भगवान के प्रथम व चमत्कारिक मंदिर का निर्माण कार्य समाज बन्धुओं के सहयोग से अतिशीघ्र पूर्णकर प्राण-प्रतिष्ठा कराना उनकी पहली प्राथमिक्ता होगी। मंदिर निर्माण के पश्चात् समाज के छात्रों के लिए शिक्षा सम्बंधित होस्टल का भी निर्माण कराया जाएगा। कार्यक्रम को भव्यरुप प्रदान करने मे नाथुराम गीड़ व चेनाराम नर्षण का भी सम्मान किया गया। अवसर पर पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। 28 जनवरी प्रात: वेला में समाज बन्धुओं ने श्री देवनारायण भगवान की तस्वीर पर पुष्प-हार, प्रसाद व श्रीफल भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे मंत्री चेनाराम नर्षण, कोषाध्यक्ष नाथुराम गीड़, प्रकाश कोली, मल्लाराम मोटर, राजुराम फारक, बाबुलाल भावला, बनवारीलाल, पूणमल, महावीरचन्द, फूलचन्द गुर्जर, व सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार परबत सोलंकी ने किया। मंच का संचालन मुकेश सैनी ने किया। अध्यक्ष देवीदत्त कोली के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा शिल्पशाला का आयोजन

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा द पावर ऑफ रेजोल्यूशन" शिल्पशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। मंडल अध्यक्ष अनीता गिरिया ने आई हुई सभी सुंदरी जोन, महावीर जोन की बहनो, मंडल पदाधिकारीगण, मुख्य वक्ता एवं मंडल सदस्यों का स्वागत किया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता श्रीमती प्रेम पारख ने बताया कि हर जीव में शक्ति होती है किंतु संकल्प शक्ति केवल मनुष्य में ही होती है। कोषाध्यक्ष शांता बैद ने बताया कि हमें अपने व्यस्त जीवन में लक्षित कार्यों के लिए समय जरूर निकालना चाहिए।

श्रीमती हर्ष लता दुधोडिया ने एक बहुत ही रोचक कहानी द्वारा संकल्प शक्ति का महत्व बताया। कार्यशाला के अंत में उपाध्यक्ष सरला मेहता द्वारा आई हुई सभी वक्ताओं एवं बहनों का आभार ज्ञापन किया गया। कार्यशाला में अहिंसा, हिंसा के पोस्टर्स का प्रचार प्रसार किया गया। सुन्दर संयोजन संयोजिका हर्षलता दुधोडिया, शांता बैद का रहा। कार्यशाला में अल्पना दुगड़, सीमा नाहर, रूबी दुगड़, मनीषा सिंघी, हेमा सुतलिया, प्रेम सुराणा, सोबाग बांठिया, नमिता सिंघी सुमन दुगड़, वीनू नाहटा, सुमन दुधेडिया, अनिता सेखानी, प्रेम सचेती, मीरा राखेचा, कंचन डूंगरवाल, मंजू लुणावत, सरोज मनोत, जया बेगवानी, किरण छाजेड आदि की उपस्थिति रही।

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन मंथन सत्र आयोजित

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में "आयुर्वेद में साहित्यिक शोध" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम दूसरे दिन का शुभारंभ डॉ. जीपी प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के स्वागत भाषण से हुआ।

मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. दिलीप कुमार कर, सहायक निदेशक (अनुसंधान) थे, कल्लाजी, विजयपाल शास्त्री नई दिल्ली में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के अतिथि थे। दूसरे दिन आयोजित मंथन सत्र के बाद डॉ. दिलीप कुमार कर, सहायक निदेशक (अनुसंधान), कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, डॉ. राकेश नारायणन, अनुसंधान अधिकारी द्वारा पांडुलिपि संपादन और संरक्षण के बारे में चर्चा की गई। तत्पश्चात डॉ. टी. साकेत राम, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), सीसीआरएएस, ने साहित्यिक कार्यों के लिए सीसीआरएएस स्टाइल गाइड के बारे में बात की और डॉ. विनोद लवानिया, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) सीसीआरएएस ने चिकित्सा पांडुलिपियों पर व्याख्यान दिया। बाद में डॉ. पीवीवी प्रसाद, पूर्व निदेशक, सीएआरआई, कोलकाता ने साहित्य अनुसंधान में सीसीआरएएस के योगदान के बारे में बात की। कार्यशाला के पैनलिस्टों ने सिफारिश की कि भविष्य के साहित्यिक शोध के लिए आवश्यक तैयारी की जाए। डॉ. वी. श्रीदेवी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) और डॉ. बिस्वरंजन दास अनुसंधान अधिकारी (होमियो) द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया।

कर्मचारी भविष्य निधि संस्था की नई योजना की जानकारी दी गई

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कर्मचारी भविष्य निधि संस्था द्वारा निधि आपके निकट का दूसरा चरण प्रारम्भ किया गया है। आन्ध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि. द्वारा इस योजना की विस्तृत जानकारी हेतु एक सेमिनार का आयोजन बैंक के बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय में किया गया। आंचलिक भविष्य निधि आयुक्त एमएच वारसी, इनफोर्समेन्ट अधिकारी वाई. सुन्दर राव के साथ बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का शुभारंभ किया। अतिथियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने कहा कि ग्राहकों की संख्या और वित्तीय भुगतान के दृष्टिगत कर्मचारी भविष्य निधि संस्था विश्व की सबसे बडी संस्था है। इस संस्था के तहत पेंशन भुगतान योजना, भविष्य निधी भुगतान बीमा योजना द्वारा देश भर के सभी वर्ग के कर्मचारियों के हित के कार्य किए जाते हैं। कर्मचारी की आपातकालीन आवश्यकता में जरुरत को पूर्ण करने में इस योजना का लाभ मिलता है। यह संस्था निधि आपके निकट, पेंशन अदालतों के द्वारा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का त्वरित प्रयास करती है। आंचलिक भविष्य निधि आयुक्त एमएच वारसी ने उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जरुरत के समय अपूर्ण केवाईसी वाले कर्मचारियों को भुगतान में समस्याएँ आती है अतः सभी कर्मचारी केवाईसी की आवश्यकता जनकारी अपने संस्थान के द्वारा भविष्य निधी कार्यालय को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराये। उपस्थित सदस्यों की शंकाओं का समाधान श्री वारसी एवं सुन्दर राव द्वारा किया गया। सेमिनार में उपस्थिति के लिए आभार प्रदर्शन के पहले बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने अतिथि वक्ताओं का पारम्परिक सम्मान कर स्मृति चिह्न प्रदान किए।

हिंदी विद्वान की मान्यता को यथावत लागू करने के संबंध में शिक्षामंत्री को ज्ञापन

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना राज्य की शिक्षा मंत्री श्रीमती सबिता इंद्रा रेड्डी से मुलाकात कर हिंदी के प्रचार-प्रसार में विशेष सहयोग देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने हिंदी विद्वान मान्यता यथावत लागू करवाने संबंधी ज्ञापन भी सौंपा गया। इस अवसर पर सभा के प्रधानमंत्री ने प्रेमकुमार, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के अध्यक्ष जी. गाँधी, मंत्री डॉ. सादिख पाशा, संयुक्त मंत्री ए. के. राजु, सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, कार्यकर्ता संघ के मंत्री सी. शिवलिंगम आदि उपस्थित थे। इस दौरान हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद की हिंदी प्रचारिका (दैनंदिनी) एवं कैलेण्डर का लोकार्पण शिक्षा मंत्री श्रीमती सबिता इंद्रा रेड्डी ने किया।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज का 23वाँ वार्षिक समारोह एवं शपथ ग्रहण संपन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद का 23वाँ वार्षिक समारोह रामकोट स्थित सरोजिनी देवी हॉल में आयोजित हुआ। समाज के संयुक्त सचिव रजीत कुमार शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह दो भागों में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम जगतगीर गुट्टा स्थित परशुराम मंदिर प्रांगण में प्रातः 10:30 बजे झंडोत्तोलन कर राष्ट्र के प्रति सद्भाव अर्पित किया गया। समारोह का दूसरा भाग सरोजिनी देवी हॉल में महोत्सव के रूम में मनाया गया। दो सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामप्रवेश ठाकुर (पूर्व डीजीपी आंध्र प्रदेश) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनके साथ समाज के अध्यक्ष सुजीत ठाकुर ने मंच पर आसन ग्रहण किया। श्रीमती सुधा राय ने शब्द पुष्पों से सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में हैदराबाद शहर में अपने आरंभिक दिनों के अनुभवों को साझा करते हुए समाज का महत्व समझाया। अध्यक्षीय उद्बोधन में सुजीत ठाकुर ने अपनी पाँच वर्ष के कार्यकाल में कार्यकारिणी एवं समाज के सदस्यों का साथ एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त की और आगामी कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ दी।

अवसर पर शिक्षा सहयोग, मेधावी और प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार, विशेष क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त एवं वरिष्ठ ब्रह्मर्षियों का सम्मान आदि कई कार्यक्रम रखे गये। कार्यक्रमों के अंतर्गत बेहतर ब्रह्मर्षि का निर्माण हेतु समाज के 20 बच्चे जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं उन्हें सहयोग राशि प्रदान की गई। यह राशि मानवेंद्र मिश्र, सुजीत ठाकुर एवं गोविंद राय के सौजन्य से दी गई। अवसर पर आगामी दो वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। 18 सदस्यों की कार्यकारिणी में मानवेंद्र मिश्रा (अध्यक्ष), श्रीमती अनीता राय (उपाध्यक्ष), सुनील सिंह (महासचिव), पंकज कुमार सीए (सहसचिव), तिरुपति राय (सहसचिव), प्रेमशंकर सिंह (कोषाध्यक्ष), रंजीत कुमार शुक्ला (कॉर्डिनेटर), श्रीमती उषा शर्मा (महिला अध्यक्ष) के साथ सुजीत ठाकुर, पंकज सिंह, मोहन कुमार सिंह, श्रीमती स्वप्निल राय, श्रीमती प्रगती शर्मा,अमर सिंह, मनोज शाही एवं विनोद राय ने कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने की शपथ ली।

शिवरामपल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में राजस्थान से पधारे अतिथियों जाट नेता रामराज बेडा, रामउतार बेडा, किशनाराम दूसतावा, रामजीवण जाट, गोपराम जाट, सोहनलाल, रामस्वरूप जाट का सम्मान करते हुए तेलंगाना जाट एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष धर्माराम ढाका, महावीर, कैलाश, ओमप्रकाश, आरके शर्मा, रगूविर शर्मा, चंद्रप्रकाश दायमा, श्यामसुंदर इटोदिया, राधाकिसन शर्मा व अन्य।

अग्रणी महिला मंच द्वारा मनाई गई लाला लाजपतराय जी की जयंती में भाग लेते हुए मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, संगीता जाजोदिया, स्मिता शाह, रीता अग्रवाल, प्रीति गोयल, पवन भुवानिया।

आबिड्स स्थित राघव रत्ना टावर में नवभारत निर्माण संघ के तत्वावधान में प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट पी.सुषमा को जुतुरी विजयलक्ष्मी स्मारक पुरस्कार से सम्मानित करते हुए समाजसेवी अमृत कुमार जैन। साथ में संस्थाध्यक्ष एस. रवि कुमार, सज्जनराज कोठारी, देवी चंद भंडारी, परमेश्वर, पी.सुप्रिया एवं अन्य।

डाक विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप ने सुझाव दिया कि डाक विभाग द्वारा लागू आवर्ती जमा, सुकन्या समृद्धि, डाक जीवन बीमा और अन्य योजनाओं का लाभ उठाया जाना चाहिए। पोस्टमास्टर बलय्या के निर्देशन में आज बोइनपल्ली पोस्ट ऑफिस में उक्त योजना की शुरूआत की गई। इस दौरान निजी उद्योग के कर्मचारियों ने खाते खोले तथा श्री प्रताप ने अपने पैसे ये 10 लोगों के लिए आरडी खाते खुलवाये। इस मौके पर उन्होंने कहा कि डाक विभाग के तत्वावधान में बोईनापल्ली खेल मैदान स्थित कार्यालय में 8 फरवरी से तीन दिनों के लिए निःशुल्क आधार केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नाम बदलने और अन्य सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। पोस्टमास्टर बलैया ने कहा कि जम्पना प्रताप ने डाक विभाग के मेले के दौरान आगे आकर दस खाते खुलवाए। डाक विभाग के अंतर्गत कई योजनाएं हैं और लोगों को इनका उपयोग करने के लिए कहा जाता है। कार्यक्रम में डाक विभाग के कर्मचारी डेविड विष्णुवर्धन, मुकेश यादव, महेंद्र, वरप्रसाद, शाकिब, आजम, गणेश आदि शामिल हुए।

मल्लापुर में वसंतोत्सव एवं सरस्वती पूजा संपन्न

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के सहयोग से मल्लापुर सरस्वती पूजा यूथ एसोसिएशन द्वारा बसंतोत्सव व सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि मल्लापुर सरस्वती पूजा यूथ एसोसिएशन के प्रमुख रविंद्र, शत्रुघ्न, अजित, मनजीत एवं उनके सहयोगी के अथक प्रयास से पूजा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफलता से संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक, कारपोरेटर सहित अन्य गणमान्य ने हिस्सा लिया। बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह ने विधायक सुभाष रेड्डी का स्वागत किया। कार्यक्रम में जे. प्रभूदास, कॉरपोरेटर एचबी कॉलोनी फोर्थ डिवीजन, पी. देवेंद्र रेड्डी, कॉरपोरेटर मल्लापुर एवं कारपोरेट नाचाराम श्रीमती सी. शांति, द्वारा बिहार वासियों को सराहा एवं आश्वासन दिया कि स्थानीय स्तर पर हमसे जितना सहयोग बन पाएगा हम आपके लिए तत्पर रहेंगे। विधायक सुभाष रेड्डी जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा हम और हमारी सरकार आप बिहार वासियों के साथ है और भविष्य में भी हम आपके साथ बने रहेंगे। उन्होंने कहा जल्द ही हम मुख्यमंत्री केसीआर से मिलकर सूर्य मंदिर की स्थापना हेतु भूमि अधिग्रहण का काम पूरा करेंगे तथा हमारे क्षेत्र में जहां भी बिहार वासियों को छठ पूजा हेतु जगह का अभाव है, वहां समुचित जगह उपलब्ध कराने का व्यवस्था करेंगे। कार्यक्रम को प्रभास कुमार, मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम यादव, अशोक प्रसाद सिंह एवं अन्य गणमान्य ने संबोधित किया। आगंतुकों को राजू राय, शत्रुघ्न, रविंदर, रमेश, हरेराम यादव, दीपक यादव, विनोद गुप्ता, रविशंकर सिंह, दिलीप कुमार, शंभूनाथ झा, मनजीत, अजीत, मिथिलेश, प्रमोद इत्यादि के द्वारा स्वागत किया गया।

जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने जाने-माने आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री चिन्ना जीयर स्वामी जी को केंद्र सरकार द्वारा घोषित प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर गौलीगुड़ा में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया तथा लोगों में मिठाइयां बांटी। इस अवसर पर रघु कांबले, शिव के साथ रामकृष्ण, संदीप जैन, हरिनाथ, साईं, बालाजी, मल्लेश और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

त्रिपुरा चुनाव के ...

भाजपा ने लेफ्ट के 25 साल के गढ़ को ध्वस्त कर दिया था। पहले बिप्लब देव सीएम बनाए गए थे, लेकिन मई 2022 में माणिक साहा को मुख्यमंत्री बना दिया गया। आगामी चुनाव में भाजपा को रोकने के लिए सीपीएम और कांग्रेस ने हाथ मिला लिया है। एक और बड़ी पार्टी ममता बनर्जी की टीएमसी भी है, जो भाजपा को टक्कर दे सकती है।

त्रिपुरा में भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़प विधानसभा चुनाव की घोषणा होने के करीब आधे घंटे बाद त्रिपुरा के मजलिसपुर में भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़प हुई। इसमें कई लोग घायल हो गए। झड़प में कांग्रेस नेता डॉ. अजय कुमार घायल हो गए। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉ. अजय कुमार अभी त्रिपुरा, नगालैंड और सिक्किम के प्रदेश प्रभारी हैं। वे कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं।

3 राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान एक साथ हुआ :

चुनाव आयोग ने 17 जनवरी को त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड के विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। त्रिपुरा में 16 फरवरी को मतदान होगा। मेघालय और नगालैंड में 27 फरवरी को वोटिंग होगी। सभी राज्यों के नतीजों का ऐलान 2 मार्च को होगा। इन चुनावों की एक दिलचस्प बात यह है कि तीनों राज्यों में बहुमत का आंकड़ा 31 है।

पीएम ने नहीं ...

मोदी ने कहा कि गुर्जर समाज शौर्य-पराक्रम और देशभक्ति का पर्याय रहा है। राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा में हर वक्त प्रहरी की भूमिका निभाई है। गुर्जर समाज के युवा जो हकदार थे, उनको उनका हक नहीं मिला। युवा भगवान देवनारायण के संदेशों को और मजबूती से आगे बढ़ाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी का ये समय भारत और राजस्थान के लिए बहुत अहम है।

सुप्रीम कोर्ट के ...

एक नागरिक के रूप में, मैं इसकी आलोचना कर सकता हूं, कोई बात नहीं। लेकिन यह कभी मत भूलें कि आप एक अथॉरिटी हैं और एक प्राधिकरण के रूप में आप सही या गलत के फैसले से बंधे हैं। पूर्व जज खुद अगस्त 2021 में सेवानिवृत्त होने से पहले कॉलेजियम का हिस्सा थे। उन्होंने सुझाव दिया है कि कॉलेजियम की ओर से किसी जज के नाम की सिफारिश के बाद सरकार को 30 दिनों के अंदर जवाब देना चाहिए। अगर तय समय सीमा के अंदर सरकार कोई जवाब नहीं देती है तो यह मान लिया जाए कि सरकार के पास कहने के लिए कुछ नहीं है। संविधान इसी तरह काम करता है। यदि आपके पास स्वतंत्र और निडर जज नहीं हैं, तो कुछ नहीं बचा है।

सुंदर ने पकड़ा फ्लाइंग कैच- ईशान का रॉकेट थ्रो - कन्फ्यूजन में कॉन्वे ने कैच छोड़ा

देखें पहले टी-20 के टॉप मोमेंट्स

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। धोनी के शहर रांची में भारत का अजेय रिकॉर्ड टूट गया। टीम इंडिया को टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 21 रनों से हराया। शुक्रवार शाम को उतार-चढ़ाव भरे इस मुकाबले में कई रोचक मोमेंट देखने को मिले। वॉशिंगटन सुंदर के सुपर कैच के साथ-साथ ईशान किशन का डायरेक्ट थ्रो हमें लंबे समय तक याद रहने वाले हैं। वहीं, अर्शदीप सिंह ने एक ऐसा ओवर किया जिसे वे खुद जल्द से जल्द भूलना चाहेंगे। चलिए ऐसे ही तमाम लम्हों से एक बार फिर गुजर लेते हैं...

वाशिंगटन का अति सुंदर कैच

टॉस गंवाकर बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड टीम ने 4 ओवर में 37 रन बना लिए थे। ऐसे में कप्तान पंड्या ने वाशिंगटन सुंदर को गेंद थमाई। बैटर फिन एलेन ने ओवर की पहली ही बॉल पर छक्का जड़ दिया। हालांकि, सुंदर ने अगली ही गेंद पर हिसाब बराबर कर दिया। उन्होंने एलेन को डीप मिडविकेट पर खड़े सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराकर चलता कर दिया। इस ओवर का रोमांच यही समाप्त नहीं हुआ।

ओवर की आखिरी बॉल पर सुंदर ने मार्क चैपमैन को शून्य के स्कोर पर चलता कर दिया। सुंदर की स्लोअर बॉल को लेफ्ट हैंड बल्लेबाज चैपमैन पुश करना चाहते थे, लेकिन शॉट संभाल नहीं सके और गेंद सामने की ओर हवा में चली गई। सुंदर ने दाईं ओर छलांग लगाते हुए एक हाथ से कैच लपक लिया। चैपमैन बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

ईशान का डायरेक्ट थ्रो पर रन आउट

18वें ओवर अर्शदीप सिंह डाल रहे थे। ओवर की 5वीं बॉल डेरिल मिचेल के पैड से लगकर शॉर्ट लेग की दिशा में गई। दूसरी छोर पर खड़े माइकल ब्रेसवेल एक रन चुराने की कोशिश में दौड़ पड़े। इस बीच विकेटकीपिंग कर रहे ईशान किशन ने पीछे भागते हुए बॉल पकड़ी और शॉर्ट लेग से स्टंप पर कमाल का डायरेक्ट थ्रो मार दिया। ब्रेसवेल रन आउट हो गए।

अर्शदीप के एक ओवर में लगातार 3 छक्के

पारी का आखिरी ओवर फेंकने की जिम्मेदारी अर्शदीप को मिली। मिचेल ने पहली गेंद पर छक्का जमा दिया। यह नो बॉल थी। मिचेल ने अर्शदीप दूसरी और तीसरी बॉल पर भी छक्के जमाए। वे यहीं नहीं रुके ओवर की चौथी बॉल पर एक चौका भी जड़ा। इस ओवर से 27 रन आए और न्यूजीलैंड का स्कोर 176 रन पहुंच गया। इसी ओवर ने मैच में अंतर पैदा कर दिया। एक समय लग रहा था कि कीवी टीम 150-155 रन ही बना सकेगी।

ब्रेसवेल ने रन आउट का हिसाब बोल्ड कर चुकाया

भारतीय पारी के दूसरे ही ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने ईशान किशन से अपना हिसाब बराबर कर दिया। किशन ने उन्हें रन आउट किया था। ब्रेसवेल ने किशन को बोल्ड किया। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज महज 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

पहले आप...पहले आप के चक्कर में टपकाया कैच

14वें ओवर की 5वीं बॉल पर ड्वेन कॉन्वे और ईश सोढ़ी ने पहले आप...पहले आप के कन्फ्यूजन में सुंदर का कैच टपका दिया। सुंदर इस बॉल को पुल करना चाहते थे, लेकिन बॉल बल्ले का टॉप एज लेकर फाइन लेग के ऊपर खड़ी हो गई। ऐसे में विकेटकीपर कॉन्वे कैच पकड़ने के लिए पीछे की ओर दौड़े। दूसरी ओर से ईश सोढी भी बॉल की ओर आए। ऐसा लगा कि कॉन्वे अटैम्प्ट करेंगे, लेकिन सोढ़ी आगे बढ़ गए।

दोनों के कन्फ्यूजन में बॉल जमीन पर गिर गई। इस बीच सुंदर ने दो रन चुरा लिया।

अगले ही ओवर की दूसरी बॉल पर मार्क चैपमैन ने लॉन्ग ऑफ पर दीपक हुड्डा का कैच छोड़ा। इतना ही नहीं, आखिरी ओवर में ईश साढ़ी ने मिड ऑफ में सुंदर का कैच छोड़ा।

फर्ग्युसन की बाउंसर पर लड़खड़ाए सुंदर

भारतीय पारी के 20वें ओवर में तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्युसन ने वाशिंगटन सुंदर को करारी बाउंसर मारी। जिससे सुंदर लड़खड़ा गए। गनीमत की बात है कि उन्हें कोई चोट नहीं लगी। अगली ही बॉल पर सुंदर ने अपना पहला टी-20 अर्धशतक पूरा किया। वे टीम इंडिया को जीत नहीं दिला सके, लेकिन बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग तीनों में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने फैंस का दिल जरूर जीता।

वर्ल्ड कप में पहली बार सभी ऑफिशियल्स महिलाएं

18 साल खेलने के बाद रेफरी बनीं लक्ष्मी, रेफरी पैनल में इकलौती भारतीय

दुबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 10 फरवरी से होगा। आईसीसी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में सारी मैच ऑफिशियल्स महिलाएं होंगी। आईसीसी की 13 सदस्यों की सूची में भारत से जीएस लक्ष्मी, वृंदा राठी और एन. जननी ऑफिशियल्स के तौर पर शामिल होंगी। लक्ष्मी रेफरी हैं जबकि वृंदा और जननी अंपायर के तौर पर शामिल हैं। ये पहली बार है, जब पूरी महिला ऑफिशियल्स की टीम किसी आईसीसी टूर्नामेंट में काम करेगी। आईसीसी ने बताया कि वे क्रिकेट में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना चाहते हैं।

आईसीसी मैच रेफरी पैनल में जगह बनाने वाली पहली महिला है लक्ष्मी, वृंदा, जननी कर चुकी रणजी में अंपायरिंग

जीएस लक्ष्मी महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑफिशियल रेफरी के रूप में जाने वाली 3 सदस्यीय टीम का हिस्सा है। वे आईसीसी रेफरी पैनल में शामिल होने वाली पहली महिला भी हैं। साथ ही, पुरुष वनडे मुकाबले में रेफरी की भूमिका निभाने वाली पहली महिला भी थीं। इन्होंने ये मुकाम साल 2020 में हासिल किया था।

54 वर्षीय लक्ष्मी खुद ऑलराउंडर रह चुकी हैं। अपने 18 साल के करियर के दौरान उन्होंने साउथ सेंट्रल रेलवे, आंध्रप्रदेश, बिहार, ईस्ट जोन और साउथ जोन की टीम के लिए खेला है। 1999 में लक्ष्मी को भारतीय टीम में भी चुना गया, लेकिन वे प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना पाई। इसके बाद 2004 में उन्होंने संन्यास लिया। एक रेफरी के तौर पर उन्होंने 2008 में एक घरेलू मैच में दूसरी पारी का आगाज किया था।

दिसंबर 2022 में वृंदा और जननी रणजी में अंपायरिंग करने वाली पहली महिला जोड़ी बनी थी। दोनों को 2018 में आईसीसी अंपायरों के विकास पैनल में भी शामिल किया गया था। वृंदा ने अपने अंपायरिंग करियर की शुरुआत मुंबई के मैदानों से की।

वे 2013 के महिला वर्ल्ड कप में ऑफिशियल स्कोरर भी रह चुकी हैं। दूसरी ओर, जननी ने अंपायरिंग करियर 2021 में तमिलनाडु प्रीमियर लीग से किया। वे सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। अंपायर बनने की चाह में जननी ने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था।

यूएसए में होगा कोपा अमेरिका टूर्नामेंट

२०२४ में होगा आयोजन, दोनों कांटिनेंट की टीमें उतरेंगी

खेल डेस्क, 28 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अमेरिका यानी लैटिन अमेरिका का सबसे बड़ा टूर्नामेंट कोपा अमेरिका 2024 में यूएसए में होगा। इसमें लैटिन अमेरिका की 10 टीमें और नार्थ अमेरिका महाद्वीप की 6 टीमें हिस्सा लेंगी। नार्थ अमेरिका महाद्वीप में अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको समेत कैरिबियाई देश भी आते है। इस टूर्नामेंट से लैटिन अमेरिका और नार्थ अमेरिका के फेडरेशन के बीच रिश्ते बेहतर होंगे।

बेहतर मुकाबले के लिए साथ आए फेडरेशन

लैटिन अमेरिका के फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष अलेजांद्रो डोमिंगुएज ने कहा कि दोनों फेडरेशन मिलकर फुटबॉल की बेहतर मुकाबला देखना चाहते है। दोनों मिलकर फुटबॉल को मजबूत करेंगे। दोनों फेडरेशन को एक दूसरे पर भरोसा है और दोनों मिलकर काम करेंगे।

दूसरी बार अमेरिका में हो रहा आयोजन

2016 में भी अमेरिका ने इस टूर्नामेंट को होस्ट किया था। इसमें भी 16 टीमों ने हिस्सा लिया था। यह दूसरी बार होगा जब लैटिन अमेरिका के बाहर कोपा अमेरिका टूर्नामेंट होने जा रहा है।

2026 फीफा वर्ल्ड कप भी यहीं

नार्थ अमेरिका के तीन राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा, मिलकर 2026 वर्ल्ड कप की भी मेजबानी कर रहे है।

वर्ल्ड कप से दो साल पहले 16 टीमों के टूर्नामेंट खेलने से टीमों और वहां की व्यवस्थाओं में सुधार आएगा।

विमेंस फुटबॉल पर भी जोर

2024 में नए विमेंस नार्थ अमेरिका फुटबॉल फेडरेशन गोल्ड कप में खेलने के लिए दक्षिण अमेरिका की चार बड़ी टीमों को आमंत्रित भी करेगा। इस टूर्नामेंट को भी अमेरिका में आयोजित किया जाएगा और इसमें ब्राजील, कोलंबिया, अर्जेंटीना और पैराग्वे शामिल होंगे।

30 करोड़ रुपए में बिकी लेब्रोन जेम्स की जर्सी

2013 में एनबीए फाइनल में इसे ही पहनकर जीते थे

खेल डेस्क, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बास्केटबॉल सुपरस्टार लेब्रोन जेम्स की पहनी जर्सी 30 करोड़ रुपए में बिकी। 38 साल के बास्केटवाल प्लेयर की यह जर्सी एक ऑक्शन में नीलाम हुई। इसे जेम्स ने 2013 के एनबीए फाइनल में पहना था और चैंपियन बने थे। इससे पहले भी 2020 में लेब्रोन की ऑल स्टार जर्सी 5 लाख 13 हजार रुपए में बिकी थी।

जॉर्डन की जर्सी सबसे महंगी

माइकल जॉर्डन की 1998 की एनबीए फाइनल जर्सी, जो सितंबर 2022 में $10.1 मिलियन में बिकी, वर्तमान में इस तरह की सबसे मूल्यवान वस्तु है। माइकल जॉर्डन की 1998 के एनबीए फाइनल में पहनी हुई जर्सी आज भी सबसे महंगी है। 2022 में उनकी जर्सी करीब 81 करोड़ रुपए में बिकी थी।

सबसे ज्यादा पॉइंट बनने वाले खिलाड़ी बनने के करीब

लेब्रोन जेम्स को 178 पॉइंट्स की जरूरत है। इसके बाद वे अब्दुल जब्बार के 38,387 पॉइंट्स के रिकॉर्ड को तोड़कर एनबीए के इतिहास में सबसे ज्यादा पॉइंट्स स्कोर करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

रणजी: 41 बार का विजेता मुंबई रणजी से बाहर

क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी सौराष्ट्र आखिरी ग्रुप मैच हारी

खेल डेस्क, 28 जनवरी (एजेंसियां)। रणजी के इतिहास में सबसे सफल टीम 41 बार की चैम्पियन मुंबई क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच सकी। अंतिम-8 में पहुंचने के लिए मुंबई को महाराष्ट्र से जीतना जरूरी था, लेकिन दोनों के बीच मुकाबला चौथे दिन ड्रॉ पर खत्म हुआ। मुंबई ने अंतिम दिन 51 रन से खेलना शुरू किया। उन्हें जीत के लिए 253 रन बनाने थे, लेकिन पहले सेशन में मुंबई ने 51 रन बनाकर चार विकेट गंवा दिए।

इसके बाद टीम डिफेंसिव हो गई और 195 रन ही बना पाई। दूसरी ओर, क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी सौराष्ट्र को तमिलनाडु ने 59 रनों से हराया। अंतिम दिन सौराष्ट्र को जीत के लिए 266 रनों की जरूरत थी, लेकिन टीम केवल 206 रन पर ढेर हो गई। सौराष्ट्र की दूसरी पारी में हार्विक देसाई ने सबसे ज्यादा 101 रन बनाए। अजीत ने दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए। पहली पारी में उन्होंने 3 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सफलता के साथ असफलता का भी जश्न मनाना जरूरी

सचिन बोले- खेल कभी हार न मानने वाली भावना सिखाता है

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि खेल हमारे देश का एक अभिन्न हिस्सा रहा है। हमारे देश में न जाने कितने खेलों ने जन्म लिया। हर चाल में गेम बदलने वाला चेस भारत से उपजा। अब इस खेल में कई भारतीय देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। इसी तरह अन्य देशों द्वारा बनाए खेलों में भी भारतीय टीमों का अद्वितीय प्रदर्शन रहा है।

क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, सेलिंग, बैडमिंटन, बिलियर्ड्स में तो भारत ने विश्व विजेता की उपलब्धि भी हासिल की। इन कारणों से अब जब बच्चे घर से बाहर निकलकर गलियों में अपने दोस्तों के साथ खेलते हैं तो उनके माता-पिता घरों से ही अपने बच्चों को खेलते हुए देखते हैं और उत्साह बढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में हार-जीत मायने नहीं रखती। अगर बच्चा जीत जाता है तो अभिभावक उसके साथ जश्न में शामिल होते हैं और अगर वो हारता है तो वे अपने बच्चे को सांत्वना देते हैं। फिर वो बच्चा खेल को लेकर उतना ही उत्साहित रहता है, जितना वो पहले था।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में भी हार न मानने वाली भावना रहती है। एक खिलाड़ी कितनी बार जीता है, उससे उसकी सफलता को नापा जाता है। लेकिन, उनके जीवन में हार भी अहम भूमिका निभाती है। खेल ही दृढ़ता और दृढ़ संकल्प सिखाता है। पिछले साल, भारत ने एक नए खेल को देखा। रूपा रानी, पिंकी, नयनमोनी और लवली चौबे ने लॉन बॉल्स में भारतीयों की दिलचस्पी पैदा की।

इस टीम ने कॉमनवेल्थ में भारत के लिए लॉन बॉल्स में पहला गोल्ड जीता। समाज ने जीतने को ही तवज्जो दी है, लेकिन ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम किसी की मेहनत और उसके संघर्ष पर भी उतना ही ध्यान दें। जीतने के लिए की गई कोशिश को भी लोगों की सराहना मिलना जरूरी है। हो

सबालेंका ने जीता साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन

फाइनल में राइबकिना को हराया, कल मेंस सिंगल्स का फाइनल होगा

मेलबर्न, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कजाकिस्तान की एरिना सबालेंका ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीत लिया है।

24 साल की सबालेंका ने अपने ही देश की एलेना राइबकिना को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। मेलबर्न स्थित रॉड लेवर एरीना में शनिवार को एरिना सबालेंका ने पहला सेट 6-4 से गंवाने के बाद दूसरे सेट में 6-3 की जबर्दस्त वापसी की। ऐसे में मुकाबला एक-एक ही बराबरी पर आ गया। तीसरे और निर्णायक सेट को सबालेंका ने 6-4 से अपने नाम करते हुए टाइटल जीता।

राइबकिना ने अजारेंका, सबालेंका ने लिनेटे का सपना तोड़ा

26 जनवरी को मेलबर्न के कोर्ट पर कजाकिस्तान की एलेना राइबकिना और बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका को 7-6, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ राइबकिना ने अजारेंका का ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने का सपना तोड़ दिया।

अजारेंका ने 2007 में US ओपन और 2008 में फ्रेंच ओपन जीता था। 2007 में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन टाइटल नहीं जीत सकी थीं। 2018 में वह विंबलडन फाइनल तक पहुंची। लेकिन यहां भी खिताब नहीं जीत सकीं। जबकि 23 साल की राइबकिना ने पिछले साल विंबलडन जीता था। वह अपने शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए एक और ग्रैंड स्लैम जीतने की ओर बढ़ रही हैं।

सबालेंका भी सीधे सेटों में जीतीं

बेलारूस की ही अरिना सबालेंका ने पोलैंड की मार्ग्डा लिनेट को सेमीफाइनल में हराया। पहला सेट 7-6 से जीतने के बाद सबालेंका ने दूसरा सेट 6-2 के अंतर से जीत लिया। 24 साल की सबालेंका पहली ही बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची हैं।

उनके और राइबकिना के बीच शनिवार को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

क्रिकेट में बिजी शेड्यूल को लेकर बोले डिविलियर्स

कहा - अब खिलाड़ियों के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलना नामुमकिन यह एक सजा की तरह

खेल डेस्क, 28 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के महानतम बल्लेबाजों में से एक एबी डिविलियर्स ने कहा कि क्रिकेट के टाइट शेड्यूल के कारण प्लेयर्स के लिए तीनों फॉर्मेट खेलना मुश्किल बनता जा रहा है। यह उनके लिए एक सजा की तरह हो गया है। एक प्लेयर तीनों फॉर्मेट तब ही खेल सकता है जब वह बीच में ब्रेक ले।

डिविलियर्स ने परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए लिया था रिटायरमेंट

एबी डिविलियर्स ने 2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। इसके 3 बाद उन्होंने 2021 में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए क्रिकेट छोड़ दिया।

खिलाड़ियों को चुनना होगा अपना फॉर्मेट

पीटीआई को दिए इंटरव्यू में डिविलियर्स ने आगे कहा कि, खिलाड़ियों के करियर को बढ़ाया जा सकता है अगर वे अपने फॉर्मेट चुन ले।इसके साथ ही बोर्ड को खिलाडियों से इस बारे में बात करनी चाहिए ताकि बैलेंस बना रहे। बोर्ड को खिलाड़ियों को चुनना चाहिए उनसे बात करनी चाहिए। खिलाड़ियों को सुनकर और उनके लक्ष्य को समझ कर यह पता करना चाहिए की खिलाडी कहा फिट होते है। उनसे पूछा जाना चाहिए की वे लीग में ज्यादा समय देना चाहते है या इंटरनेशनल क्रिकेट में।

लीग में खेलना भी जरूरी

डिविलियर्स ने आगे कहा कि, दुनियाभर की लीग में खेलना जरूरी भी है। इससे अनुभव मिलता है। सूर्यकुमार यादव, मैं और डेवल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी लीग के कारण ही क्रिकेट को अलग स्तर पर ले जा पाए है प्लेयर के साथ यह चर्चा करना बहुत जरूरी है की वह गोल हासिल करना चाहता है या नहीं। कई खिलाडी एक फॉर्मेट में कमजोर होते है और वो इस बारे में जानते है फिर भी वे बात नहीं कर पाते। इस बार में चर्चा जरूरी है। मेरे करियर के दौरान भी मैं बोर्ड से बातचीत नहीं कर पाया और न ही कभी बोर्ड ने बात की। इस वजह से हम किसी योजना को बना नहीं पाए जिससे मै और क्रिकेट खेल पाता।

केटीआर ने केंद्र से की गरीब हितैषी व किसान हितैषी बजट की मांग

पीएम से की तेलंगाना सरकार के सभी अनुरोधों पर विचार करने की अपील

निजामाबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने 1 फरवरी को तेलंगाना को दिए गए सभी आश्वासनों को पूरा करने के अलावा बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से गरीब समर्थक और किसान समर्थक बजट पेश करने की मांग की है। तेलंगाना सरकार से सीख लेते हुए, भाजपा सरकार को पीएम किसान कार्यक्रम के लिए पर्याप्त धन आवंटित करना चाहिए और प्रति फसल किसानों को प्रति एकड़ 5000 रुपये की वित्तीय सहायता देनी चाहिए। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने मांग की कि इसे कृषक समुदाय को मुफ्त बिजली भी देनी चाहिए।

रामाराव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चूंकि केंद्र में भाजपा सरकार द्वारा पेश किया जाने वाला यह आखिरी बजट है, इसलिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तेलंगाना सरकार द्वारा किए गए सभी अनुरोधों पर विचार करने और तेलंगाना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करने की मांग करता हूं। तेलंगाना सरकार किसी भी सिंचाई परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा देने की अपील करती रही है लेकिन इस पर विचार नहीं किया गया। राज्य को एक भी शिक्षा संस्थान स्वीकृत नहीं किया गया और निजामाबाद को हल्दी बोर्ड देने से मना कर दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही केंद्र को विस्तार से अपनी मांगें सौंप चुकी है। इसके विपरीत यहां के भाजपा नेता बेबुनियाद आरोप लगा रहे थे कि तेलंगाना कर्ज में डूबा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले 14 प्रधानमंत्रियों ने पिछले 67 वर्षों में 56 लाख करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किया था और अकेले नरेंद्र मोदी ने केवल आठ वर्षों में 100 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भाजपा की अवसरवादी राजनीति का पर्दाफाश करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसानों के कल्याण के खिलाफ है, उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 12 लाख करोड़ रुपये के कॉर्पोरेट ऋण माफ कर दिए हैं, लेकिन किसान समुदाय को मुफ्त बिजली देने को तैयार नहीं है।

पिछले आठ वर्षों में, तेलंगाना सरकार ने रैतु बंधु योजना के लिए 65,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, कालेश्वरम परियोजना का निर्माण किया गया है, किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति की जा रही है, मिशन भागीरथ लिया गया है और कई अन्य विकासात्मक कार्य निष्पादित किए गए हैं।

भाजपा सरकार के शासन में महंगाई बढ़ गई है, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ गई है और ईंधन की कीमतें भी बढ़ गई हैं। 2014 में, एक लीटर पेट्रोल की कीमत 70 रुपये थी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 94 अमेरिकी डॉलर थी। 2023 में कच्चे तेल की कीमत 90 अमेरिकी डॉलर तक गिरने के बावजूद एक लीटर पेट्रोल की कीमत 110 रुपये है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 8.5 वर्षों में ईंधन पर उपकर के माध्यम से 30 लाख करोड़ रुपये जमा किए हैं।

भाजपा नेताओं के इस दावे पर प्रकाश डालते हुए कि प्रधानमंत्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध को सफलतापूर्वक रोक दिया है, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि पड़ोसी कर्नाटक और महाराष्ट्र सरकारें युद्ध में है। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों से, दोनों भाजपा शासित राज्य लगभग 200 गांवों के अधिकार क्षेत्र को लेकर आमने-सामने है और फिर भी प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे को हल करने की जहमत नहीं उठाई।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने भाजपा नेताओं को अपने तरीके सुधारने और व्यक्तिगत दुर्व्यवहार से दूर रहने की चेतावनी देते हुए कहा कि बीआरएस नेताओं में समान रूप से अपमानजनक भाषा का उपयोग करने की क्षमता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी. श्रीनिवास के लिए हमारे मन में सम्मान है लेकिन उनके बेटे और भाजपा सांसद अरविंद को उनकी भाषा पर ध्यान देना चाहिए। मैं उनसे केंद्र सरकार पर हावी होने और निजामाबाद के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये देने का आग्रह करता हूं, हम उनका स्वागत करेंगे।

सीबीआई के समक्ष पेश हुए वाईएसआरसीपी सांसद, 2019 में हुई थी दिवंगत सीएम के छोटे भाई की हत्या

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा से लोकसभा सांसद अविनाश रेड्डी शनिवार को विवेकानंद रेड्डी की हत्या के सिलसिले को सीबीआई अधिकारियों के समक्ष पेश हुए। विवेकानंद रेड्डी, दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के छोटे भाई थे। उनकी 2019 में हत्या कर दी गई थी। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद अविनाश को जांच एजेंसी ने इससे पहले 24 जनवरी को तलब किया था लेकिन उन्होंने और समय मांगा था, जिसके बाद सीबीआई ने उन्हें 28 जनवरी की नई तारीख दी थी। सूत्रों ने बताया कि उन्हें इस मामले में गवाह के रूप में बुलाया गया था। अविनाश, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई हैं।

सीबीआई ने हत्या के मामले में 26 अक्तूबर, 2021 को आरोपपत्र दायर किया था और इसके बाद 31 जनवरी, 2022 को पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। विवेकानंद रेड्डी, राजशेखर रेड्डी के भाई और जगन मोहन रेड्डी के चाचा थे।

हमारे युवा नौकरी करने के बजाय नौकरी देंगे : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि भारत के युवा नौकरी करने के बजाय दूसरों को नौकरी देने के लिए अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय युवाओं द्वारा स्टार्टअप कंपनियों की स्थापना से उन्हें नए विचारों के साथ आने में मदद मिल रही है। किशन रेड्डी ने यहां आयोजित जी-20 स्टार्टअप एंगेजमेंट ग्रुप की बैठक में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार भारत को आगे ले जाने के लिए एक रणनीतिक योजना लेकर आई है, जो स्टार्टअप कंपनियों के लिए सबसे बड़े केंद्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप सम्मेलन के लिए भारत सही मंच है और कहा कि देश में 85,000 पंजीकृत स्टार्टअप हैं। उन्होंने कहा कि देश में 100 स्टार्टअप कंपनियां हैं, जिनका बाजार मूल्यांकन 350 अरब डॉलर है। रेड्डी ने कहा कि देश की युवा आबादी इसकी ताकत है और कहा कि युवा देश के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए नवीन विचारों और नई तकनीकों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया सीड फंड जैसी योजनाएं लेकर आई है। उन्होंने कहा कि एफडीआई में वृद्धि देश में स्टार्टअप इको-सिस्टम को प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने भविष्यवाणी की कि भारत की स्टार्टअप कंपनियां अगले 25 वर्षों में देश की जीडीपी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

परंपरा से हटकर तेलंगाना राजभवन की वेबसाइट पर पीएम मोदी की तस्वीर

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश के शेष 27 राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले राजभवन की वेबसाइटों के विपरीत, तेलंगाना राजभवन की आधिकारिक वेबसाइट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर दिखाने वाली एकमात्र वेबसाइट है। परंपरागत रूप से, राजभवन की वेबसाइट कुछ मामलों में राष्ट्रपति की तस्वीर के साथ-साथ संबंधित राज्यपालों की तस्वीरों को प्रदर्शित करती है। राजभवन के कार्यालय में प्रधानमंत्री की तस्वीर नहीं है, क्योंकि यहां सत्तारूढ़ दल सहित किसी भी राजनीतिक संबद्धता से मुक्त इसके काम करने की उम्मीद है। हालांकि, तेलंगाना राजभवन की वेबसाइट पारंपरिक प्रथाओं से हटकर है और ऐसा लगता है कि उसने प्रधानमंत्री की तस्वीर लगाने के लिए चुना है।

द इंग्लिश एसोसिएशन के फेलो के रूप में चुने गये प्रमोद के नायर

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान (वर्ष 2018) में सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए विज़िटर अवार्ड के विजेता हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रमोद के नायर को द इंग्लिश एसोसिएशन के फेलो के रूप में चुना गया है।

एक विद्वान समाज इंग्लिश एसोसिएशन अंग्रेजी अध्ययन के लिए सबसे सम्मानित संगठनों में से एक है। इसकी स्थापना 1906 में प्रसिद्ध शेक्सपियर विद्वान एसी ब्रैडली, इज़राइल गोलान्ज और अन्य ने की थी।

प्रोफेसर नायर को बधाई देते हुए वाइस चांसलर प्रोफेसर बीजे राव ने कहा कि द इंग्लिश एसोसिएशन के लिए फैलोशिप एक अद्भुत उपलब्धि है।

मैं प्रमोद की सफलता की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह विश्वविद्यालय और अंग्रेजी विभाग के लिए और अधिक ख्याति लाएंगे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सक्रिय और अपराध निवारक पुलिसिंग होनी चाहिए : स्टीफन रवीन्द्र

सीपी ने लोक अभियोजकों व कोर्ट ड्यूटी अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने आज साइबराबाद पुलिस के मुख्य सम्मेलन हॉल में लोक अभियोजकों (पीपी), अतिरिक्त पीपी, सहायक पीपी, कोर्ट ड्यूटी अधिकारियों (सीडीओ), जांच अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस मौके पर सीपी ने कहा कि पिछले दो साल से कोरोना व अन्य कारणों से पीपी बैठक का आयोजन नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा मामले साइबराबाद में दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021-2022 के लिए 33000 मामले दर्ज किए गए हैं। यूआई मामलों की लंबितता 12,000 से घटाकर 8,400 कर दी गई है। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट में आने वाले मामलों के संबंध में चार्जशीट दाखिल करने और जांच तेजी से की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामलों का पता लगाने का प्रतिशत 55 से बढ़कर 65 प्रतिशत यानी 10 प्रतिशत हो गया है। संपत्ति संबंधी अपराधों में 28 प्रतिशत की कमी आई है। सक्रिय और अपराध निवारक पुलिसिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साल 2023 के लक्ष्यों के तहत कोर्ट में सजा के मामले में वृद्धि होनी चाहिए। अदालती दोषसिद्धि का प्रतिशत बढ़ाने के लिए लोक अभियोजकों, अभियोजकों और अदालत के सुनवाई अधिकारियों को आपसी सहयोग प्रदान करना चाहिए। आशा है कि इन सात सर्वेक्षणों का प्रतिशत पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना हो जाएगा। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों के संबंध में काफी प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अनुशासन के साथ काम करें और अपराधियों को अदालत में अधिक सजा दिलाएं और साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय और तेलंगाना पुलिस में अच्छा नाम लाएं। कोर्ट कांस्टेबलों को अच्छा काम करना चाहिए और सजा का प्रतिशत बढ़ाना चाहिए। साइबराबाद डीसीपी क्राइम सिंधनवार कलमेश्वर ने कहा कि पीपी, एपीपी, सीडीओ और कोर्ट कॉन्स्टेबल सभी ने साइबराबाद में अच्छी प्रतिशत सजा दर प्राप्त करने के लिए सहयोग किया। उप निदेशक अभियोजन (रंगारेड्डी जिला) जी. कस्तूरीबाई ने कहा कि लोक अभियोजकों और पुलिस के समन्वय से पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक दोषसिद्धि लाई जाएगी। लोक अभियोजक/संयुक्त निदेशक (रंगारेड्डी जिला) सी. रामू ने कहा कि मामलों की जांच में जांच अधिकारियों और सीडीओ की भूमिका अहम होती है। महिला एवं बाल सुरक्षा विंग डीसीपी कविता ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामले में तुरंत मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए और जांच तेजी से की जानी चाहिए। बाद में, उप निदेशक अभियोजन (रंगारेड्डी जिला) जी. कस्तूरीभाई, लोक अभियोजक/संयुक्त निदेशक (रंगारेड्डी जिला) सी. रामू, लोक अभियोजक/संयुक्त निदेशक (संगारेड्डी जिला) जे श्रीनिवास रेड्डी ने लोक अभियोजकों को सम्मानित किया। अच्छा प्रदर्शन करने वाले कांस्टेबलों को पुरस्कार के साथ सीपी प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

आदिवासी लड़की ने किलिमंजारो पर्वत पर विजय प्राप्त की

सांसद संतोष कुमार ने दी बधाई

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले के मचारेड्डी मंडल के सोमावरमपेटा गांव की एक आदिवासी लड़की बनोथ वेनेला ने 26 जनवरी को किलिमंजारो पर्वत पर चढ़ाई की है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और राज्यसभा सदस्य जे. संतोष कुमार के सम्मान में वेनेला ने दोनों नेताओं की तस्वीरों वाला एक बैनर प्रदर्शित किया। बैनर में ग्रीन इनिशिएटिव के लिए संतोष कुमार द्वारा प्रवर्तित ग्रीन इंडिया चैलेंज का संदेश भी था। उन्होंने संतोष कुमार को 3 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे उन्हें अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने मुख्यमंत्री और ग्रीन इंडिया चैलेंज के आयोजकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

इस बीच, संतोष कुमार ने वेनेला को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने न केवल अपना और अपने परिवार का बल्कि पूरे तेलंगाना राज्य का भी नाम रोशन किया है। उन्होंने उसके भविष्य के प्रयासों के लिए उसे शुभकामनाएं दीं।

सीपी से मिले वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के मल्काजगिरी जोन डीसीपी जानकी धारावत, एलबी नगर जोन डीसीपी बी. साई श्री, डीसीपी साइबर क्राइम बी अनुराधा, यदाद्री भोंनगिरी जोन डीसीपी राजेश चंद्र ने आज राचकोंडा सीपी डी.एस. चौहान राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय, नेरेडमेट में में मुलाकात की। संबंधित क्षेत्रों के नए डीसीएसपी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद कार्यक्षेत्र आदि आवंटित किए गए। सीपी ने सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और राचकोंडा के लोगों के लिए अपने प्रयासों को जारी रखने का निर्देश दिया।

सूर्यप्रभा ने वाहन सेवा का नेतृत्व किया

राधा सप्तमी के लिए भारी संख्या में तीर्थयात्री निकले

तिरुमला, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रथ सप्तमी के शुभ अवसर पर सूर्यनारायण मूर्ति के रूप में श्री मलयप्पा स्वामी ने भक्तों को सूर्यप्रभा वाहनम पर आशीर्वाद दिया। शनिवार को सूर्य जयंती के सिलसिले में, श्री मलयप्पा ने सुबह 5:30 से 8 बजे के बीच आयोजित सूर्यप्रभा वाहनम में एक दिव्य सवारी निकाली। सभी दीर्घाएं पहले वाहनम से ही तीर्थयात्रियों से भरी हुई हैं क्योंकि मेगा उत्सव में कोविड महामारी के बाद पूर्ण रूप से भाग लिया जा रहा है। जैसे ही उगते सूरज की पहली किरणें श्री मलयप्पा के माथे, पेट और पैरों पर पड़ीं, उत्तर पश्चिम कोने में हरती का प्रतिपादन किया गया। दीर्घाओं में प्रतीक्षा कर रहे भक्तों ने अत्यधिक धार्मिक परमानंद के साथ गोविंद नमः का जाप किया और श्री सूर्यनारायण मूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर एपी के सीएस डॉ केएस जवाहर रेड्डी, टीटीडी बोर्ड के सदस्य रामुलु, अशोक कुमार, जेईओ (एच एंड ई) सदा भार्गवी, सीवीएसओ नरसिम्हा किशोर, डिप्टी ईओ रमेश बाबू और अन्य उपस्थित थे।

विधायक जोगू रामन्ना ने किया सीएम के सभा स्थल का निरीक्षण

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय स्तर पर भारत राष्ट्र समिति पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से व्यापक गतिविधियों की शुरुआत की जा रही है। मुख्यमंत्री केसीआर ने विशेष रूप से महाराष्ट्र पर पार्टी नेतृत्व के विशेष ध्यान को देखते हुए फरवरी के महीने में नांदेड़ जाने का फैसला किया है। ऐसे में मुख्यमंत्री के नांदेड़ दौरे को सफल बनाने की योजना बनाई जा रही है। पिछले कुछ दिनों से जिले के प्रमुख नेता वहां का दौरा कर रहे हैं और जमिनी स्तर पर नेताओं से मिल रहे हैं और मुख्यमंत्री के दौरे का उद्देश्य बता रहे हैं। हाल ही में आदिलाबाद के विधायक जोगु रामन्ना ने नांदेड़ का दौरा किया और परिसर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री की सभा में बड़ी संख्या में लोग और प्रशंसक आएंगे, इस उम्मीद के बीच व्यवस्था की जा रही है। विधायक ने जनसभा परिसर का निरीक्षण करने के बाद स्थानीय नेताओं से लंबी चर्चा की। मुख्यमंत्री केसीआर ने जनसभा को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा की। उनके साथ चेन्नूर विधायक बालका सुमन और सांसद बीवी पटेल, दुग्गल विधायक शिंदे, पूर्व सांसद नागेश, सरदार रविदर सींह के साथ स्थानीय नेता व प्रमुख नेता भी मौजूद थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.